प्रधानमंत्री मोदी बोले- किसानों के परिश्रम का उत्सव पोंगल - 12

नीति आयोग के ईपीआई में शीर्ष पांच में उत्तर प्रदेश भी शामिल - 12

बेकाबू ट्रंप पर लगाम लगाने के लिए अमेरिकी सांसदों ने रखा विधेयक - 13

डेथ-ओवर्स में केएल राहुल साबित कर रहे हैं अपना दबदबा - 14

आज का मौसम
17.0°
अधिकतम तापमान
7.0°
न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 07.07
सूर्यास्त 05.36

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| हल्द्वानी |

www.amritvichar.com
2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

माघ कृष्ण पक्ष द्वादशी 08:16 उपरांत त्रयोदशी विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 15 जनवरी 2026, वर्ष 5, अंक 326, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

ब्रीफ न्यूज

शबरिमला मामले में टीडीबी के पूर्व सदस्य को किया गया गिरफ्तार

तिरुवनंतपुरम। केरल स्थित प्रसिद्ध शबरिमला अयप्पा मंदिर से सोने की चोरी की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) ने बुधवार को यहां के एक निजी अस्पताल से त्रावणकोर देवस्वोम (टीडीबी) के पूर्व सदस्य केपी शंकर दास को गिरफ्तार किया। सूत्रों के मुताबिक, मंदिर के द्वारपालों की मूर्तियों और श्रीकोविल (गर्भगृह) के दरवाजों से सोना चोरी होने से संबंधित दो मामलों में टीडीबी के पूर्व सदस्य को गिरफ्तार किया गया। उनकी गिरफ्तारी केरल उच्च न्यायालय द्वारा यह सवाल उठाए जाने के कुछ दिनों बाद हुई है कि दास को अभी तक दोनों मामलों में गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया है। दास इन दोनों मामलों में गिरफ्तार होने वाले 12वें व्यक्ति हैं।

एक इनामी समेत 29 माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में दो लाख रुपए के एक इनामी माओवादी समेत 29 माओवादियों ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के गोगुंडा क्षेत्र के अंतर्गत केरलापाल एरिया कमेटी में सक्रिय 29 माओवादियों ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया।उन्होंने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में से गोगुंडा पंचायत में दंडकारण्य आदिवासी किसान मजदूर संगठन के अध्यक्ष पोड़ियाम बुधरा के सर पर दो लाख रुपए इनाम है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले माओवादी सुकमा जिले की कई बड़ी वारदातों में शामिल रहे हैं।

पीएसएलवी-सी62 से अलग होने के बाद डाटा भेजा

चेन्नई। इसरो के पीएसएलवी-सी62 मिशन में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में इस रॉकेट द्वारा ले जाया गया केआईडी (केस्ट्रेल इनिशियल टेक्नोलॉजी डेमोंस्ट्रेटर) कैप्सूल नष्ट नहीं हुआ और उसने डाटा भेजा। पेलोड विकसित करने वाली स्पेनिश स्टार्टअप कंपनी 'ऑर्बिटल पैराडिगम' ने यह दावा किया है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने हालांकि कंपनी के इस दावे पर कोई टिप्पणी नहीं की और न ही इसकी पुष्टि की। इस दावे को 13 जनवरी को 'एक्स' पर उसके आधिकारिक अकाउंट पर साझा किया गया था।

कर्नाटक में पतंग के मांझे से गला कटने से व्यक्ति की मौत

बेंगलुरु। बेंगलुरु में पतंग की डोर (मांझे) से गला कटने से एक व्यक्ति की बुधवार को मौत हो गई। मृतक की पहचान संजीव कुमार होसमानी (48) के रूप में हुई, जो बीदर तालुक के बंबुलगी गांव का निवासी था। पुलिस के अनुसार, चिटगुप्पा में कांच का लेप चढ़ा मांझा मोटरसाइकिल चला रहे होसमानी के गले में उलझ गया। मांझे से उसका गला कट गया, जिससे वह सड़क पर गिर गया। बहुत अधिक खून बहने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि होसमानी संक्रांति त्योहार के लिए अपनी बेटी को छात्रावास से घर लाने के लिए हुमनाबाद जा रहा था।

ईरान में और बिगड़े हालात, भारतीयों को तुरंत देश छोड़ने की चेतावनी जारी

विदेश मंत्रालय ने जारी की एडवाइजरी, मृतकों की संख्या बढ़कर 2,572 हुई

- आर्थिक संकट के खिलाफ शुरू हुआ आंदोलन राजनीतिक परिवर्तन की मांग में हुआ तब्दील

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने बुधवार को ईरान में रह रहे अपने सभी नागरिकों से उपलब्ध साधनों से देश छोड़ने को कहा, क्योंकि देश में बड़े पैमाने पर सरकार विरोधी प्रदर्शनों और प्रदर्शनकारियों पर की जा रही कार्रवाई के मद्देनजर सुरक्षा स्थिति और बिगड़ गई है। भारत ने अपने नागरिकों को ईरान की यात्रा से भी बचने की सलाह दी। वहीं, ईरान के प्रधान न्यायाधीश ने प्रदर्शनों के दौरान हिरासत में लिए गए लोगों के खिलाफ त्वरित सुनवाई और फांसी की सजा देने की बात कही है। ईरान में मृतकों की संख्या बढ़कर 2,572 हो गई है।

ईरानी मुद्रा रियाल के रिकॉर्ड निचले स्तर पर गिरने के बाद पिछले महीने तेहरान में प्रदर्शन शुरू हुए। तब से ये प्रदर्शन सभी 31 प्रांतों में फैल चुके हैं, और आर्थिक संकट के खिलाफ आंदोलन से शुरू होकर राजनीतिक परिवर्तन की मांग में तब्दील हो गए हैं। ईरान में भारतीय दूतावास ने एक नया परामर्श जारी करते हुए कहा, ईरान में बदलती स्थिति के मद्देनजर ईरान में मौजूद भारतीय नागरिकों (छात्रों, तीर्थयात्रियों, व्यापारियों और पर्यटकों) को वाणिज्यिक उड़ानों सहित परिवहन के उपलब्ध साधनों का उपयोग करके देश छोड़ने की सलाह दी जाती है।

ईरान सरकार के खिलाफ सड़कों पर प्रदर्शन करते प्रदर्शनकारी।

परामर्श में कहा गया, यह दोहराया जाता है कि सभी भारतीय नागरिकों और भारतीय मूल के लोगों (पीआईओ) को उचित सावधानी बरतनी चाहिए, विरोध प्रदर्शनों या रैलियों वाले क्षेत्रों से बचना चाहिए, ईरान में भारतीय दूतावास के संपर्क में रहना चाहिए और किसी भी घटनाक्रम के लिए स्थानीय मीडिया पर नजर रखनी चाहिए। विदेश मंत्रालय ने भारतीयों को ईरान की यात्रा से बचने की सलाह दी है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि ईरान में मौजूदा घटनाक्रम को देखते हुए भारतीय नागरिकों को फिर से सलाह दी जाती है कि वे अगली सूचना तक इस्लामिक गणराज्य ईरान की यात्रा करने से बचें। साथ ही, ईरान में रहने वाले भारतीय नागरिकों और भारतीय मूल के लोगों से सावधानी बरतने और प्रदर्शन वाले क्षेत्रों में जाने से बचने को कहा था। ईरान में हो रहे प्रदर्शनों से पश्चिम एशिया में भी व्यापक तनाव पैदा हो गया है और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रदर्शनकारियों पर क्रूर कार्रवाई के खिलाफ तेहरान को चेतावनी दी है। प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि मदद पहुंचने वाली है।

ईरान के सुप्रीम कोर्ट ने फांसी देने की बात कही

दुबई। ईरान के प्रधान न्यायाधीश ने सरकार विरोधी राष्ट्रव्यापी प्रदर्शनों के दौरान हिरासत में लिए गए लोगों के खिलाफ त्वरित सुनवाई और फांसी की सजा देने की बात कही है। ईरान के उच्चतम न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश गुलामहुसैन मोहसेनी-एजेई ने मंगलवार को एक वीडियो में, मुकदमे चलाए जाने और फांसी की सजा के बारे में टिप्पणी की। हालांकि, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी है कि मृत्युदंड दिये जाने की स्थिति में वह बहुत कड़ी कार्रवाई करेंगे।

1979 की क्रांति से भी ज्यादा बड़ा आंदोलन

दशकों में ईरान में हुए किसी भी विरोध प्रदर्शन या अशांति में हुई मौतों की संख्या से कहीं अधिक है और देश की 1979 की इस्लामी क्रांति के दौरान फैली अराजकता की याद दिलाता है। ईरान के प्रधान न्यायाधीश एजेई ने कहा, अगर हमें कोई काम करना है, तो हमें उसे अभी करना चाहिए। अगर हम कुछ करना चाहते हैं, तो हमें उसे जल्दी करना होगा। अगर इसमें दो महीने या तीन महीने की देरी होती है तो इसका उतना असर नहीं पड़ेगा। अगर हम कुछ करना चाहते हैं, तो हमें उसे तुरंत करना होगा।

हाईकोर्ट में ईडी बोली- गैरकानूनी तरीके से फाइलें ले गईं ममता

कोलकाता, एजेंसी

- आई-पैक छापेमारी : हाईकोर्ट ने टीएमसी की याचिका का किया निस्तारण
- सुनवाई के दौरान ईडी और ममता सरकार के बीच जबरदस्त बहस

कलकत्ता हाईकोर्ट ने राजनीतिक परामर्श फर्म 'आई-पैक' के निदेशक प्रतीक जैन के कार्यालय एवं आवास पर ईडी की छापेमारी से संबंधित एक मामले में बुधवार को तृणमूल कांग्रेस की उस याचिका का निस्तारण कर दिया, जिसमें उसने अपने डाटा की सुरक्षा का अनुरोध किया था। सुनवाई के दौरान ईडी और राज्य सरकार के बीच जबरदस्त बहस चली। कोर्ट ने कहा कि ईडी ने उसे अवगत कराया है कि उसने (जांच एजेंसी ने) छापेमारी के दौरान आई-पैक निदेशक के कार्यालय व आवास से कुछ भी जब्त नहीं किया है।

ईडी की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एसवी राजू ने अदालत के समक्ष कहा कि एजेंसी ने इन दोनों परिसरों से कुछ भी जब्त नहीं किया है। एएसजी ने कहा कि एजेंसी ने जो कुछ भी जब्त किया था, उसे मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा वापस ले लिया गया था। तृणमूल कांग्रेस की याचिका का निस्तारण करते हुए न्यायमूर्ति शुभ्रा घोष ने कहा कि ईडी और केंद्र सरकार की ओर से प्रस्तुत दलीलों पर गौर करते हुए, पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टी की इस याचिका पर विचार करने के लिए और कुछ भी नहीं बचा है। न्यायमूर्ति घोष ने ईडी की उस याचिका की भी सुनवाई स्थगित कर दी, जिसमें आठ जनवरी की घटनाओं की सीबीआई जांच का अनुरोध किया गया था, जब छापेमारी के दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सॉल्ट लेक स्थित आई-पैक कार्यालय और निदेशक के दक्षिण कोलकाता के लाउडन स्ट्रीट स्थित आवास पर गई थीं। उच्च न्यायालय ने केंद्रीय एजेंसी की याचिका की सुनवाई इस आधार पर स्थगित कर दी कि ईडी ने सुप्रीम कोर्ट में एक विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) दायर की है जो फिलहाल, इसके समक्ष प्रस्तुत आवेदन के लगभग समान हैं। राजू ने दलील दी कि जब इसी तरह का कोई मामला शीर्ष कोर्ट के समक्ष लंबित हो, तो उच्च न्यायालय को उसी विषय पर मामले की सुनवाई करने से बचना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई आज

शीर्ष कोर्ट ने गुरुवार को ईडी की एक याचिका पर सुनवाई करेगा, जिसमें आरोप लगाया गया है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सहित राज्य सरकार ने आई-पैक कार्यालय और इसके निदेशक प्रतीक जैन के परिसर में ईडी की जांच और तलाशी अभियान में बाधा डाली। ईडी ने छापेमारी की कार्रवाई कोयला घोटाले के सिलसिले में की थी। न्यायालय की वाद सूची के अनुसार, न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति विपुल पंचोली की पीठ इस मामले की सुनवाई कर सकती है। राज्यसरकार ने भी एक कैविएट दायर कर अनुरोध किया है कि पिछले सप्ताह राजनीतिक परामर्श फर्म आई-पैक के खिलाफ ईडी की छापेमारी के संबंध में उसका पक्ष सुने बिना कोई आदेश पारित नहीं किया जाए।

आस्था की डुबकी

प्रयागराज : संगम तट पर आयोजित माघ मेले के दूसरे स्नान पर्व मकर संक्रांति से पूर्व बुधवार को एकादशी के अवसर पर शाम तक 85 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने गंगा और संगम में आस्था की डुबकी लगाई।

थाईलैंड में ट्रेन पर क्रेन गिरी, 29 की मौत, 64 घायल

- मरने वालों में ज्यादातर स्कूली छात्र 65 फीट ऊंचाई से मलबा गिरा

बैंकॉक। थाईलैंड के उत्तर पूर्वी क्षेत्र में बुधवार को एक यात्री ट्रेन पर निर्माण में इस्तेमाल की जाने वाली क्रेन के गिर जाने के बाद ट्रेन के पटरी से उतर जाने के कारण 29 लोगों की मौत हो गई और 64 अन्य घायल हो गए।

यह हादसा महत्वाकांक्षी हाई-स्पीड रेल परियोजना निर्माण के दौरान हुआ। यह परियोजना चीन को दक्षिण-पूर्व एशिया के अधिकतर हिस्सों से जोड़ेगी। नाखोन रत्चासिमा प्रांत के जनसंपर्क कार्यालय के अनुसार, दुर्घटना उस वक्त हुई जब रेलवे के एक ऊंचे हिस्से का निर्माण करने के लिए इस्तेमाल की जा रही क्रेन बैंकॉक से उबोन रत्चाथानी प्रांत की ओर जा रही ट्रेन पर गिर गई। इस घटना के बाद ट्रेन पटरी से उतर गई और उसमें आग लग गई। ट्रेन में 195 यात्री सवार थे। हालांकि ये आंकड़ा ट्रेन में सीटों के आधार पर बताया गया है और ट्रेन में असल में कितने यात्री सवार थे, इसका आंकड़ा अलग हो सकता है। थाईलैंड सरकार ने हादसे की जांच के आदेश दिए हैं।

नरभक्षी का खौफ नैनीताल के तीन ब्लॉक में स्कूल बंद

- डीएम का आदेश, दो तेंदुओं के ट्रैप होने के बाद दहशत

हल्द्वानी। नरभक्षी तेंदुए की दहशत के चलते नैनीताल जिले के धारी, ओखलकांडा और रामगढ़ ब्लॉक में तीन दिन तक स्कूल बंद रहेंगे। जिलाधिकारी नैनीताल ललित मोहन रयाल ने मंगलवार को इसका आदेश जारी किया है। आदमखोर वन्यजीव की सक्रियता की सूचना के बाद बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए इन क्षेत्रों में संचालित कक्षा 12 तक के सभी स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों में 15 जनवरी से 17 जनवरी तक तीन दिन के लिए अवकाश घोषित किया गया है।

उल्लेखनीय है कि इन पर्वतीय क्षेत्रों में भौगोलिक परिस्थितियों के कारण बच्चों को स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्र पहुंचने के लिए सुनसान रास्तों, पगडंडियों और जंगल के क्षेत्रों से होकर गुजरना पड़ता है, जिससे छोटे बच्चों और छात्रों को जान का खतरा रहता है। जिला प्रशासन का यह आदेश छात्रों, आंगनबाड़ी बच्चों के साथ ही संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों पर समान रूप से लागू रहेगा।

आदेश में बताया गया कि वन विभाग, पुलिस और आपदा प्रबंधन से समन्वय स्थापित कर स्थिति की लगातार समीक्षा की जाएगी।

मोदी के नेतृत्व में भाजपा लगाएगी हैट्रिक, कांग्रेस है घबरायी : धामी

संवाददाता, खटीमा

- खटीमा में गरजे मुख्यमंत्री धामी, आरोप-वोट बैंक के लिए कांग्रेस ने बदली देवभूमि की पहचान

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी बुधवार को खटीमा में कांग्रेस पर खूब गरजे और बरसे। कहा कि उनकी सरकार प्रदेश में लगातार साहसिक निर्णय ले रही है और इससे कांग्रेस घबराई हुई है और उसकी नींद उड़ चुकी है। दावा किया कि, 2027 में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उनकी सरकार हैट्रिक लगाएगी और तीसरी बार भाजपा सरकार बनाएगी।

सीएम धामी ने बुधवार को अपने गृह नगर खटीमा में आयोजित कार्यक्रम में 33.36 करोड़ की 9 विकास योजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया, जिसमें 11.27 करोड़ से नवनिर्मित हाईटेक महाराणा प्रताप बस स्टेशन भी शामिल है। उन्होंने जनसमूह को संबोधित करते कहा कि खटीमा में बस स्टेशन को चाहकर भी अपनी विधायकी में बनाने में असफल रहे। अब मुख्य सेवक के नाते उन्हें इसके लोकार्पण का अवसर मिला है। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस की सोच शुरू से ही सनातन विरोधी रही है। सत्ता की राजनीति में कांग्रेस ने बार-बार तुष्टिकरण का रास्ता अपनाया और समाज को बांटने का काम किया। कांग्रेस ने सत्ता के लिए देवभूमि की आत्मा तक से समझौता किया। कांग्रेस के पुराने शासनकाल की ओर इशारा करते हुए कहा कि वोट बैंक की राजनीति के चलते एक सुनियोजित षड्यंत्र रचा गया, जिसके तहत उत्तराखंड की डेमोग्राफी बदलने की कोशिश की गई। अवैध तरीके से बाहरी तत्वों को बसाया गया, ताकि सांस्कृतिक संतुलन कमजोर हो और देवभूमि की पहचान पर चोट पहुंचे।

मुख्यमंत्री के शब्दों में यह सिर्फ प्रशासनिक चूक नहीं, बल्कि उत्तराखंड की संस्कृति के खिलाफ साजिश थी। कहा कि यूसीसी की जो गंगा उत्तराखंड से निकली है वह आगे देश भर में बहेगी। कांग्रेस उनकी सरकार के कार्यों से घबरायी हुई है। आरोप लगाया कि कांग्रेस अब अलगाववादियों के साथ उनकी सरकार के खिलाफ षड्यंत्र कर रही है। हर छोटे-मोटे मामलों में अफवाह फैलाने में लगी है। कांग्रेस जेहादियों का टूलकिट बन रही है। यही कारण है कि कश्मीर और जेएनयू में लगने वाले अलगाववादी नारे अब उत्तराखंड में भी लगने लगे हैं। कांग्रेस ही अलगाववादियों को प्रश्रय दे रही है।

देवभूमि में जेहादी मानसिकता बर्दाश्त नहीं करेगी सरकार

सीएम ने स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी कि उनकी सरकार देवभूमि में जेहादी और अलगाववादी मानसिकता को बर्दाश्त नहीं करेगी और उनके षड्यंत्र विफल करेगी। कहा कि वर्ष 2022 में भी खटीमा के जनजातीय समाज में अफवाह फैलायी गयी कि भाजपा सरकार बनने पर उनकी जमीन सरकार में निहित हो जाएगी। उन्होंने खटीमा के विधायक भुवन कापड़ी का नाम लिए बिना कहा कि आज अफवाह फैलाने वाले सनातन धर्म का विरोध करने वालों की कठपुतली बने हुए हैं। धामी ने दोहराया कि वह प्रदेश की डेमोग्राफी और संस्कृति से किसी भी हालत में खिलवाड़ नहीं होने देंगे। उनकी जानकारी में आया है कि खटीमा के आसपास भी अवांछित लोग काबिज होते जा रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को ऐसे लोगों के खिलाफ सख्ती से कदम उठाने के निर्देश दिए।

दो दौर की काउंसलिंग के बाद नीट पीजी 2025 का कटऑफ घटाया

नई दिल्ली, एजेंसी

- देशभर में 18,000 से अधिक स्नातकोत्तर मेडिकल सीट खाली रहने के कारण लिया फैसला
- व्यवस्था के तहत आरक्षित श्रेणियों के लिए पर्सेंटाइल को 40 से घटाकर शून्य किया गया

देशभर में 18,000 से अधिक स्नातकोत्तर मेडिकल सीट खाली रहने के कारण, राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान बोर्ड (एनबीईएमएस) ने नीट-पीजी 2025 प्रवेश के लिए अर्हता पर्सेंटाइल को संशोधित किया है।

अब आरक्षित श्रेणियों के लिए पर्सेंटाइल को 40 से घटाकर शून्य कर दिया गया है। मंगलवार को एनबीईएमएस द्वारा प्रकाशित नोटिस के अनुसार, सामान्य श्रेणी के लिए नीट पीजी का कटऑफ 50 पर्सेंटाइल से घटाकर सात पर्सेंटाइल कर दिया गया है। यह निर्णय दो दौर की काउंसलिंग पूरी होने के बाद लिया गया है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि इस संशोधन का उद्देश्य उपलब्ध सीटों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करना है, जो भारत में प्रशिक्षित चिकित्सा विशेषज्ञों की संख्या बढ़ाने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। सूत्रों ने कहा कि ऐसी सीटों का खाली रहना स्वास्थ्य सेवा में सुधार के प्रयासों को कमजोर करता है और बहुमूल्य शैक्षिक संसाधनों की हानि का कारण बनता है। नीट-पीजी एक रैंकिंग व्यवस्था के रूप में काम करता है, जिसका उद्देश्य केंद्रीकृत काउंसलिंग के माध्यम से सीटों का पारदर्शी और मेरिट आधारित आवंटन सुनिश्चित करना है।

शोध

6 .6 करोड़ वर्ष पहले की जलवायु पर आधारित शोध में हुआ खुलासा

ग्लोबल वार्मिंग में वृद्धि हुई तो बदल जाएगा वर्षा का पैटर्न

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार : ग्लोबल वार्मिंग में अधिक वृद्धि हुई तो वर्षा का पैटर्न भी बदल जाएगा। वैज्ञानिकों ने 6.6 करोड़ वर्ष पहले की जलवायु पर शोध कर यह निष्कर्ष निकाला है। तब पृथ्वी काफी गर्म थी और आज की तुलना में तापमान बहुत अधिक था। यह शोध अनियमित वर्षा, सूखे और बाढ़ जैसी आपदाओं की चेतावनी देता है।

इसमें दोराय नहीं कि मौसम वैश्विक समस्या बन चुका है जिसे लेकर पर्यावरण, जलवायु, तापमान और मौसम पर नजर रखने वाले विशेषज्ञों के माथे पर बल पड़ने लगे हैं। आम इंसान भविष्य के मौसम की भयावहता से भले ही अनभिज्ञ हो, लेकिन जानकार इसकी दुश्वारियों को समझते हैं और कोशिश करते हैं कि मुंह बाहे खड़ी इस समस्या पर अंकुश लगाने के लिए हमें पर्यावरण और जलवायु चक्र के सिस्टम को समझना होगा और वैश्विक ताप पर नियंत्रण पाना होगा। इसके लिए सामूहिक रूप से ठोस प्रयास नहीं किए गए तो भविष्य का मौसम हमें माफ नहीं करेगा। इन खतरनाक भावी परिस्थितियों को समझने के लिए दुनिया में युद्ध स्तर पर शोध हो रहे हैं। इस कड़ी में एक नया शोध सामने आया है, जो 6.6 करोड़ वर्ष पूर्व की जलवायु पर आधारित है जिसकी तुलना वर्तमान से कर भविष्य की जलवायु को लेकर आगाह करता है। अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ यूटा व कोलोराडो स्कूल ऑफ माइंस के वैज्ञानिकों ने यह शोध किया है। शोध के अनुसार, तब डायनासोर खत्म हो चुके थे और तब कार्बन डाईऑक्साइड की मात्रा आज से दो से चार गुना अधिक थी। तापमान भी आज की तुलना में अधिक था। यह ऐसी परिस्थितियां थी, जो अनियमित वर्षा को जन्म देती हैं जिससे कभी जबर्दस्त बारिश तो कभी सूखे जैसी स्थिति उत्पन्न होती है। शोधकर्ता वैज्ञानिकों का कहना है कि वर्ष भर होने वाली वर्षा की मात्रा भले ही एक समान हो, लेकिन इसकी तीव्रता में बदलाव आ जाता है।

यह चेतावनी, हर किसी को समझनी होगी

आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) के वरिष्ठ पर्यावरण वैज्ञानिक डॉ. नरेंद्र सिंह जलवायु को लेकर निरंतर अध्ययनरत हैं। वह कहते हैं कि पृथ्वी पर जलवायु का एक नियमित चक्र होता था और उसी आधार पर आर्थिक, सामाजिक, कृषि, धार्मिक और अनेक काम होते थे। अब यह चक्र गड़बड़ाने लगा है तो असमानताएं बढ़ जाएंगी जिसका असर समस्त जीव जंतुओं पर पड़ेगा। जलवायु को लेकर जो नया शोध सामने आया है वह एक और चेतावनी है जिसे हर किसी को समझना होगा।

स्टेट ब्रीफ

प्रो. रमाकांत संस्कृत विवि के वीसी नियुक्त

देहरादून : राजस्थान के जयपुर में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के निदेशक प्रोफेसर रमाकांत पांडेय अब उत्तराखंड संस्कृत विश्व विद्यालय हरिद्वार के कुलपति होंगे। उनकी नियुक्ति संबंधित आदेश बुधवार को राज्यपाल और कुलाधिपति गुरमीत सिंह ने औपचारिक आदेश जारी कर दिया है। शासन द्वारा जारी आदेश के अनुसार, पूर्व में निर्गत अस्थायी/अंतरिम व्यवस्था से संबंधित आदेश पिछले साल अगस्त 2025 को अतिक्रमित करते हुए प्रो. रमाकान्त को विश्वविद्यालय का कुलपति नियुक्त किया गया है।

डीजीपी ने राज्यपाल से की भेंट वार्ता

देहरादून : राज्यपाल गुरमीत सिंह से बुधवार को पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) दीपम सेठ ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान डीजीपी ने प्रदेश में अपराध नियंत्रण एवं कानून-व्यवस्था के सम्बंध में विस्तार से अवगत कराया गया। साथ ही, आधुनिक तकनीक आधारित पुलिसिंग, एआई के उपयोग, साइबर सुरक्षा तथा आगामी कुंभ मेले की तैयारियों के संबंध में भी चर्चा की। पुलिस प्रशिक्षण के सुदृढ़ीकरण, एसडीआरएफ की क्षमता वृद्धि, आपदा प्रबंधन, त्वरित आपातकालीन प्रतिक्रिया व्यवस्था एवं जन-सुरक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण पहलों की भी जानकारी दी।

राज्यपाल ने पुलिस व्यवस्था को तकनीक-सक्षम, पारदर्शी एवं जनोन्मुखी बनाए जाने तथा आगामी कुंभ एवं अन्य बड़े आयोजनों के दृष्टिगत सुदृढ़ पुलिस प्रबन्ध बनाए रखने हेतु आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया।

उत्तराखंड को 12 महीने का पर्यटन राज्य बनाने का प्रयास : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री धामी ने उत्तरकाशी में किया विंटर टूरिज्म कॉन्क्लेव का शुभारंभ

संवाददाता, उत्तरकाशी

अमृत विचार: शीतकालीन चारधाम यात्रा एवं पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने तथा स्थानीय लोगों को वर्षभर रोजगार से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल के तहत बुधवार को उत्तरकाशी में एसोसिएशन ऑफ डोमेस्टिक टूर ऑपरेटर्स ऑफ इंडिया के सहयोग से तीन दिवसीय विंटर टूरिज्म कॉन्क्लेव का मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुभारंभ किया।

सीएम ने कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए कहा कि शीतकालीन पर्यटन सम्मेलन केवल एक औपचारिक संवाद नहीं, बल्कि राज्य के पर्यटन को नई दिशा देने का एक साझा प्रयास है। उन्होंने टूर ऑपरेटर्स, ट्रैवल एजेंट्स, होटल व्यवसायियों, होम-स्टे संचालकों, टैक्सी एवं ट्रांसपोर्ट यूनियन के प्रतिनिधियों, एडवेंचर टूरिज्म से जुड़े लोगों का स्वागत और उत्साहवर्धन किया। कहा कि आज देश के बड़े शहर प्रदूषण, बढ़ते तापमान, ट्रैफिक और तनाव से जूझ रहे हैं। ऐसे में उत्तराखंड देश का एक 'नेचुरल हीलिंग डेस्टिनेशन' बन सकता है और सरकार इसी दिशा में निरंतर कार्य कर रही है।

उत्तरकाशी में भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का स्वागत करतीं स्थानीय महिलाएं।

सीएम ने कहा कि उत्तराखंड अब केवल चारधाम यात्रा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह वेलनेस, नेचर, एडवेंचर, कल्चर, योग, मेडिटेशन और सतत पर्यटन का प्रमुख केंद्र बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने टूर ऑपरेटर्स की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि ट्रेंड बनाना और किसी डेस्टिनेशन को ब्रांड बनाना आप सभी के हाथ में है। अब समय राज्य को केवल चार या छह महीने का नहीं, बल्कि 12 महीने का पर्यटन राज्य बनाया जाए। सरकार की शीतकालीन पर्यटन नीति का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि पहाड़ खाली न रहें, होटल बंद न हों, टैक्सियां खड़ी न रहें, होमस्टे सूने न रहें और युवाओं को रोजगार के लिए पलायन न करना पड़े। उन्होंने कहा कि जब 12 महीने पर्यटन सक्रिय रहेगा तो प्रदेश की आर्थिक स्थिति में भी व्यापक सुधार होगा। कॉन्क्लेव में विभिन्न राज्यों से आए 100 से ज्यादा टूर ऑपरेटर्स ने प्रतिभाग किया।

ऐतिहासिक माघ मेले का किया शुभारंभ

उत्तरकाशी : मकर संक्रांति के पर्व पर उत्तरकाशी में सुप्रसिद्ध माघ मेला (बाड़ाहाट कू थौलू) शुरू हो गया है। पौराणिक माघ मेले का शुभारंभ बाड़ाहाट पट्टी के आराध्य कंडार देवता तथा बाड़ागड्डी क्षेत्र के हरि महाराज की डोली के सानिध्य में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की उपस्थिति में किया गया। सीएम ने कहा कि, यह एक लोक आस्था का महाकुंभ है और आज के दिन से ही मांगलिक कार्यों की शुरुआत होती है। आज उत्तरकाशी जनपद अपनी आध्यात्मिक पहचान बनाते हुए विकास पथ पर अग्रसर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज सांस्कृतिक विरासत सुरक्षित है और विकास भी सुनिश्चित हो रहा है। पर्यटन के क्षेत्र में आजीविका के नए अवसर बनाए जा रहे हैं।

संस्कृति, विकास और विरासत के साथ आगे बढ़ रहा उत्तराखंड

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को लखनऊ में पर्वतीय महापरिषद द्वारा आयोजित उत्तरायणी कौथिग में जनसमूह को संबोधित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तरायणी केवल लोकपर्व नहीं, बल्कि उत्तराखंड की सांस्कृतिक पहचान और जड़ों से जुड़ाव का सशक्त प्रतीक है। यह कौथिग उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश की साझा सांस्कृतिक विरासत को सहेजने का अद्भुत मंच है। लोकगीत, लोकनृत्य, लोकभूषा, हस्तशिल्प एवं कुटीर उद्योगों की झलक न केवल हमारी परंपराओं को जीवित रखती है, बल्कि स्थानीय शिल्पकारों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान करती है।

उन्होंने इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'वोकल फॉर लोकल' संकल्प को धरातल पर उतारने का सशक्त उदाहरण बताया। कहा कि, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आज भारत विकास के साथ-साथ अपनी संस्कृति, आस्था और सभ्यता को वैश्विक मंच पर प्रतिष्ठित कर रहा है। काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर, महाकाल लोक और अयोध्या में श्रीराम मंदिर जैसे ऐतिहासिक कार्य इसी दृष्टि का परिणाम हैं। 'एक भारत–श्रेष्ठ भारत' अभियान ने देश की विविध संस्कृति को एक सूत्र में पिरोया है। इसी विज़न के अनुरूप उत्तराखंड सरकार देवभूमि के विकास और विरासत को साथ लेकर चल रही है। केदारनाथ-बद्रीनाथ मास्टर प्लान, केदारखंड एवं मानसखंड मंदिर माला मिशन, हरिद्वार-ऋषिकेश गंगा कॉरिडोर, हरिपुर यमुना कॉरिडोर, गोलू जी, विवेकानंद एवं शारदा कॉरिडोर जैसे प्रोजेक्ट्स से आध्यात्मिक और सांस्कृतिक शक्ति को नई भव्यता मिल रही है।

लखनऊ में सीएम धामी का अभिनंदन करते पर्वतीय महापरिषद के पदाधिकारी।

- लखनऊ में उत्तरायणी कौथिग में बोले मुख्यमंत्री धामी
- 26 गुना बढ़ी अर्थव्यवस्था, 44% हुआ रिवर्स पलायन

कहा कि आज उत्तराखंड की अर्थव्यवस्था 26 गुना बढ़ चुकी है। प्रतिव्यक्ति आय 17 गुना बढ़कर 2,74,064 रुपये हो गई है। राज्य का बजट 1 लाख करोड़ रुपये के पार हो गया है। बिजली उत्पादन 4 गुना बढ़ा है, सड़कों की लंबाई दोगुनी हुई है और 10 सरकारी एवं निजी मेडिकल कॉलेज संचालित हो रहे हैं। मातृ मृत्यु दर में 12 प्रतिशत की कमी आई है। लखपति दीदी योजना में 1.68 लाख महिलाएं आत्मनिर्भर बन चुकी हैं। 44 प्रतिशत रिवर्स पलायन हुआ है। नीति आयोग के सतत विकास लक्ष्य इंडेक्स 2023-24 में उत्तराखंड ने देश में पहला स्थान प्राप्त किया है।

यही नया उत्तराखंड...

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि यही नया उत्तराखंड है जहां विकास, विश्वास और अवसर साथ-साथ हैं। उन्होंने देवभूमि उत्तराखंड को देश का अग्रणी राज्य बनाने के 'विकल्प रहित संकल्प' को दोहराते हुए सभी से सहयोग और आशीर्वाद की अपील की। कार्यक्रम में पर्वतीय महापरिषद के पदाधिकारी व बड़ी संख्या में प्रवासी उत्तराखंडी व स्थानीय लोग मौजूद रहे।

नियमित भर्ती प्रक्रिया शुरू नहीं करने पर हाईकोर्ट हुआ नाराज

विधि संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: उत्तराखंड हाईकोर्ट ने सरकारी विभागों में स्वीकृत पद खाली होने के बावजूद नियमित भर्ती प्रक्रिया शुरू न करने पर कड़ी नाराजगी जताई है।

न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल की एकलपीठ ने मामले की गंभीरता को देखते हुए याचिका का दायरा बढ़ा दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट रूप से कहा कि एक तरफ प्रदेश का युवा सरकारी नौकरियों के इंतजार में 'ओवर एज' हो रहा है। वहीं, दूसरी तरफ सरकार नियमित पदों को भरने के बजाय आउटसोर्स और अस्थायी माध्यमों से काम चला रही है। कोर्ट ने इस प्रथा को पूरी तरह से 'शोषणकारी' और 'तर्कहीन' करार दिया है।

पीठ ने टिप्पणी की कि स्वीकृत और रिक्त पदों पर ठेके या आउटसोर्सिंग के जरिए नियुक्तियां करना न केवल युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ है, बल्कि यह भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14, 16 और 21 के तहत मिले मौलिक अधिकारों का सीधा उल्लंघन भी है। कोर्ट ने इसे राज्य की बड़ी निष्क्रियता माना है।

- कड़ी टिप्पणी: प्रदेश का युवा सरकारी नौकरियों के इंतजार में 'ओवर एज' हो रहा
- मुख्य सचिव को रिक्त पदों का डेटा एकत्र करने व विस्तृत शपथ पत्र दाखिल करने के निर्देश

सुनवाई के दौरान अदालत ने चतुर्थ श्रेणी पदों को 'डाइंग कैडर' (समाप्त होने वाला संवर्ग) घोषित किए जाने पर भी सवाल उठाए। कोर्ट ने संज्ञान लिया कि उत्तर प्रदेश की जिस नीति को आधार बनाकर उत्तराखंड में इन पदों को खत्म किया जा रहा है, उसे इलाहाबाद हाईकोर्ट पहले ही असंवैधानिक घोषित कर चुका है। ऐसे में प्रदेश में इन पदों को समाप्त करना युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों को बंद करने जैसा है। न्यायालय ने राज्य के मुख्य सचिव को सख्त निर्देश दिए हैं कि वे सभी विभागों के सचिवों से रिक्त पदों का पूरा डेटा एकत्र करें और एक विस्तृत शपथ पत्र दाखिल करें।

सरकार को यह बताना होगा कि जब पद स्वीकृत हैं, तो उन पर नियमित भर्ती क्यों नहीं की जा रही है और क्यों इन पदों को आउटसोर्स या दैनिक वेतन भोगियों के माध्यम से भरा जा रहा है।

इस महत्वपूर्ण मामले की अगली सुनवाई अब 16 फरवरी को होगी। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि वह इस मुद्दे की गहराई तक जाएगा ताकि योग्य और पात्र युवाओं को उनका संवैधानिक हक मिल सके और प्रदेश में नियमित नियुक्तियों का रास्ता साफ हो सके।

वनाग्नि पर काबू पाने के प्रयास तेज

चमोली: नंदा देवी वन्यजीव वन प्रभाग के जंगलों में पिछले पांच दिनों से धधक रही आग को बुझाने के प्रयासों के तहत बुधवार को हेलीकॉप्टर से क्षेत्र का जायजा लिया गया। वनाग्नि नियंत्रण की जिम्मेदारी संभाल रहे बदरीनाथ वन प्रभाग के प्रभागीय वन अधिकारी सर्वेश दुबे ने स्पष्ट किया कि गोविंदघाट वन रेंज की पुष्पावती घाटी में पुलना और भ्यूंडार क्षेत्र के जंगलों में लगी आग को बुझाने के लिए हेलीकॉप्टर से पानी की बौछारें करने का विकल्प नहीं अपनाया जाएगा। कहा कि हेलीकॉप्टर से क्षेत्र जायजा लिया गया, लेकिन उससे पानी की बौछारें करना व्यावहारिक नहीं है, क्योंकि पानी भरने के लिए उसे टिहरी झील जाना पड़ेगा और वह एक घंटे में केवल 1,200 लीटर पानी ही गिरा पाएगा। वन प्रभाग के अधिकारी और कर्मचारियों की टीम वनाग्नि स्थल पर पहुंच चुकी हैं और उनकी मदद से आग बुझाने का प्रयास किया जा रहा है।

एक माह में निपटा लें भूमि संबंधी विवाद

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य में भूमि संबंधी विवादों के समाधान के लिए व्यापक और सघन अभियान चलाने तथा एक माह के भीतर उनका प्रभावी निस्तारण करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन एवं पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ को निर्देश दिया कि सभी जिलों में लंबित भूमि विवादों के समाधान के लिए व्यापक एवं सघन अभियान चलाया जाए तथा समस्त विवादित मामलों का निस्तारण एक माह की समय-सीमा के भीतर सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस अभियान के अंत तक भूमि विवादों से जुड़े लंबित मामलों को शून्य स्तर तक लाया जाए। कहा कि भूमि विवाद आम नागरिकों की समस्याओं से सीधे जुड़े होते हैं और इनके कारण कानून-व्यवस्था व सामाजिक सौहार्द पर भी

- मुख्यमंत्री ने दिए प्रदेश भर के अधिकारियों को निर्देश

प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है इसलिए सरकार की प्राथमिकता है कि ऐसे विवादों का त्वरित, पारदर्शी और न्यायसंगत समाधान हो। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभियान के दौरान संवेदनशील मामलों पर विशेष ध्यान दिया जाए और किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव को हर सप्ताह इस अभियान की प्रगति की समीक्षा करने को कहा ताकि तय समय-सीमा में लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित हो सके और समीक्षा के आधार पर आवश्यकतानुसार सुधारात्मक कदम भी उठाए जा सकें। कहा कि जरूरत के हिसाब से तहसील स्तर पर एसडीएम की अध्यक्षता में समितियों का गठन किया जाए, जिनमें संबंधित पुलिस क्षेत्राधिकारी एवं चकबंदी विभाग के अधिकारियों को भी सदस्य के रूप में शामिल किया जाए ताकि प्रशासनिक, राजस्व एवं पुलिस समन्वय के माध्यम से विवादों का प्रभावी समाधान किया जा सके। धामी ने विश्वास व्यक्त किया कि इस विशेष अभियान से भूमि विवादों के शीघ्र निस्तारण के साथ-साथ आम जनता को राहत मिलेगी और शासन-प्रशासन के प्रति विश्वास और अधिक सुदृढ़ होगा।

नीति आयोग की निर्यात तैयारी सूचकांक 2024 में उत्तराखंड अव्वल, सीएम ने दी बधाई

देहरादून : नीति आयोग द्वारा जारी निर्यात तैयारी सूचकांक (ईपीआई-2024) में उत्तराखंड ने छोटे राज्यों की श्रेणी में प्रथम स्थान प्राप्त कर देशभर में अपनी मजबूत पहचान बनाई है। यह उपलब्धि राज्य की निर्यातोन्मुख नीतियों, बेहतर कारोबारी माहौल और सुदृढ़ बुनियादी ढांचे का परिणाम मानी जा रही है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस उपलब्धि पर प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए कहा कि नीति आयोग के निर्यात तैयारी सूचकांक 2024 में छोटे राज्यों की श्रेणी में उत्तराखंड का शीर्ष स्थान प्राप्त करना राज्य के लिए गर्व का विषय है। यह हमारी सरकार की उद्योग समर्थक नीतियों, मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर और निर्यात को बढ़ावा देने की सतत कोशिशों का परिणाम है। हमारा लक्ष्य है कि उत्तराखंड के प्रत्येक जिले के विशिष्ट उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई जाए, जिससे रोजगार के अवसर बढ़ें और राज्य की अर्थव्यवस्था और सशक्त हो। नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, निर्यात आर्थिक विकास का प्रमुख इंजन है। इससे न केवल विदेशी मुद्रा अर्जित होती है, बल्कि वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में भागीदारी बढ़ती है और व्यापार घाटे को कम करने में मदद मिलती है। उत्तराखंड का यह शीर्ष स्थान राज्य को निवेश और औद्योगिक विकास के नए अवसरों की ओर ले जाने वाला कदम माना जा रहा है।

विधिक जागरुकता कार्यक्रम में उपस्थित लोग।

विधिक जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

नैनीताल : सुख शांति नगर में राष्ट्रीय युवा दिवस (स्वामी विवेकानंद जयंती) पर जागरुकता कार्यक्रम किया गया। इस कार्यक्रम में उपस्थित पैनल अधिवक्ता राकेश कुमार सुखीजा व प्राविधिक कार्यकर्ता पीएलवी कुंवर सिंह तथा पीएलवी मीना व पीएलवी सोनामती घोष व पीएलवी कुमारी दीपा ने प्रतिभाग का विधिक जानकारी दीं। कार्यक्रम में करीब 58 ग्रामीण मौजूद रहे।

एशियन वाटरबर्ड सेंसस 2026 का आगाज 18 से

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: उत्तराखंड में जैव विविधता के संरक्षण और जलीय पारिस्थितिकी तंत्र को समझने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए 'एशियन वाटरबर्ड सेंसस 2026' का आगाज 18 जनवरी से होने जा रहा है।

इस महत्वपूर्ण सर्वेक्षण के अंतर्गत कॉर्बेट लैंडस्केप से होकर बहने वाली कोसी नदी में भी पक्षियों की गिनती की जाएगी। हर वर्ष होने वाला यह सेंसस न केवल स्थानीय जलपक्षियों बल्कि सर्दियों में प्रवास पर आने वाले प्रवासी पक्षियों की स्थिति को जानने के लिए बेहद अहम माना जाता है। एशियन वाटरबर्ड सेंसस के तहत विशेषज्ञों और पक्षी प्रेमियों की टीम नदियों, झीलों और आर्द्रभूमि क्षेत्रों में जाकर विभिन्न प्रजातियों के पक्षियों की पहचान और संख्या दर्ज करती है, इससे यह आकलन किया जाता है कि पर्यावरणीय परिस्थितियां पक्षियों के लिए कितनी अनुकूल हैं और उनके संरक्षण के लिए किन उपायों की जरूरत है। पक्षी प्रेमी दीप मलकानी हर वर्ष इस गणना में सक्रिय रूप से शामिल होते हैं। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष कोसी नदी क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण पक्षी प्रजातियों की उपस्थिति दर्ज की गई थी।

पिछले साल यह रही थी स्थिति

वर्ष 2025 की गणना में 422 रूडी शेलडक, 15 ब्लैक विंग्ड स्टिल्ट, दो कॉमन सैंडपाइपर, दो कॉमन ग्रीनशैंक, दो वूली नेक्ड स्टॉर्क, 53 लिटिल कॉर्मोरेंट, 36 ग्रेट कॉर्मोरेंट, 15 लिटिल ईग्रेट और तीन ग्रेट बर्ड की मौजूदगी दर्ज की गई थी। इन आंकड़ों से यह स्पष्ट होता है कि कोसी नदी और आसपास का क्षेत्र जलपक्षियों के लिए एक महत्वपूर्ण आवास बना हुआ है। यही कारण है कि इस वर्ष भी 18 जनवरी से कोसी नदी में एशियन वाटरबर्ड सेंसस 2026 के तहत पक्षियों की गिनती का कार्य किया जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह के नियमित सर्वेक्षण से न केवल जैव विविधता की स्थिति का पता चलता है, बल्कि नदियों और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की दिशा में भी ठोस कदम उठाने में मदद मिलती है।

साध्वियों व शोधार्थियों को हाईकोर्ट से राहत

विधि संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: हाईकोर्ट ने पर्यावरण और गंगा संरक्षण अभियान से जुड़ी दो साध्वियों और दो शोधार्थियों के खिलाफ चल रही आपराधिक कार्यवाही को रद्द कर दिया है।

न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की एकल पीठ ने श्रीनगर (गढ़वाल) की निचली अदालत में लंबित मुकदमे और चार्जशीट को निरस्त करते हुए कहा कि यह मामला कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग है। कोर्ट ने माना कि याचिकाकर्ताओं को केवल इसलिए फंसाया गया क्योंकि वे दूसरे पक्ष के खिलाफ दर्ज मुकदमे में गवाह थे। यह विवाद 13 मई 2013 का है, जब अक्षय तृतीया के दिन ब्रह्मचारिणी सम्पर्पिता और अन्य याचिकाकर्ता धारी देवी मंदिर में पूजा कर रहे थे। याचिकाकर्ताओं का आरोप था कि कुछ असामाजिक तत्वों ने मंदिर में घुसकर हंगामा किया, जिसकी प्राथमिकी हेमंत ध्यानी द्वारा दर्ज कराई गई थी। इसके जवाब में, दूसरे पक्ष रविन्द्र सिलवाल ने भी याचिकाकर्ताओं के खिलाफ धारा 147, 504 और 506 आई पी सी के तहत काउंटर एफ़ आई आर दर्ज करवा दी, जिसे कोर्ट ने प्रतिशोध की कार्रवाई माना।

सुनवाई के दौरान यह तथ्य सामने आया कि पुलिस ने मामले की जांच बेहद लापरवाही से की थी। इसी घटना से जुड़े एक अन्य केस में निचली अदालत पहले ही अन्य आरोपियों को बरी कर चुकी थी। कोर्ट ने पाया कि विवेचक ने न तो महत्वपूर्ण गवाहों के बयान लिए और न ही इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों को कानूनी रूप से सही संकलित किया। न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय ने आदेश में स्पष्ट किया कि एफ़आईआर और संज्ञान आदेश को पढ़ने से याचिकर्ताओं के खिलाफ बलवा या धमकी देने का कोई ठोस अपराध नहीं बनता है।

उम्रकैद की सजा से किया दोषमुक्त

हाईकोर्ट ने हत्या के प्रयास के मामले में निचली अदालत से उम्रकैद की सजा पाए व्यक्ति को संदेह का लाभ देते हुए दोषमुक्त करार दिया है। न्यायमूर्ति रवींद्र मैठानी और न्यायमूर्ति आशीष नैथानी की खंडपीठ ने निचली अदालत द्वारा काशीपुर निवासी जलालुद्दीन को सुनाई गई उम्रकैद की सजा को रद्द करते हुए कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपी के खिलाफ दोष सिद्ध करने में विफल रहा है। मामले के अनुसार 22 सितंबर 2015 की रात काशीपुर शुगर मिल में ड्यूटी पर तैनात होमगार्डों ने कुछ संदिग्धों को देखा था। आरोप था कि जब उन्हें रोकने की कोशिश की गई, तो जलालुद्दीन ने होमगार्ड विजय पाल पर तमंचे से फायर झोंक दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया था।

एक शाम सैनिकों के नाम | लोक भवन में वेटरन्स डे पर राज्यपाल गुरमीत सिंह ने किया पूर्व सैनिकों को सम्मानित

सैनिकों का सम्मान नहीं करने वाले राष्ट्र का भविष्य कठिन

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने बुधवार को वेटरन्स डे पर लोक भवन में 'एक शाम सैनिकों के नाम' कार्यक्रम में वीरता पदक विजेता सैनिकों और सराहनीय कार्य करने वाले पूर्व सैनिकों को सम्मानित किया। अर्धसैनिक बल के जवानों और अधिकारियों को राज्यपाल प्रशंसा पत्र प्रदान किए व कुमाऊं रेजिमेंटल सेंटर, रानीखेत और 9वीं माउंटेन ब्रिगेड जोशीमठ को सराहनीय योगदान के लिए यूनिट प्रशंसा पत्र से सम्मानित किया।

राज्यपाल ने पूर्व सैनिकों के योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि जब देश के अन्य युवा अपने-अपने क्षेत्रों में कार्यरत रहते हैं, तब हमारे सैनिक अपनी जवानी के सबसे महत्वपूर्ण वर्ष राष्ट्र की सेवा, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा में अर्पित कर देते हैं।

समारोह में सैन्य अधिकारी को सम्मानित करते राज्यपाल गुरमीत सिंह।

जो राष्ट्र अपने सैनिकों का सम्मान नहीं करता, उसका भविष्य कठिन होता है, जबकि जो समाज और राष्ट्र अपने सैनिकों के बलिदान को स्मरण करता है, उसे कोई भी शक्ति कमजोर नहीं कर सकती। राज्यपाल ने कहा कि आने वाली 'अमृत पीढ़ी' को सैनिकों की कार्यनिष्ठा, अनुशासन और 'नेशन फर्स्ट' की भावना से प्रेरणा लेनी चाहिए। इस अवसर पर सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी, प्रथम महिला गुरमीत कौर, कमांडेंट, आईएमए लेफ्टिनेंट जनरल नागेंद्र सिंह, सचिव राज्यपाल रविनाथ रामन, विधि परामर्शी कौशल किशोर शुक्ल सहित सैन्य अधिकारी वीर सैनिक, पूर्व सैनिक मौजूद रहे।

वीरता पुरस्कार से सम्मानित सैन्य अधिकारी व जवान

नायक अनिल राणा, नायब सूबेदार धीरज मणि सकलानी, कैप्टन दीपक सिंह (मरणोपरांत), मेजर संक्षीप भारद्वाज, मेजर हिमांशु देउपा, ऑनरेरी कैप्टन बिनोद सिंह, सिपाही मोहित सिंह ऐरी, हवलदार नवजीत सिंह चौहान, मेजर रवीन्द्र भट्ट, लांस नायक राजेश चंद, राइफलमैन शैलेंद्र सिंह (मरणोपरांत), विंग कमांडर भास्कर आरुणी। भूतपूर्व सैनिक : मनोज सेमवाल, अनिल नेगी व कलम सिंह।

सीएपीएफ के सम्मानित सैन्य अधिकारी व जवान

एसएसबी के सेकेंड इन कमांड ललित साह, कांस्टेबल कुलदीप कुमार, कांस्टेबल नीतू कुमारी, कांस्टेबल कृष्ण प्रसाद शर्मा एवं आईटीबीपी के इंस्पेक्टर भगत सिंह रावत, इंस्पेक्टर सुमन पंवार एवं एसडीआरएफ उत्तराखंड के एएसआई पंकज घिल्डियाल, फायरमैन प्रवीण चौहान।

टिप्पर ने बाइक सवार किशोर को रौंदा, मौके पर मौत

पिथौरागढ़: जाखपुरान मार्ग पर थरकोट, बालाकोट के पास रोढ़ी से भरे टिप्पर ने बाइक सवार किशोर को रौंद दिया। घटना में किशोर की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। सूचना पर परिजनों में कोहराम मच गया। वहीं, मकर संक्रांति के उल्लास के बीच पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ पड़ी। पुलिस ने बताया कि, पुरान निवासी 11 वीं का छात्र विकास (16) पुत्र राजेंद्र प्रसाद जिम से बाइक से घर लौट रहा था, इस दौरान यह हादसा हुआ। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं टिप्पर चालक चंपावत निवासी कोमल सिंह रावत को हिरासत में लिया गया। सीओ गोविंद बल्लभ जोशी ने बताया कि घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

लोक संस्कृति के रंगों में सराबोर हुआ उत्तरायणी कौतिक

पर्वतीय सांस्कृतिक उत्थान मंच की ओर से शहर में निकाली गई भव्य शोभायात्रा, 30 झांकियों ने देवभूमि की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को किया जीवंत

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : पर्वतीय सांस्कृतिक उत्थान मंच में आयोजित उत्तरायणी मेले के तहत बुधवार को शहर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। जिसने पूरे शहर को कुमाऊंनी और गढ़वाली संस्कृति के अलग-अलग रंगों में सराबोर कर दिया। जगह-जगह पुष्पवर्षा से शोभायात्रा का स्वागत किया गया। इस दौरान देवी-देवताओं के साथ विभिन्न विषयों को लेकर बनाई गई झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। हीरानगर से शुरू हुई इस यात्रा में जनसैलाब उमड़ा, जिसके जय गोल्ज्यू के उद्घोष से पूरा शहर गुंजायमान रहा।

शोभायात्रा का शुभारंभ मंच के संरक्षक हुकुम सिंह कुंवर और अध्यक्ष खड़क सिंह बगड़वाल ने विधिवत पूजन के साथ किया। यात्रा कालाढूंगी रोड, नैनीताल रोड, रोडवेज, तिकोनिया और बाजार के मुख्य मार्गों से होते हुए वापस उत्थान मंच पहुंची। इस दौरान सड़क के दोनों ओर खड़े हजारों लोगों ने फूल बरसाकर झांकियों का जोरदार स्वागत किया। शोभायात्रा में शामिल करीब 30 झांकियों ने देवभूमि की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को जीवंत कर दिया। पारंपरिक परिधान और पिछौड़ा पहने महिलाओं ने झोड़ा नृत्य किया। वहीं, छलिया नर्तकों की प्रस्तुति ने भी सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। नन्हे बच्चों ने ढोल-दमाऊ बजाकर लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया। शोभायात्रा से पूर्व मंच के अध्यक्ष खड़क सिंह बगड़वाल ने सभी स्थानीय युवाओं से अधिक से अधिक कुमाऊनी भाषा का प्रयोग करने की अपील की। आपस में बातचीत के दौरान कुमाऊनी भाषा का इस्तेमाल करें और अपनी संस्कृति को बढ़ावा दें। इधर, देर शाम आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में लोकगायक सूरज प्रकाश और पवन कार्की के गीतों ने धमाल मचाया। मेले का विधिवत समापन आज (गुरुवार) पुरस्कार वितरण के साथ होगा।

ये लोग रहे मौजूद : इस मौके पर मेयर गजराज सिंह बिष्ट, हल्द्वानी विधायक सुमित हृदयेश, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष हेमंत सिंह बगड़वाल, वरिष्ठ कांग्रेस नेता ललित जोशी, प्रदीप बिष्ट, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट, मंच के संरक्षक हुकुम सिंह कुंवर, अध्यक्ष खड़क सिंह बगड़वाल, उपाध्यक्ष गोपाल सिंह बिष्ट, सचिव देवेंद्र तोलिया, कोषाध्यक्ष त्रिलोक बनोली, लक्ष्मण सिंह लमगड़िया, डा. महेंद्र पाल सिंह, कैलाश जोशी, हेम भट्ट, शोभा बिष्ट, चंद्रशेखर परगाई, भुवन जोशी, नीरज बगड़वाल, ललित बिष्ट, ललित प्रसाद, धर्म सिंह बिष्ट, ब्रजमोहन बिष्ट, संदीप भैसोड़ा, कमल किशोर, रितिक आर्य, तरुण नेगी, पार्षद मनोज जोशी, पार्षद शैलेंद्र दानू, रत्ना श्रीवास्तव, पुष्पा सम्भल, पंकज सुयाल, पार्षद भागीरथी बिष्ट मौजूद रहे।

उत्तरायणी पर्व के अवसर पर पर्वतीय उत्थान मंच से निकाली गई शोभायात्रा में राज्य झांकी बनी आकर्षण का केंद्र।

शोभायात्रा में केदारनाथ धाम की भी झांकी निकाली गई, जिसमें श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। ● अमृत विचार

विभिन्न संप्रदाय के लोगों ने किया स्वागत

शोभायात्रा में पारंपरिक वेशभूषा में सजी महिलाएं पारंपरिक गीतों का गायन करते हुए चल रही थीं। विभिन्न संप्रदाय के लोगों ने सेवा कर यात्रा का स्वागत किया। करीब 30 झांकियों के माध्यम से अलग-अलग संदेश दिए गए। सांस्कृतिक संध्या में कुमाउनी परिधान में सजी बालिकाओं, महिलाओं और बाल कलाकारों ने मनमोहक प्रस्तुति दी। स्थानीय कलाकारों ने रंगारंग कार्यक्रम पेश किए।

झांकियों से दिए जागरुकता के संदेश

हल्द्वानी : शोभायात्रा में अल्मोड़ा के चितई मंदिर के प्रतिरूप वाली गोल्ज्यू देवता की झांकी और मुनस्यारी की सीमांत बरपटिया जनजाति की प्रस्तुति मुख्य आकर्षण रही। इसके अलावा जौहार सांस्कृतिक वेलफेयर सोसायटी की ओर से अपनी संस्कृति, ग्रामीण श्री रामलीला कमेटी ऊंचापुल ने महिला सशक्तिकरण पर झांकी निकाली। वहीं महंत मंगलगिरी आदर्श रामलीला कमेटी गौलापार ने झांकी के माध्यम से पहाड़ी महिला की दिनचर्या दिखाई। शिवालय कॉलोनी ने कुमाऊनी जागर की मनमोहक प्रस्तुति दी। राजपुरा से निकाली गई मां नंदा राजजात यात्रा की झांकी की सुंदर प्रस्तुति देखने को मिली। रामाश्रय सेव समिति ने पहाड़ी बारात की झलकियां दिखाई। इसके साथ ही साथी संगठन ने नारी सशक्तिकरण का संदेश दिया। आर्मी से रिटायर्ड आरपी सिंह ने हरियाली बचाओ का संदेश देते हुए जागरुकता पोस्टर लगाते हुए झांकी निकाली। शोभायात्रा में केदारनाथ, सातूं-आठूं पर्व, गांधी के स्वरूप में युवक समेत कई जागरुकता झांकियों ने भी दर्शकों का मन मोह लिया।

शोभायात्रा में लोक गीतों पर झूमतीं महिलाएं। ● अमृत विचार

शोभायात्रा में मां नंदा-सुनंदा की झांकी निकालते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

सिटी ब्रीफ

नितिन हत्याकांड: चश्मदीद ने दर्ज कराए बयान

हल्द्वानी : लगभग दस दिन बाद नितिन हत्याकांड में चश्मदीद कमल भंडारी के बयान मजिस्ट्रेट के सामने कराए गए। कमल ने घटना की रात क्या-क्या हुआ, वह पूरा वाक्या मजिस्ट्रेट के सामने बताया। बता दें कि बीती 4 जनवरी को डहरिया में पार्षद अमित बिष्ट उर्फ चिंटू ने जज फॉर्म निवासी नितिन लोहनी पुत्र कैलाश चंद्र लोहनी की गोली मारकर हत्या कर दी थी। घटना के वक्त नितिन के साथ उसका दोस्त कमल भंडारी भी था। कमल ने अपने बयान में बताया कि घटना की रात उसने पार्षद चिंटू के घर की घंटी बजाई और घंटी बजाते ही अमित उर्फ चिंटू ने उस पर फायर झोंक दिए। अमित ने घर के बाहर आकर गोली चलाई और घटना में नितिन की मौत हो गई। जब कमल मौके से भाग निकलने में कामयाब हो गया। एसपी सिटी मनोज कत्याल ने बताया कि मंगलवार को चश्मदीद कमल के 164 में मजिस्ट्रेटी बयान दर्ज कर लिए हैं। मामले को लेकर जांच जारी है।

छात्राओं ने दिया माघ पर्व की महत्ता का संदेश

हल्द्वानी : राजकीय महिला डिग्री कॉलेज में नमामि गंगे के अंतर्गत माघ पर्व पर उत्तरायणी कार्यक्रम का आयोजन किया। जल संरक्षण व माघ पर्व की महत्ता पर संगोष्ठी, चित्रकला, निबंध, मेहंदी और रंगोली प्रतियोगिता की गई। छात्राओं ने माघ पर्व की सांस्कृतिक महत्ता, गंगा की पवित्रता, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। संगोष्ठी में प्राचार्य प्रो. आभा शर्मा ने कहा कि कॉलेज का दायित्व केवल शिक्षा देना ही नहीं, बल्कि छात्राओं को संस्कारवान, जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनाना भी है। कहा कि संस्कृति का ज्ञान भी जरूरी है। वाणिज्य विभाग के अध्यक्ष डॉ. दिनेश जोशी ने कहा कि माघ पर्व भारतीय संस्कृति में शुद्धि, संयम और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है।

चित्रशिला घाट पर जिया रानी की शिला की पूजा करते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

रानीबाग में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, कत्यूरी वंशजों ने दी कुलदेवी को धोक

हल्द्वानी : मकर संक्रांति के पावन अवसर पर रानीबाग में श्रद्धालुओं का भारी सैलाब उमड़ पड़ा। भाबर और पहाड़ के द्वार कहे जाने वाले इस ऐतिहासिक स्थल पर हजारों लोगों ने गार्गी (गौला) नदी के संगम पर पवित्र स्नान किया और जिया रानी की गुफा व चित्रशिला घाट पर मत्था टेक कर पुण्य कमाया। श्रद्धालुओं ने अपने बालकों के जनेऊ संस्कार भी संपन्न कराए। मेले के सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व को देखते हुए भीमताल ब्लॉक प्रमुख डॉ. हरीश सिंह बिष्ट व अन्य की ओर से खिचड़ी भोज किया गया। उन्होंने कहा कि रानीबाग का पौराणिक मेला हमारी पहचान है। आगामी वर्षों में इस मेले को बागेश्वर की तर्ज पर भव्य बनाने के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से विशेष बजट और सुविधाओं की मांग की जाएगी, ताकि दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। लोगों से बुराई का त्याग कर अच्छाई के मार्ग पर चलने का आह्वान भी किया।

उत्तरायणी कौतिक हमारी संस्कृति की पहचान

संवाददाता, कोटाबाग

अमृत विचार: कोटाबाग स्थित सिंचाई बंगले में बुधवार को दशम उत्तरायणी कौतिक महोत्सव के 8वें दिन के महोत्सव का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक बंशीधर भगत और संस्था के अध्यक्ष राहुल पंत ने संयुक्त रूप से किया। यह महोत्सव संस्था द्वारा उत्तरायणी पर्व के अवसर पर आयोजित किया जाता है और क्षेत्रीय संस्कृति, परंपरा और लोक कला को जीवंत बनाए रखने का एक महत्वपूर्ण मंच है।

कार्यक्रम की शुरुआत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से हुई। लोक गायक जितेन्द्र तौमक्याल और कलाकार सृष्टि ने दर्शकों को अपनी शानदार प्रस्तुति से मंत्रमुग्ध कर दिया। तौमक्याल ने अपनी रचनात्मक और उत्साही प्रस्तुतियों में परंपरागत गीतों के माध्यम से लोगों को नृत्य और भक्ति में डुबो दिया। वहीं कलाकार सृष्टि और स्थानीय बच्चों ने रंगारंग प्रस्तुतियों से महोत्सव में चार चांद लगा दिए। मुख्य अतिथि विधायक बंशीधर भगत ने आयोजन के सफल संचालन के लिए संस्था अध्यक्ष राहुल पंत और उनकी टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि उत्तरायणी महोत्सव हमारी प्रदेशीय संस्कृति और परंपरा को संरक्षित करने का उत्कृष्ट अवसर है। यह न केवल युवाओं को पारंपरिक खेल और सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराता है, बल्कि उन्हें अपने इतिहास और लोकधरोहर से जोड़ने का भी काम करता है।

कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में ब्लॉक प्रमुख मनीष जंतवाल, भाजपा प्रदेश प्रवक्ता विकास भगत, मंडल अध्यक्ष विक्रम जंतवाल, मंडल महामंत्री विनोद बधानी, पूर्व व्यापार मंडल अध्यक्ष मुकेश वर्मा, गुंजन तिवारी, नवीन पंत, जितेन्द्र बिष्ट, भगत सिंह नेगी, मदन बजवाल, विनोद पांडे, चंद्रशेखर बुढलाकोटी, महेश पंत, प्रभाकर ढौडियाल, दीपक जोशी और मनीष बिष्ट रहे।

उत्तरायणी कौतिक महोत्सव का शुभारंभ करते विधायक बंशीधर भगत और अन्य गणमान्य लोग। ● अमृत विचार

शोभायात्रा में पत्र संवाहकों ने स्टॉल लगाकर पानी वितरित किया। ● अमृत विचार

देवभूमि पत्र संवाहक कल्याण समिति ने बांटा पानी

हल्द्वानी : उत्तरायणी पर्व पर देवभूमि पत्र कल्याण समिति की ओर से भव्य शोभायात्रा में स्टॉल लगाकर जल वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में देवभूमि पत्र कल्याण समिति के अध्यक्ष चंदन सिंह राणा, श्याम भोज, हरीश रावत, अजय जायसवाल, बालादत्त नैनवाल, पूरन चन्द्र बुढलाकोटी, भगवान पांडे, विकास चोपड़ा, इन्द्र चौहान, सुनील कश्यप, नीरज पंत आदि शामिल थे।

पर्व से पूर्व 187 वाहनों के चालान

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : उत्तरायणी पर्व से पहले पुलिस ने जिले में चेकिंग अभियान चलाया। ताबड़तोड़ चेकिंग के दौरान पुलिस ने 187 वाहनों के चालान काटते हुए 70,250 रुपए जुर्माना वसूला। साथ ही एक वाहन चालक के ड्राइविंग लाइसेंस निरस्तीकरण की रिपोर्ट आरटीओ को भेजी।

एसएसपी डॉ. मंजूनाथ टीसी के निर्देश पर अभियान चलाया गया। इस दौरान मोटर वाहन अधिनियम के तहत कुल 187 वाहनों के चालान किए गए, जिनसे 70,250 रुपए का संयोजन शुल्क वसूला गया। इसके अलावा 5 वाहनों को सीज किया गया। 41 मामलों में कोर्ट चालान किए और एक वाहन चालक का ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त किया गया। पुलिस एक्ट के तहत 59 लोगों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 12,250 का जुर्माना लगाया गया।

उत्तरायणी पर्व की पूर्व संध्या पर कार की जांच करती पुलिस।

डीएम ने बदला दूध पहुंचाने का समय

हल्द्वानी : आदमखोर वन्यजीव की सक्रियता को देखते हुए डीएम ललित मोहन रयाल ने तहसील धारी एवं रामगढ के क्षेत्रों के दुग्ध संग्रह केन्द्रों पर दूध पहुंचाने का समय सुबह 6 से 7 बजे के स्थान पर 7 से 8 बजे किया है। उन्होंने महाप्रबन्धक दुग्ध संघ को इस परिवर्तन की सूचना सभी दुग्ध समितियों, संग्रह केन्द्रों प्रभारियों तथा दुग्ध उत्पादकों को लिखित एवं मौखिक के माध्यम से तत्काल अनिवार्य रूप से प्राथमिकता के साथ उपलब्ध कराएं।

सुखवंत सुसाइड केस : एसपी बागेश्वर करेंगे जांच

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

- आईजी एक सप्ताह में जांच पूरी करने के दिए निर्देश,
- इस प्रकरण में निजी लोगों व पुलिस पर लगे हैं आरोप

अमृत विचार : किसान सुखवंत सिंह सुसाइड केस की जांच आईजी रिद्धिम अग्रवाल ने एसपी बागेश्वर को सौंप दी है। जांच सौंपने के साथ ही आईजी ने एसपी को सप्ताह भीतर जांच पूरी कर आख्या सौंपने के निर्देश दिए हैं। इस मामले में खुद डीजीपी ने दखल दिया था और आईजी से पूरे मामले की जानकारी लेने के बाद निष्पक्ष जांच के निर्देश दिए थे।

बता दें कि बीती 11 जनवरी की रात काशीपुर के ग्राम पैगा निवासी 40 वर्षीय सुखवंत सिंह ने हल्द्वानी के गौलापार स्थित देवभूमि होटल में तमंचे से गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। इस घटना से पहले सुखवंत सिंह ने फेसबुक पर लाइव आकर एक वीडियो बनाया था। आरोप लगाया था कि भू-माफियाओं ने उनसे 4 करोड़ रुपए की ठगी कर ली थी। इस मामले में उन्होंने आईटीआई थाना प्रभारी और पैगा चौकी में गुहार लगाई। उन्होंने ऊधमसिंह नगर के एसएसपी मणिकांत मिश्रा से भी फरियाद की, लेकिन बदले में उन्हें गालियां और दुत्कार मिली। इससे आहत होकर सुखवंत गोली मार कर आत्महत्या कर ली।

इस मामले में आईटीआई थाना में 26 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने आईटीआई थाना प्रभारी कुंदन को सस्पेंड करते हुए पूरी पैगा चौकी को निलंबित कर दिया था। हालांकि सुखवंत ने जो वीडियो बनाया और सुसाइड नोट लिखा, उसमें एसओ कुंदन के साथ पैगा चौकी और एसएसपी पर भी आरोप लगाए थे।

आईजी कुमाऊं रिद्धिम अग्रवाल ने बताया कि उन्होंने सुखवंत सुसाइड केस की जांच एसपी बागेश्वर चंद्रशेखर घोड़के को सौंपी है। पुलिस मुख्यालय से सुसाइड मामले की जांच के निर्देश मिले थे। एक सप्ताह के भीतर एसपी बागेश्वर जांच करके आख्या आईजी कुमाऊं को सौंपेंगे, जिसे पुलिस मुख्यालय भेजा जाएगा। आईजी खुद इस मामले की मॉनिटरिंग कर रही हैं।

गुरु मंत्र

गुरुजनों ने टाइम मैनेजमेंट के साथ पढ़ाई करने तथा सेहत का ध्यान रखने की दी सलाह

बोर्ड परीक्षा : स्ट्रेस फ्री होकर रिवीजन पर करें फोकस

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : उत्तराखंड बोर्ड परीक्षाएं 21 फरवरी से शुरू होंगी। जिसमें लगभग एक माह ही शेष है। इस दौरान छात्रों पर पढ़ाई का काफी दबाव रहता है। इसका असर छात्रों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर पड़ता है। ऐसे में छात्रों को जहां नियोजित रूप से पढ़ाई तथा रिविजन पर ध्यान देना चाहिए वहीं परिजनों को भी परीक्षार्थी को पूरा सपोर्ट करना चाहिए।

अक्सर यह देखा जाता है कि बोर्ड परीक्षाओं को लेकर विद्यार्थी परीक्षा शुरू होने से कुछ समय पहले से ही स्ट्रेस लेना शुरू कर देते हैं। साथ ही देर रात जाग कर पढ़ाई करते हैं, जिसका सीधा असर उनकी सेहत पर भी पड़ता है। खासकर अधिकांश विद्यार्थी पूरे सालभर पढ़ाई में ध्यान देने के बजाय परीक्षा का शेड्यूल जारी होते ही पढ़ाई शुरू करते हैं। इस दौरान कम समय में अधिक से अधिक पढ़ने की चाह में वह अपने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान नहीं रखते हैं। शिक्षक गिरीश चंद्र जोशी ने विद्यार्थियों को टाइम मैनेजमेंट के साथ पढ़ाई करने और इसके साथ-साथ अपनी सेहत का ध्यान रखने की सलाह दी है।

उन्होंने बताया कि परीक्षा का शेड्यूल जारी होने के बाद विद्यार्थियों को कुछ नया पढ़ने के बजाए रिविजन पर अधिक फोकस करना चाहिए। साथ ही देर रात तक जाग कर पढ़ाई करने के बजाए क्वालिटी स्टडी पर ध्यान देना जरूरी है।

विद्यार्थियों को इस बात का ध्यान रखना जरूरी है कि वे अपना कीमती समय रील्स देखने, ऑनलाइन गेम्स खेलने व मूवी देखने सहित अन्य बेवजह के काम में बर्बाद न करें। बोर्ड परीक्षाएं 20 मार्च तक चलेंगी। जिस दौरान विद्यार्थियों को सभी विषयों को प्राथमिकता के आधार पर रिवाइज करना चाहिए। सभी विषयों के नोट्स बनाने के साथ ही लिखकर पढ़ने से महत्वपूर्ण बातों को याद रखा जा सकेगा।

पढ़ाई के साथ मनोरंजन भी जरूरी: डॉ. युवराज

हल्द्वानी : मेडिकल कॉलेज के मनोविज्ञानी डॉ. युवराज पंत ने कहा कि परीक्षा तिथि घोषित हो गई है। ऐसे में बच्चों को समझना चाहिए कि यह भी जीवन में होने वाली अन्य परीक्षा की तरह ही है। इस समय एकदम से घर में रहकर केवल पढ़ाई न करें। पढ़ाई के साथ ही हल्का मनोरंजन भी करते रहें। थोड़ा खेलकूद भी करें। तनाव बिल्कुल न लें और ज्यादा दिक्कत हो तो डॉक्टर की सलाह लें।

टेड़ा में ओवरटेक करते वक्त पेड़ से टकराई बाइक, युवक की मौत

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: टेड़ा क्षेत्र में बुधवार को एक सड़क हादसे में 29 वर्षीय रवि खत्री की मौत हो गई। रवि अपने साथी सुमित बोरा के साथ बाइक पर जा रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टेड़ा गांव के पास वाहन ओवरटेक करते समय बाइक का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई।

दोनों घायलों को तुरंत रामदत्त संयुक्त चिकित्सालय लाया गया। चिकित्सकों ने रवि को मृत घोषित कर दिया, जबकि सुमित की गंभीर चोटों के कारण उसे उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर किया गया। रवि खत्री अपने परिवार का इकलौता बेटा था। उसकी शादी दो वर्ष पहले हुई थी और उसकी एक साल की बेटी है। अप्रैल में उसकी बहन की शादी होने वाली है।

हाल ही में उसके पिता ने परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए डेयरी खोली थी। इस हादसे से बांसीटिला गांव में शोक की लहर फैल गई। पुलिस ने हादसे की जांच शुरू कर दी है और कारणों का पता लगाया जा रहा है।

रवि खत्री। (फाइल फोटो)

सिटी ब्रीफ

बैठक में लिए निर्णय पर सहमति जताई

भीमताल : छोटा कैलाश मंदिर समिति के चुनाव में लिए गए निर्णय पर मंदिर समिति के सदस्य हेमचंद पलडिया और जीत सिंह संभल ने सहमति जताते हुए बैठक में लिए गए निर्णय को उचित करार दिया। बताया कि वर्तमान में छोटा कैलाश पर्वत आस्था का बड़ा केंद्र है। शीघ्र ही आयोजित होने वाले शिवरात्रि मेले की तैयारी के लिए सबको एकजुट होकर प्रयास करना चाहिए। उन्होंने बताया कि वर्तमान में सभी सदस्यों और श्रद्धालुओं के द्वारा लिया गया निर्णय आगामी शिवरात्रि मेले को और भव्य बनाएगा।

अधिवक्ता व रंगकर्मी रितेश सागर का निधन

नैनीताल : नगर के पत्रकार, अधिवक्ता व रंगकर्मी रितेश सागर का मंगलवार देर रात (48) वर्ष में निधन हो गया है। उनके निधन से शहर में शोक की लहर है। जानकारी के अनुसार रितेश सागर बीते लम्बे समय से अस्वस्थ चल रहे थे। उनका उपचार ऋषिकेश एम्स से हो रहा था। बुधवार की तड़के हल्द्वानी के एक अस्पताल में उनकी उपचार के दौरान मौत हो गई। बुधवार आज उनके शव को नैनीताल उनके आवास लाया गया। हिन्दू रीति के अनुसार उनका अंतिम संस्कार पाइंस घाट में किया गया।

धारी व रामगढ़ में दो तेंदुए पिंजड़े में कैद, ग्रामीणों ने ली राहत की सांस

दोनों तेंदुए रानीबाग स्थित रेस्क्यू सेंटर भेजे गए, आदमखोर हैं या नहीं होगी जांच

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार : जनपद नैनीताल में दो अलग-अलग स्थानों धारी व रामगढ़ में दो तेंदुए पिंजड़े में फंस गए हैं। दोनों तेंदुओं को रानीबाग स्थित रेस्क्यू सेंटर भेजा गया है। साथ ही उनके सैंपल जांच के लिए लैब भी भेजे जा रहे हैं ताकि पुष्टि हो सके कि इन्होंने ही महिलाओं को निवाला बनाया था। फिलहाल वन विभाग ट्रैपिंग कैमरा और टीमें लगातार गश्त कर रही हैं।

वन अधिकारियों के अनुसार, बीती 26 दिसंबर 2025 को तेंदुए ने हेमा देवी (45) पत्नी गोपाल सिंह निवासी दीनी तल्ली को शिकार बनाया था। ग्रामीणों के आक्रोश के बाद वन विभाग ने ट्रैपिंग कैमरे से तेंदुए की आवाजाही की निगरानी की और अलग-अलग स्थानों पर पिंजड़े लगाए थे। बुधवार को एक तेंदुए दीनी तल्ली में लगे पिंजड़े में फंस गया। पिंजड़े में फंसा तेंदुआ वयस्क व स्वस्थ है।

रामगढ़ में पिंजड़े में फंसे तेंदुए को ले जाती वन विभाग की टीम। ● अमृत विचार

तल्ली दीनी में पिंजड़े में कैद तेंदुआ।

इसके अलावा रामगढ़ के विचखाली क्षेत्र में वन विभाग ने पिंजड़ा लगाया था। बीते मंगलवार को इसी क्षेत्र में तेंदुए ने एक गाय को मार दिया था, जिससे ग्रामीणों में दहशत थी। यहां भी एक तेंदुआ पिंजड़े में फंस गया। जिससे ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। फिलहाल वन विभाग ने दोनों तेंदुओं को रानीबाग स्थित रेस्क्यू सेंटर भेजा है। साथ ही इनके डीएनए सैंपल जांच के लिए लैब भेजे हैं ताकि पुष्टि हो सके महिलाओं को निवाला बनाने वाले ये ही तेंदुए हैं। दोनों स्थानों पर तेंदुओं को पकड़े जाने के बाद भी वन विभाग सतर्क है। अभी भी संवेदनशील स्थानों पर गश्त, निगरानी की जा रही है।

एसडीओ ममता चंद ने बताया कि रामगढ़ व धारी ब्लॉक में तेंदुए दो पकड़े गए हैं, दोनों वयस्क व स्वस्थ हैं। दोनों को रानीबाग रेस्क्यू सेंटर भेजा गया है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील है कि अभी सतर्क रहे। जंगलों से झुंड बनाकर जाएं और अंधेरा होने पर घर से बाहर नहीं निकले। किसी भी तरह की वन्यजीव के मिलने पर तत्काल वन विभाग को सूचना दें। कहा कि लोगों की सुरक्षा विभाग का पहला दायित्व है।

भाजपा जिला मंत्री का कार्यालय खुला

भीमताल: भारतीय जनता पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने तथा स्थानीय जनता की समस्याओं के समाधान के उद्देश्य से भीमताल ब्लॉक रोड स्थित भाजपा जिला मंत्री मनोज भट्ट प्रकाश के कार्यालय का शुभारंभ किया गया। इसका उद्घाटन वरिष्ठ भाजपा नेता रघुवर दीन दयाल भट्ट ने किया।

इस मौके पर जिला मंत्री मनोज भट्ट प्रकाश ने कहा कि कार्यालय खोलने का मुख्य उद्देश्य जनता से सीधा संवाद स्थापित करना है, ताकि क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं को गंभीरता से सुना जा सके और उनके समाधान के लिए प्रभावी प्रयास किए जा सकें। उन्होंने बताया कि आमजन अपनी समस्याओं को लेकर सीधे कार्यालय पहुंचकर संपर्क कर सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों का सम्मान भी किया गया। यहां पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष बीना आर्य, प्रकाश लोशाली, योगेश तिवारी, गौतम मटियाली, केडी सिंह, धन सिंह, कमला आर्या, कमल जोशी, विनीत जोशी, शिप्रा जोशी, प्रकाश आर्या आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सम्मानित किए गए युवाओं के साथ नैनीताल बैंक के अधिकारी।

नैनीताल बैंक ने खेलों के प्रति युवाओं को किया प्रेरित

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: नैनीताल बैंक लिमिटेड द्वारा वार्षिक खेल दिवस कार्यक्रम हल्द्वानी में बड़े उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। यह आयोजन केंद्र सरकार की खेलो इंडिया पहल से प्रेरित था, जिसका उद्देश्य खेलों के माध्यम से युवाओं में अनुशासन, टीम भावना एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ावा देना है। इस अवसर पर बैंक द्वारा खेल क्षेत्र में उल्लेखनीय एवं सराहनीय उपलब्धियां प्राप्त करने वाले युवा खिलाड़ियों को प्रोत्साहित एवं सम्मानित किया गया, जिससे युवाओं को खेलों की ओर प्रेरित किया जा सके तथा उनके आत्मविश्वास और मनोबल को सुदृढ़ किया जा सके। बैंक के प्रबंध निदेशक एसके लाल ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा खेलों को जीवन में अनुशासन, समर्पण और नेतृत्व कौशल विकसित करने का सशक्त माध्यम बताया। उन्होंने सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में बैंक के कार्यपालक निदेशक कुलदीप सिंह, मुख्य वित्तीय अधिकारी महेश गोयल, क्षेत्रीय प्रबंधक राहुल प्रधान सहित बैंक के अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

बहुउद्देशीय शिविर में राशन कार्ड संबंधी समस्याओं का निराकरण

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार कार्यक्रम के तहत बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन जंगलियागांव में किया गया। शिविर में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग द्वारा राशन कार्ड से संबंधित समस्याओं के निराकरण के लिए विशेष व्यवस्था की गई। क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी सुरेन्द्र सिंह बिष्ट ने बताया कि न्याय पंचायत जंगलियागांव की विभिन्न ग्राम पंचायतों से ग्रामीणों ने शिविर में पहुंचकर राशन कार्ड से जुड़े कार्य कराए।

शिविर के दौरान कुल 19 आवेदन प्राप्त हुए, जिनका मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। अधिकांश आवेदन विवाह के बाद महिलाओं के नाम जोड़ने तथा बच्चों के जन्म के उपरांत नाम दर्ज कराने से संबंधित थे। क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों से अपील की कि सभी राशन कार्ड धारक 30 जनवरी तक अपने राशन कार्ड व आधार कार्ड के साथ संबंधित उचित दर दुकान पर जाकर अनिवार्य रूप से ई-केवाईसी करवा लें।

समस्याओं का निराकरण करते क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी सुरेन्द्र सिंह बिष्ट।

इस अवसर पर भीमताल विधायक राम सिंह केड़ा, ब्लॉक प्रमुख डॉ. हरीश बिष्ट, दर्जा राज्य मंत्री शांति मेहरा, जिला पंचायत सदस्य विपिन जंतवाल, ग्राम प्रधान राधा कुल्याल सहित जनप्रतिनिधि एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सभासदों ने उठाई जाम से निजात दिलाने की मांग

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: नगरपालिका के सभासदों ने संयुक्त रूप से रामनगर की बिगड़ती यातायात व्यवस्था में सुधार और जनता को जाम से निजात दिलाने की मांग को लेकर एआरटीओ प्रवर्तन रिशु तिवारी को ज्ञापन सौंपा। सभासदों ने ज्ञापन के माध्यम से शहर में लगने वाले लगातार जाम की समस्या से अवगत कराते हुए इसके समाधान के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

सभासदों ने बताया कि यातायात अव्यवस्था के कारण आम जनता के साथ-साथ स्कूल जाने वाले बच्चों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने मांग की कि शहर के बाजार क्षेत्र में बड़े वाहनों के प्रवेश के लिए समय निर्धारित किया जाए तथा ओवरलोड वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही रामनगर के सरकारी अस्पताल जाने वाली सड़क पर स्थित मालधन प्राइवेट बस अड्डे को अन्यत्र स्थानांतरित करने और इस मार्ग को जाम मुक्त कराने की मांग उठाई गई। सभासदों ने कहा कि जाम के कारण इस मार्ग से एंबुलेंस के आवागमन में भी बाधा उत्पन्न होती है, जिससे मरीजों को गंभीर दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इस पर एआरटीओ रिशु तिवारी ने वाहनों के प्रवेश को लेकर शीघ्र ही प्रशासनिक अधिकारियों के साथ संयुक्त टीम बनाकर कार्रवाई की जाएगी और रामनगर को जाम से निजात दिलाने के लिए ठोस प्रयास किए जाएंगे। इस दौरान सभासद तनुज दुर्गापाल, शमीम अहमद, नदीम अंसारी, सचिन कुमार, सलमान सलमानी, नवीन सुनेजा, शबाना परवीन आदि रहे।

नैनीताल में मुख्य अभियंता शुक्ल ने किया बलियानाला का निरीक्षण

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: नैनीताल के संवेदनशील बलियानाला क्षेत्र में स्थायी समाधान हेतु चल रहे निर्माण कार्यों की बुधवार को मुख्य अभियंता सिंचाई संजय शुक्ल द्वारा गहन समीक्षा की गई। उन्होंने बलियानाला का स्थल निरीक्षण कर कार्य की गुणवत्ता, तकनीकी मानकों के अनुसार निष्पादन और समयबद्ध प्रगति का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान मुख्य अभियंता ने नाले में चल रहे सुरक्षात्मक और स्थिरीकरण कार्यों का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी निर्माण उच्च गुणवत्ता मानकों के अनुरूप ही पूर्ण किए जाएं। श्री शुक्ल ने कहा कि

नैनीताल में बलियानाला का निरीक्षण करते सिंचाई विभाग के मुख्य अभियंता।

बलियानाला परियोजना केवल तकनीकी कार्य नहीं है, बल्कि नैनीताल शहर की सुरक्षा से जुड़ा अहम विषय है। उन्होंने कार्यों में पारदर्शिता, सुरक्षा और गुणवत्ता पर विशेष जोर दिया और मानसून को ध्यान में रखते हुए आवश्यक सभी सुरक्षा उपाय समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण में अधीक्षण अभियंता एमके खरे, अधिशासी अभियंता डीके सिंह, सहायक अभियंता पीके पाठक, कनिष्ठ अभियंता और ठेकेदार के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। मुख्य अभियंता ने कहा कि बलियानाला परियोजना के सफल क्रियान्वयन से आसपास के क्षेत्रों को भू-धंसाव से राहत मिलेगी और नैनीताल शहर की दीर्घकालिक सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

लखनपुर में आयोजित खिचड़ी भोज में प्रसाद ग्रहण करते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

लखनपुर में मकर संक्रांति पर खिचड़ी भोज

रामनगर : मकर संक्रांति, उत्तरायण और घुघुतिया पर्व के अवसर पर लखनपुर में पारंपरिक उल्लास और सांस्कृतिक रंग देखने को मिला। लखनपुर स्पोर्ट्स क्लब और स्थानीय लोगों के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में खिचड़ी भोज और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। खिचड़ी भोज में उम्मीद से ज्यादा भीड़ जुटी। आयोजक प्रभात ध्यानी ने बताया कि 14 जनवरी उत्तराखंड में विशेष महत्व रखता है और मकर संक्रांति जैसे त्योहार समाज को एक सूत्र में बांधते हैं। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में छोलिया नृत्य ने सभी का मन मोह लिया। बच्चों, युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों ने पारंपरिक लोकनृत्य और गीतों का आनंद लिया। प्रभात ध्यानी ने कहा कि ऐसे आयोजनों का उद्देश्य लोक-संस्कृति और परंपराओं को जीवित रखना और नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ना है। इस दौरान इंदर सिंह मनराल, राजकुमार पांडे, चंद्रशेखर जोशी, जितेंद्र बिष्ट, देवेंद्र भट्ट, पालिका अध्यक्ष हाजी मोहम्मद अकरम, नवेंदु जोशी, पूरन पांडे, ज्येष्ठ प्रमुख संजय नेगी, दिनेश मेहरा, चंद्रप्रकाश खाती रहे।

गायत्री शक्तिपीठ में विभिन्न धार्मिक संस्कार कराए संपन्न

संवाददाता, हल्दूचौड़

अमृत विचार: मकर संक्रांति के पावन अवसर पर गायत्री शक्तिपीठ में श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्म का अद्भुत संगम देखने को मिला। सुबह से ही मंदिर परिसर श्रद्धालुओं से खचाखच भरा रहा। दिनभर वैदिक अनुष्ठान, हवन, पूजा-अर्चना और भजन-कीर्तन से पूरा परिसर गुंजायमान रहा।

इस मौके पर जनेऊ (उपनयन), मुंडन और कर्णभेदन सहित लगभग ढाई सौ धार्मिक संस्कार वैदिक विधि-विधान और मंत्रोच्चार के साथ संपन्न किए गए। परिवारों ने अपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य और आध्यात्मिक उन्नति की कामना की। आचार्य राजेंद्र तिवारी और नारायण दत्त शर्मा सहित वरिष्ठ आचार्यों ने

गायत्री शक्तिपीठ में मकर संक्रांति पर उपनयन संस्कार कराते बटुक।

विधिपूर्वक अनुष्ठान संपन्न कराए। प्रवेश, सुरक्षा, मंच संचालन, ब्रह्मभोज और भोजनालय व्यवस्थाओं में स्वयंसेवक लगातार सक्रिय रहे, जिससे श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की असुविधा नहीं हुई। गायत्री शक्तिपीठ के प्रबंधक बसंत पांडे ने कहा कि यह पर्व आत्मिक जागरण और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है। शाम तक मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण में डूबा रहा और श्रद्धालु आध्यात्मिक ऊर्जा और आनंद के साथ लौटे। इस दौरान उत्साह का माहौल रहा।

घुघुती त्यार के दूसरे दिन 'कुली बेगार' पर हुई चर्चा

- घुघुती त्यार में संस्कृति व इतिहास की झलक देखने को मिली

संवाददाता,रामनगर

अमृत विचार: जोतिबा फुले-सावित्रीबाई फुले सायंकालीन स्कूल की पहल पर सांवल्दे (पश्चिम) में आयोजित दो दिवसीय घुघुती त्यार कार्यक्रम के दूसरे दिन बच्चों, शिक्षकों और ग्रामीणों ने सक्रिय भागीदारी दिखाई। कार्यक्रम में घुघुती त्यार के सांस्कृतिक महत्व के साथ-साथ ऐतिहासिक कुली बेगार आंदोलन पर भी चर्चा हुई।

प्रो. गिरीश चंद्र पंत ने बताया कि घुघुती त्यार लोक संस्कृति, प्रकृति और जीवनशैली का अद्भुत संगम है। उन्होंने कहा कि हमारी परंपराएं केवल पुस्तकों में नहीं, बल्कि लोक कथाओं, पक्षियों के गीतों और जंगलों की ध्वनियों में जीवित रहती हैं, जो पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ती हैं। उन्होंने बच्चों और ग्रामीणों से अपनी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाए रखने पर जोर दिया। कुली बेगार आंदोलन पर रितु बेलवाल ने कहा कि यह दिन उस रक्तहीन क्रांति को याद करने का भी है, जिसमें 1921 में बागेश्वर के उत्तरायणी मेले में कुमाऊं केसरी बद्री दत्त पांडे के नेतृत्व में कुली-बेगार के रजिस्टर सरयू नदी में बहाकर इस शोषणकारी प्रथा का अंत किया गया। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान धरम सिंह, तुलसी बेलवाल, महेश जोशी, रितु बेलवाल सहित कई ग्रामीण और शिक्षक उपस्थित रहे। बच्चों को लोकसंस्कृति और इतिहास से जोड़ने वाला यह आयोजन बेहद सार्थक रहा।

बाल रोग विशेषज्ञ न आने से दिक्कत

नैनीताल: बीडी पांडे अस्पताल में बुधवार को बाल रोग विशेषज्ञ के न पहुंचने से मरीजों और उनके परिजनों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। बीमार बच्चों को लेकर आए परिजनों को बच्चों के उपचार के बिना लौटना पड़ा।

अस्पताल में रोजाना 60 से 70 बीमार बच्चे इलाज के लिए आते हैं और कभी-कभी यह संख्या सौ तक भी पहुंच जाती है। इन बच्चों के उपचार के लिए अस्पताल में तीन बाल रोग विशेषज्ञों के पद स्वीकृत हैं, लेकिन वर्तमान में दो पद रिक्त हैं। वहीं अस्पताल में तैनात बाल रोग विशेषज्ञ छुट्टी पर थे। प्रबंधन ने अन्य अस्पतालों से डॉक्टर बुलाकर व्यवस्था बनाई थी, लेकिन बुधवार को बाल रोग विशेषज्ञ नहीं पहुंच पाए। प्रभारी पीएमएस डॉ. द्रोपदी गर्ब्याल ने बताया कि किसी कारणवश डॉक्टर बुधवार को अस्पताल नहीं आ सके।

पुताई कर रहा पेंटर सीढ़ी से गिरा, गंभीर

नैनीताल: कैंची धाम क्षेत्र में पेंटिंग कार्य के दौरान एक मजदूर सीढ़ी से फिसलकर नीचे गिर गया। घायल मजदूर को बीडी पांडे अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

मूल रामपुर निवासी 27 वर्षीय विनोद कैंची धाम क्षेत्र स्थित एक भवन के बाहर सीढ़ी पर चढ़कर पेंटिंग का कार्य कर रहा था। अचानक उसका पैर फिसल गया और वह करीब 20 फीट की ऊंचाई से नीचे फर्श पर गिर गया। मजदूरों और ग्रामीणों ने उसे बीडी पांडे अस्पताल पहुंचाया। जहां एक्स-रे जांच के दौरान दोनों एड़ियों में कई फ्रैक्चर की पुष्टि हुई। चिकित्सक डॉ. ममता पांगती ने बताया कि मरीज को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।

अल्मोड़ा अर्बन कोआपरेटिव बैंक लि०
शाखा रामपुर रोड, हल्द्वानी

शाखा स्थानान्तरण सूचना

शाखा के समस्त लॉकर खाताधारकों को सूचित किया जाता है कि हमारी बैंक शाखा जो कि रामपुर रोड, हल्द्वानी में स्थित है, दिनांक 27.01.2026 (अनुमानित तिथि) से नये परिसर हर्बोला हैरिटेज के सामने श्याम टॉवर में स्थानान्तरित होने जा रही है। अतः समस्त लॉकरधारकों से अनुरोध है कि कृपया आप अपने लॉकर को दिनांक 23.01.2026 तक शाखा स्थानान्तरण तिथि तक के लिये खाली करने की कृपा करें, ताकि आपके लॉकर के अन्दर रखे सामान में किसी प्रकार की हानि ना हो, अन्यथा की स्थिति में बैंक इसके लिये जिम्मेदार नहीं होगा।

मुख्य प्रबन्धक

भारत शुद्धीकरण पद यात्रा में शामिल लोग। ● अमृत विचार

भारत शुद्धीकरण यात्रा भवाली पहुंची

भवाली: सनातनी हिन्दू जनजागरण अभियान के तहत जागेश्वर से संचालित भारत शुद्धीकरण पद यात्रा भवाली पहुंची। 7 जनवरी से शुरू यह यात्रा 15 जनवरी को नैना देवी मन्दिर नैनीताल में पहुंचकर सम्पन्न होगी। भवाली पहुंचने पर पद यात्रा का भव्य स्वागत किया गया। वहीं संतों ने अपने संबोधन में जेहाद मुक्त भारत व भारत शुद्धीकरण का संकल्प दोहराया। सभी से इस यात्रा में चलने का अनुरोध किया गया। अभियान में श्री श्री 1008 श्रीचित्र गुप्ताचार्य डॉ. स्वामी सचिदानन्द चित्र गुप्त महाराज जेहाद मुक्त भारत के लिए लोगों को जागरूक कर रहे हैं।

नुमाइश के विरोध में सौंपा ज्ञापन

रामनगर: मोहल्ला ख़ताड़ी स्थित राजकीय इंटर कॉलेज मैदान में 20 जनवरी से लगने वाली नुमाइश का विरोध शुरू हो गया है। बुधवार को खिदमते ए खल्क के अध्यक्ष जिशान कुरैशी की अगुवाई में मुस्लिम समाज के युवाओं ने एसडीएम प्रमोद कुमार को ज्ञापन दिया।

ज्ञापन में कहा गया कि यह मैदान बच्चों के खेल के लिए है और नुमाइश से बोर्ड परीक्षाओं में छात्रों को शोर और परेशानी का सामना करना पड़ेगा। युवाओं ने एसडीएम से नुमाइश के लिए अनुमति न देने की मांग की। एसडीएम ने बताया कि अभी अनुमति नहीं दी गई है और मामले पर विचार किया जाएगा। इस दौरान जिशान कुरैशी के साथ समाजसेवी फरमान अली, मोहम्मद फैजान, मोहम्मद उमेर, अब्दुल रहे।

मकान पर गिरा पेड़, बचा परिवार

- मकान की लिंटर पूरी तरह हुआ क्षतिग्रस्त, मुआवजे की मांग

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: कॉर्बेट टाइगर रिजर्व की बिजरानी रेंज से सटे लखनपुर क्षेत्र में मंगलवार देर रात करन सिंह के मकान पर अचानक एक विशालकाय सूखा पेड़ गिर गया। पेड़ गिरने से मकान की छत का लिंटर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और छत में बड़ा छेद बन गया, जिससे घर को भारी नुकसान पहुंचा।

घटना के समय करन सिंह, उनकी पत्नी और बच्चे कमरे में सो रहे थे। अचानक तेज धमाके जैसी आवाज से परिवार की नींद खुल गई। करन सिंह ने बताया कि पेड़ गिरते ही ईंटें उनके बेड

रामनगर में पेड़ गिरने से क्षतिग्रस्त हुआ मकान का लिंटर। ● अमृत विचार

के पास गिरीं, लेकिन गनीमत रही कि मलबा सीधे उनके ऊपर नहीं आया, जिससे बड़ा जानलेवा हादसा टल गया। घटना में मकान की रेलिंग, दीवारें, लेंटर और छत पर रखी पानी की टंकी भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

सभासद सचिन कुमार आर्य ने कहा कि परिवार बाल-बाल बचा और विभाग से आर्थिक नुकसान की भरपाई की मांग की है। सूचना मिलने पर कॉर्बेट टाइगर रिजर्व के वनकर्मी मौके पर पहुंचे और घटना का मुआयना किया। रेंज अधिकारी नवीन पांडे ने बताया कि स्टाफ को भेजकर स्थिति का जायजा लिया गया है और नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

सिटी ब्रीफ

दुकान से पति लापता पत्नी ने लिखाई गुमशुदगी

हल्द्वानी : शहर निवासी एक महिला ने मुखानी थाना में अपने पति की गुमशुदगी दर्ज कराई है। प्रगतिशील कालोनी भगवानपुर निवासी रजनी पत्नी सूरज श्रीवास्तव ने बताया कि उनके पति सूरज की उम्र 24 वर्ष है। बीते वर्ष 22 दिसंबर की शाम वह नन्दपुर कठघरिया स्थित विराट सैलून से बिना बताये चले गए और फिर लौट कर नहीं आए।

जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र के सभी प्रकरण निस्तारित

हल्द्वानी : नैनीताल डीएम ललित मोहन रयाल के निर्देशों के बाद जनपद में दिसंबर माह में मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए कुल 272 आवेदन प्राप्त हुए सभी आवेदकों को मृत्यु प्रमाण पत्र जारी कर दिए है। जन्म प्रमाण पत्र के 436 आवेदन प्राप्त हुए थे सभी को जन्म प्रमाण पत्र जारी कर दिए गए हैं।

देवलचौड़ से बेलबाबा तक छाया घना कोहरा

हल्द्वानी : शहर में देवलचौड़, बेलबाबा, पंचायतघर, तीनपानी में सुबह के समय घना कोहरा छाया हुआ था। कोहरा इतना घना था कि 10 मीटर आगे का देखना भी मुश्किल हो रहा था। इन इलाकों में दोपहर के समय कोहरा हल्का हुआ लेकिन और शाम होने के साथ ही कोहरा फिर से घना होने लगा। अधिकतम तापमान 14 न्यूनतम तापमान 2.3 डिग्री दर्ज किया गया।

16 से 19 जनवरी तक बारिश के आसार

हल्द्वानी : मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार देहरादून, ऊधमसिंह नगर व हरिद्वार समेत नैनीताल, चंपावत और पौड़ी के मैदानी जिलों में घना कोहरा छाया रहेगा और यलो अलर्ट जारी किया गया है। 16 से 19 जनवरी के बीच उत्तरकाशी, चमोली, पिथौरागढ़ जिले के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश होने की संभावना है। साथ ही 3400 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी के भी आसार हैं।

खेलो इंडिया के तहत खिलाड़ियों को किट वितरित की

हल्द्वानी : खेलो इंडिया के तहत खिलाड़ियों को खेल किट वितरण किया गया। डिप्टी डायरेक्टर रशिका सिद्दीकी मैम, जिला खेल अधिकारी निर्मला पंत, उप जिला खेल अधिकारी वरुण बेलवाल, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी पूनम, कनिष्ठ सहायक शशि एवं कोच निलेश गुप्ता ने किट वितरित किए।

शासन ने दाखिल खारिज का जिम्मा ज्यूडिशियल मुहर्रिर को सौंपा, हल्द्वानी तहसील में नहीं है एक भी पद

नए वर्ष से हल्द्वानी में नहीं हुई एक भी दाखिल खारिज

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : नए साल से तहसील में एक भी दाखिल खारिज नहीं हुई है। पढ़कर चौंकिए मत, दरअसल शासन ने दाखिल खारिज का जिम्मा अब ज्यूडिशियल मुहर्रिर का सौंप दिया है। हैरानी की बात है कि हल्द्वानी तहसील में ज्यूडिशियल मुहर्रिर का पद ही नहीं है। अब तहसील प्रशासन ने वाकिल वासी नवीश को जिम्मेदारी सौंपी है ताकि दाखिल खारिज हो सके।

अधिकारियों के अनुसार, तहसील में प्रतिदिन औसतन 800 से अधिक दाखिल खारिज होती है। अमूमन दाखिल खारिज का जिम्मा रजिस्ट्रार कानूनगो पर होता है लेकिन एक जनवरी 2026 से शासन ने दाखिल खारिज का काम इनसे हटाकर ज्यूडिशियल मुहर्रिर को सौंप दिया है। जिले में अन्य तहसीलों में तो ज्यूडिशियल मुहर्रिर के पद हैं लेकिन हल्द्वानी में एक भी पद नहीं है। अब रजिस्ट्रार कानूनगो दाखिल खारिज कर नहीं सकते हैं ऐसे में लोगों को दाखिल खारिज हो नहीं रही है। लोग दाखिल खारिज के लिए तहसील के चक्कर काट-काट कर परेशान हैं। इसी के साथ ही अरायजनवीसों वगैरह को भी समस्याएं हो रही हैं, मुवक्किल उन्हें भी परेशान कर रहे हैं।

हालांकि तहसील प्रशासन इससे इंकार कर रहा है। तहसील प्रशासन का दावा है कि दाखिल खारिज के लिए व्यवस्था कर दी गई है। जनता को चक्कर नहीं काटने होंगे।

जनपद के रजिस्ट्रार कानूनगो हड़ताल पर, काम ठप

जनपद की सभी तहसीलों के 12 रजिस्ट्रार कानूनगो विभिन्न मांगों को लेकर हड़ताल शुरू कर दी है। इस वजह से कामकाम प्रभावित हुआ है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि जब तक मांगें पूरी नहीं होती हैं, उनका विरोध जारी रहेगा।

अब नाजिर व डब्ल्यूवीएन करेंगे दाखिल खारिज

हल्द्वानी : तहसीलदार कुलदीप पांडेय ने बताया कि दाखिल खारिज के लिए नई व्यवस्था लागू की है। अब नाजिर दाखिल खारिज की फाइल, इश्तायक जारी करना, पटवारी की रिपोर्ट वगैरह प्रक्रिया पूरी कर फाइल वाकिल वासी नवीस (डब्ल्यूवीएन) को सौंपेंगे। डब्ल्यूवीएन इन फाइलों को ''ओके'' कर तहसीलदार से साइन करवाएंगे। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि शासन की ओर से निर्धारित समयावधि में दाखिल खारिज की जाए।

दाखिल खारिज के दिसंबर तक के लगभग सभी प्रकरण निस्तारित कर दिए हैं। सिर्फ जनवरी के ही प्रकरण निलंबित है। इन प्रकरणों के निस्तारण के लिए व्यवस्था बना दी गई है। समय से सभी लोगों की दाखिल खारिज की जाएगी। **-कुलदीप पांडेय,** तहसीलदार हल्द्वानी

सेनेटरी गोदाम में कर रहे थे चोरी, पकड़े गए

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : बनभूलपुरा कोतवाली क्षेत्र में चोरों ने एक गोदाम में चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर भाग पाते, इससे पहले ही गोदाम के मालिक ने शातिरों को पकड़ लिया और बनभूलपुरा पुलिस के सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कोर्ट के आदेश पर जेल भेज दिया है।

हिमालया फार्म बरेली रोड निवासी सुनील अरोड़ा पुत्र स्व. किशन लाल अरोड़ा ने बनभूलपुरा पुलिस को बताया कि वह हिंदवेयर सेनेटरी के डिस्ट्रीब्यूटर हैं। मछली मार्केट में उनका गोदाम है। सुनील के मुताबिक, उनके गोदाम के पास जुनैद की कोयले की दुकान है। 14 जनवरी की रात करीब 12:10 बजे जुनैद ने सुनील को फोन कर सूचना दी कि दो लोग उनके गोदाम का ताला खोल रहे हैं।

सूचना मिलते ही सुनील अपने बेटे के साथ गोदाम पहुंचे। उन्होंने देखा कि पूर्व में उनके यहां काम कर चुके हरीश चंद्र आर्या और गणेश आर्या गोदाम से हिंदवेयर कंपनी की तीन इंग्लिश टॉयलेट सीट चोरी कर ले जा रहे थे। पीड़ित ने अपने पुत्र व जुनैद की मदद से दोनों आरोपियों को मौके पर ही पकड़ लिया। कोतवाल डीएस फर्त्याल ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। दोनों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

गौला से मटमैले पेयजल की आपूर्ति न करें : रावत

आयुक्त दीपक रावत ने संबंधित अधिकारियों को दिए निर्देश

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : आयुक्त दीपक रावत ने पेयजल लाइनों से मटमैले पानी की आपूर्ति की शिकायत पर सिंचाई, जल संस्थान और पेयजल निगम अधिकारियों के साथ बैठक की और फिर शीशमहल फिल्टर प्लांट का भी निरीक्षण किया।

उन्होंने गुणवत्तायुक्त पेयजल आपूर्ति पर जोर दिया। आयुक्त रावत ने बुधवार को मिनी स्टेडियम रोड स्थित कैंप कार्यालय में हुई बैठक में कहा कि शहर के विभिन्न क्षेत्रों में गौला नदी से होने वाली आपूर्ति में मटमैला पानी की आपूर्ति की जा रही है। उन्होंने कहा कि बलियानाला ट्रीटमेंट व जमरानी बांध प्रोजेक्ट्स एक दीर्घकालिक परियोजना है, इनमें आगामी वर्ष 2029 तक लगातार निर्माण प्रस्तावित है।

ये प्रोजेक्ट्स कई वर्षों में पूरे होंगे। इनके के निर्माण के दौरान, वर्षा ऋतु में टर्बिडिटी की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए काम किए जाय ताकि भविष्य में शहर में पेयजल आपूर्ति की समस्या उत्पन्न न हो। इस के लिए सिंचाई, जल संस्थान और जमरानी बांध डिवीजन तीनों आपसी समन्वय भी बनाएं।

इसके बाद आयुक्त ने शीशमहल स्थित पेयजल फिल्टरेशन प्लांट का भी निरीक्षण कर जल आपूर्ति व्यवस्था एवं शुद्धिकरण प्रक्रिया का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने पेयजल की गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश जारी किए।

आयुक्त ने फिल्टरेशन प्रक्रिया में निर्धारित मानकों का पालन सुनिश्चित करते हुए क्लोरीन एवं फिटकरी का नियमानुसार उपयोग किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जल शुद्धिकरण एवं परीक्षण की पूरी प्रक्रिया का प्रॉपर डॉक्यूमेंटेशन अनिवार्य रूप से किया जाए जिससे प्रक्रिया पारदर्शी रहे। प्लांट परिसर में सीसीटीवी कैमरे दुरुस्त नहीं मिलने पर उन्होंने लापरवाही पर नाराजगी जताई और तत्काल अतिरिक्त कैमरे लगाने के निर्देश दिए।

शीशमहल स्थित फिल्टर प्लांट का निरीक्षण करते कुमाऊं आयुक्त दीपक रावत।

निष्ठा जोशी को आर्मी चीफ ने दिया सम्मान

नैनीताल: डीएसबी परिसर, कुमाऊं विश्वविद्यालय की एनसीसी नेवी विंग की सीनियर कैडेट कैप्टन निष्ठा जोशी ने प्रतिष्ठित गणतंत्र दिवस शिविर–2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर उत्तराखंड का नाम रोशन किया है। एनसीसी अधिकारी सब लेफ्टिनेंट प्रो. रीतेश साह ने बताया कि कैडेट निष्ठा जोशी को भारतीय सेना के चीफ ऑफ द आर्मी स्टाफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी (पीवीएसएम, एवीएसएम) द्वारा समारोहिक पिन प्रदान किया गया। उनकी प्रभावशाली ब्रीफिंग क्षमता और उत्कृष्ट नेतृत्व कौशल के लिए सेना प्रमुख ने उन्हें व्यक्तिगत रूप से प्रशंसा भी दी। गणतंत्र दिवस शिविर का आयोजन प्रतिवर्ष नई दिल्ली में किया जाता है, जिसमें एनसीसी के थल, नौसेना एवं वायुसेना विंग्स के चयनित कैडेट कठोर मूल्यांकन प्रक्रिया के बाद प्रतिभाग करते हैं। इस उपलब्धि को कुमाऊं विवि में दिए जा रहे उत्कृष्ट एनसीसी प्रशिक्षण का प्रत्यक्ष प्रमाण बताया गया। इस अवसर पर 5 यूके नेवल एनसीसी के कमांडिंग ऑफिसर कैप्टन मृदुल साह सहित विवि अधिकारियों, संकाय सदस्यों एवं कैडेट्स ने निष्ठा जोशी को बधाई दी है।

दमुवाढूंगा से मल्ली बमौरी तक तोड़े वाहनों के कांच

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : दमुवाढूंगा से लेकर मल्ली बमौरी तक एक चोर ने वाहन स्वामियों में हड़कंप मचा दिया है। यहां सड़क पर खड़े कई वाहनों के कांच को तोड़कर चोरी ने अंदर से सामान चोरी किया है। यहां तक की वह सीसीटीवी कैमरे में भी दर्ज हुआ है।

मल्ली बमौरी के आनंद विहार, लक्ष्मी विहार, बैंक कॉलोनी और दमुवाढूंगा के शिवपुरी क्षेत्र के लोगों ने बताया कि घर के बाहर खड़े उनके वाहनों के कांच किसी ने तोड़े हैं। यह वाहन सड़क पर बाहर खड़े थे। पार्षद मुकुल बल्यूटिया ने कहा कि वार्ड में कम से कम 12 से 15 वाहनों के कांच टूटे हुए हैं और यह पिछले तीन से चार दिन से हो रहा है। साथ ही स्थानीय लोगों ने बताया कि यह शातिर चोर सीसीटीवी में भी दिखा है। कांच को तोड़ने के बाद वाहन के अंदर से सामान भी चोरी हुआ है। किसी का मोबाइल चोरी है तो किसी का म्यूजिक सिस्टम से लेकर वाहन के अंदर रखे चश्मे तक चोरी हुए हैं। स्थानीय निवासी राजेश ने बताया कि दो दिन पहले उनके वाहन का भी कांच तोड़ा गया है। पार्षद ने बताया कि पुलिस को सूचना दी गई है।

इस मामले में पुलिस को बैंक कॉलोनी दोनहरिया निवासी सुदर्शन सिंह परमार ने भी इस मामले में पुलिस को तहरीर दी है और बताया कि उनकी कार का कांच तोड़कर चोर एप्पल कंपनी का लैपटॉप और 4800 रुपये निकाल ले गया है। इधर पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी से जांच शुरू कर दी गई और आरोपी को शीघ्र पकड़ लिया जाएगा।

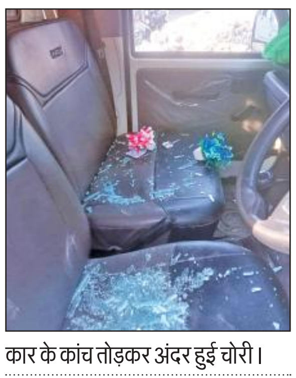

कार के कांच तोड़कर अंदर हुई चोरी।

- कांच तोड़ने के बाद हुई चोरी, आरोपी सीसीटीवी में भी दिखा

डॉक्टर में तकनीकी ज्ञान व नैतिकता होना जरूरी

हल्द्वानी, अमृत विचार: राजकीय मेडिकल कॉलेज की मेडिकल एजुकेशन यूनिट की ओर से तीन दिवसीय बेसिक कोर्स इन मेडिकल एजुकेशन (बीएमई) कार्यशाला के दूसरे दिन शिक्षण से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई। बुधवार को एनएमसी की नामित रिसोर्स फैकल्टी ने प्रतिभागी चिकित्सकों को एमबीबीएस शिक्षण की नवीनतम तकनीकों, प्रभावी शिक्षण कौशल और शैक्षणिक नवाचारों की जानकारी दी। डॉ. ऋतु रखोलिया ने प्रभावी संवाद, चिकित्सकीय नैतिकता और मानवीय मूल्यों के महत्व पर प्रकाश डाला। कहा कि एक अच्छे चिकित्सक के लिए तकनीकी ज्ञान के साथ संवेदनशीलता और नैतिकता भी आवश्यक है। डॉ. हरिशंकर पांडे ने दक्षता आधारित मेडिकल एजुकेशन पाठ्यक्रम की संरचना और समय सारिणी पर व्याख्यान दिया। डॉ. परमजीत सिंह ने फार्माकोलॉजी स्किल लैब में डमी के माध्यम से व्यावहारिक प्रशिक्षण देकर प्रतिभागियों को आधुनिक शिक्षण पद्धतियों के बारे में बताया। डॉ. रीना भारद्वाज ने मूल्यांकन प्रणाली, फॉर्मेटिव एवं समेटिव असेसमेंट, प्रभावी फीडबैक के महत्व पर चर्चा की।

जीएनजी ने गट्स एन ग्लोरी को हरा फाइनल में बनाई जगह

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : जिला क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से आयोजित सीनियर पुरुष वर्ग की क्रिकेट लीग का सेमीफाइनल मैच कार्बेट क्रिकेट ग्राउंड चकलुवा में जीएनजी और गट्स एन ग्लोरी के बीच खेला गया। गट्स एन ग्लोरी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 35 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 191 रन बनाए।

टीम से गौरव जोशी ने 70, हर्ष पांडे ने 45 और शिवांश कांडपाल ने 16 रन बनाए। जीएनजी के गेंदबाज आकाश सिंह ने 3, पृथ्वी गैड़ा ने 2, प्रतीक और देव ने 1-1 विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी जीएनजी की टीम ने 25वें ओवर में ही 2 विकेट के नुकसान पर 194 रन बनाकर 8 विकेट से मैच जीत लिया। टीम के लिए प्रतीक तिवारी ने 55, कुशाग्र कोरंगा ने 51 और मुकुल कुमार ने 50 रन बनाए। गट्स एन ग्लोरी के गेंदबाज सौम्य कुमार और गौरव ने 1-1 विकेट लिया। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार जीएनजी के गेंदबाज आकाश सिंह को दिया गया। अंपायर विजय आर्या और शुभम पांडे जबकि स्कोरर हरप्रीत सिंह कंबोज रहे। इस मौके पर जिला क्रिकेट एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष कमल पपनै, नरेंद्र अधिकारी, आनंद बिष्ट, दिग्विजय कनवाल रहे।

क्रिकेट के मैदान पर जीत के बाद विजेता टीम के खिलाड़ी।

रेलवे को मिले 790 जीपीएस ट्रैकर

हल्द्वानी : सर्दी के मौसम में सुरक्षित ट्रेन संचालन के लिए इज्जतनगर मंडल में रेलवे को 790 जीपीएस ट्रैकर मिले हैं जिनसे पेट्रोलमैन लैस होकर नियमित रूप से ट्रैक पेट्रोलिंग कर रहे हैं। जीपीएस ट्रैकर की मदद से पेट्रोलिंग के दौरान ट्रैक में पाई जाने वाली किसी भी कमी की जानकारी तुरंत संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाई जा सकती है। इस उपकरण में तीन शॉर्टकट बटन दिए गए हैं, जिनसे समय से सूचना सीधे संबंधित सुपरवाइजर को कॉल कर तत्काल सूचना दी जा सकती है। ऑनलाइन मॉनिटरिंग सिस्टम के जरिए पेट्रोलमैन की रियल टाइम लोकेशन, पेट्रोलिंग की गति और गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है। इज्जतनगर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक संजीव शर्मा ने इसकी पुष्टि की है।

पुलिस लौटाएगी 161 परिवारों की मुस्कान

- 2019 से लापता 161 बच्चों और महिलाओं को तलाशने का अभियान शुरू
- चार टीमें करेंगी तलाश, मानव तस्करी के एंगल से भी की जा रही है जांच

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : ऑपरेशन स्माइल के जरिये पुलिस एक बार फिर उन परिवारों के चेहरों पर मुस्कान लाने की कोशिश कर रही है, जिनके अपने उनसे बिछड़ गए और फिर लौट कर नहीं आए। पुलिस के मुताबिक, वर्ष 2019 से दिसंबर 2025 तक 161 लोगों के गुमशुदा होने की रिपोर्ट दर्ज है। पुलिस ने अब इनकी तलाश शुरू कर दी है। तलाश में पुलिस की चार टीमें लगी हैं और मानव तस्करी के एंगल से भी मामले की जांच की जा रही है।

एसपी सिटी मनोज कत्याल ने बताया कि सीओ ऑपरेशन अमित सैनी के नेतृत्व में गुमशुदाओं को खोजने का अभियान शुरू किया गया है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में जिले से कुल 161 लोग लापता चल रहे हैं। जिसमें 140 लोग 18 साल की उम्र से अधिक के हैं। इनमें 99 पुरुष और 41 महिलाएं हैं। वहीं 14 बालक समेत सात बालिकाओं को मिलाकर कुल 21 नाबालिग हैं।

इनकी खोजबीन को अब पुलिस ऑपरेशन स्माइल के माध्यम से अभियान चलाएगी। इनमें फरवरी 2019 से लेकर दिसंबर 2025 तक के गुमशुदा शामिल हैं। इस अभियान में पुलिस की चार टीम बनी हैं, जिनमें एक दरोगा और चार सिपाही शामिल हैं। वहीं साइबर और सर्विलांस की टीम भी इसमें शामिल हैं। एसपी सिटी के मुताबिक मानव तस्करी के एंगल से भी जांच की जाती है।

ऑपरेशन स्माइल को लेकर बैठक में निर्देश देते सीओ अमित सैनी। ● अमृत विचार

असर अस्पताल प्रबंधन ने दो मंजिला भवन का प्रस्ताव बनाकर शासन में भेजा, चतुर्थ श्रेणी कर्मियों के टूटेंगे आवास

बेस में बहुमंजिला भवन में पार्किंग के साथ बनेंगे आवास

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: सोबन सिंह जीना अस्पताल में पार्किंग की समस्या जग-जाहिर है। इस समस्या का समाधान करने की तैयारी शुरू हो गई है। यहां चतुर्थ श्रेणी कर्मियों के भवन को तोड़कर नया भवन जाएगा। जिसमें भूतल में पार्किंग और साथ ही चतुर्थ श्रेणी कर्मियों के भवन भी बनेंगे।

बेस अस्पताल में प्रतिदिन औसतन 2000 मरीजों की ओपीडी होती है। मरीजों के साथ तीमारदारों और स्टाफ के भी वाहन होते हैं। इस वजह से यहां पर पार्किंग की समस्या रहती है। हालात यह हैं कि मरीजों के वाहनों की पार्किंग को कभी-कभी बंद भी करना पड़ा है। इस समस्या को देखते हुए अस्पताल प्रशासन ने नई पार्किंग बनाने का प्रस्ताव भेजा है। अस्पताल में जगह कम है, ऐसे में आक्सीजन प्लांट के पास मौजूद चतुर्थ श्रेणी कर्मियों के भवनों तोड़ने का प्रस्ताव शासन में भेज दिया गया है। इन भवनों को तोड़कर बहुमंजिला भवन का निर्माण होगा। जिसके भूतल में पार्किंग होगी। साथ ही प्रथम तल पर चतुर्थ श्रेणी कर्मियों के भवनों को भी बनाया जाएगा। इसके साथ ही द्वितीय तल पर एक कांफ्रेसिंग हॉल भी बनाया जाएगा। जिसमें स्वास्थ्य विभाग से जुड़े कार्यक्रम भी हो सकेंगे। पीएमएस डॉ. केएस दत्ताल ने बताया कि अगर सबकुछ सही रहा तो प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद काम भी शीघ्र शुरू हो जाएगा। इससे अस्पताल में पार्किंग की समस्या का काफी सुधार होगा क्योंकि लगातार वाहनों की संख्या बढ़ती जा रही है। ऐसे में चिकित्सकों व कर्मियों को खासी दिक्कत होती है। इस लिए पार्किंग बनना जरूरी है।

एसटीएच में दूसरे दिन भी नहीं हुए अल्ट्रासाउंड

हल्द्वानी : डॉ. सुशीला तिवारी अस्पताल में गुरुवार को दूसरे दिन भी अल्ट्रासाउंड सेवा बंद रही। यहां रेडियोलॉजिस्ट ट्रेनिंग में हैं, इस वजह से ऐसा हो रहा है और साथ ही अनुबंधित कंपनी के रेडियोलॉजिस्ट ने नौकरी छोड़ दी है। जिस वजह से उनकी सेवा भी बंद है। ट्रेनिंग गुरुवार को भी चलेगी, ऐसे में माना जा रहा है गुरुवार को भी एसटीएच में अल्ट्रासाउंड बंद रहेंगे। अस्पताल के एमएस डॉ. अरुण जोशी ने बताया कि अनुबंधित निजी कंपनी ने एक नए रेडियोलॉजिस्ट की नियुक्ति कर दी है। इनके सभी प्रमाण-पत्र जांच के लिए मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय गए हैं। वहां से संस्तुति मिलने के बाद इनकी सेवाएं भी शुरू हो जाएंगी और दिक्कत कम हो जाएगी।

पर्व के दिन मरीजों की कम रही भीड़

हल्द्वानी : हल्द्वानी में बुधवार को घुघतिया त्योहार की धूम रही। इस वजह से अस्पतालों की ओपीडी में मरीजों की बहुत ही कम भीड़ थी। एसटीएच, राजकीय महिला अस्पताल, बेस अस्पताल और आयुष अस्पताल की ओपीडी में काफी कम मरीज पहुंचे। अनुमान है कि गुरुवार को मरीजों की भीड़ फिर से बढ़ेगी।

छह दिन जेल में गुजारने के बाद ब्लॉगर ज्योति अधिकारी रिहा

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

- मंगलवार को मिली थी हल्द्वानी से जमानत, तभी खटीमा से आ गया था वारंट, बुधवार को खटीमा कोर्ट के आदेश पर हुई रिहाई

अमृत विचार : सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर ज्योति अधिकारी को आखिरकार छह दिन जेल की सलाखों के पीछे गुजारने के बाद रिहाई मिल गई।

मंगलवार को हल्द्वानी द्वितीय अपर सिविल जज (जेडी) की कोर्ट से ज्योति को दो मामलों में जमानत मिल गई, लेकिन जमानत के साथ ही खटीमा कोर्ट से जेल वारंट पहुंच गया। इसी वजह से ज्योति अधिकारी जेल से बाहर नहीं आ पाई। अब गुरुवार को खटीमा कोर्ट में ज्योति की जमानत पर सुनवाई प्रस्तावित है।

कुछ दिनों पहले बुद्ध पार्क में पहाड़ी आर्मी ने अंकिता हत्याकांड को लेकर प्रदर्शन किया था। इसमें ज्योति ने दराती लहराई, पहाड़ी महिलाओं और देवी-देवताओं के लिए आपत्तिजनक शब्द कहे। जिस पर जूही चुफाल ने ज्योति के खिलाफ मुखानी थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। बीते शुक्रवार को ज्योति को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया था, जहां से जेल भेज दिया गया था। मंगलवार को हल्द्वानी कोर्ट ने दो मुकदमों पर सुनवाई कर ज्योति को सशर्त जमानत दे दी। तभी खटीमा कोर्ट से हल्द्वानी जेल में वारंट पहुंच गया। ऐसे में जमानत मिलने के बाद भी जेल में रहना पड़ा। बुधवार को खटीमा कोर्ट से उपकारागार आदेश पहुंचा।

जेल अधीक्षक प्रमोद पांडेय ने बताया कि कोर्ट ने आदेश दिए कि वारंट के आधार पर ज्योति को जेल में न रोका जाए। वीसी के जरिये ही जेल से ज्योति की खटीमा कोर्ट में पेशी हुई। कोर्ट ने कस्टडी वारंट भी नहीं बनाया। जिसके बाद बुधवार शाम उसे रिहा कर दिया गया। अब गुरुवार को ज्योति को खटीमा कोर्ट में पेश होना होगा।

सिटी ब्रीफ

3208 व्यापारियों ने ली सदस्यता, 16 तक दर्ज होंगी आपत्तियां

खटीमा : प्रांतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के सदस्यता अभियान के विस्तार के बाद अब कुल सदस्यों की संख्या 3208 पहुंच गई है। बढ़ाई गई दो दिनों की अवधि में 611 नए व्यापारियों ने सदस्यता ग्रहण की। सदस्यता अभियान पर्यवेक्षक महेश जोशी ने बताया कि इन नए सदस्यों पर 15 और 16 जनवरी दोपहर एक बजे तक आपत्तियां दर्ज कराई जा सकेंगी। आपत्ति केवल व्यापार मंडल के सदस्य ही लिखित और हस्ताक्षरित पत्र के माध्यम से दर्ज कर सकते हैं। इसमें मतदाता क्रमांक, रसीद संख्या और आपत्ति का स्पष्ट कारण लिखना अनिवार्य होगा। इच्छुक व्यापारी मुख्य चुनाव अधिकारी अनिल बत्रा व अन्य अधिकारियों से संपर्क कर सकते हैं। 16 जनवरी दोपहर एक बजे के बाद कोई भी आपत्ति स्वीकार नहीं की जाएगी।

अज्ञात वाहन चालक पर प्राथमिकी दर्ज

सितारगंज : सड़क हादसे में वाहन चालक की मौत हो गई। वहीं, मामले में पुलिस ने टक्कर मारने वाले अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। चंदौसी, संभल (यूपी) निवासी रेशमा ने बताया कि उसके पति दिनेश चंद्र वाहन चालक है। तीन दिसंबर को वह मालिक सूरज कालरा का वाहन लेकर रुद्रपुर से नगला होते हुए सितारगंज जा रहे थे। तभी रास्ते में नयागांव पेट्रोल पंप के पास अज्ञात वाहन से उनकी टक्कर हो गई। जिसमें उनकी मौत हो गई। वहीं, मामले में पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सुखवंत सुसाइड: सीडीआर जांच गिरफ्तारी की तैयारी में एसआईटी

एसआईटी प्रभारी व एसपी क्राइम ने बनाईं चार टीमें, हो सकती हैं ताबड़तोड़ गिरफ्तारियां

संवाददाता, रुद्रपुर

सुखवंत (फाइल)।

अमृत विचार: खाकी पर लगे किसान सुखवंत सुसाइड प्रकरण के धब्बे मिटाने के लिए अब एसआईटी मुस्तैद हो गई है। एसआईटी प्रभारी व एसपी क्राइम के नेतृत्व वाली एसआईटी टीम ने किसान सुखवंत की सीडीआर रिपोर्ट खंगालना शुरू कर दिया है। यही नहीं तकनीकी, मैनुअली और सर्विलांस तफ्तीश पूर्ण होते ही पुलिस की दो टीम ताबड़तोड़ गिरफ्तारी करने के लिए मुस्तैद हो चुकी है। अब देखना यह है कि सुखवंत सुसाइड प्रकरण के नामजद अभियुक्तों की क्या-क्या भूमिका सामने आती है। इसका पर्दाफाश एसआईटी जल्द कर सकती है। जिसको लेकर कप्तान ने भी एसआईटी प्रभारी को कई बिंदुओं पर अपनी तफ्तीश को तेज करने का आदेश दे दिया है।

बताते चलें कि रविवार की सुबह प्रदेश में उस वक्त हड़कंप मच गया था, जब गांव पैगा के रहने वाले 40 वर्षीय किसान सुखवंत सिंह ने खुद को गोली मारने से पहले एक वीडियो वायरल कर दी थी। वीडियो में सुखवंत ने उन 26 भू-माफियाओं के नामों को उजागर किया था। जिन्होंने भूमि खरीद फरोख्त की आड़ में चार करोड़ रुपये का घपला कर डाला था। वीडियो में आईटीआई, पैगा चौकी पुलिस और कप्तान की भूमिका को भी कठघरे में खड़ा कर दिया गया। राजनीति का पारा चढ़ते ही जनपद पुलिस की खाकी वर्दी पर लगे सुसाइड के धब्बे मिटाने के लिए एसआईटी प्रभारी एवं महिला आईपीएस निहारिका तोमर ने रणनीति बना ली है। जिसके बाद एसपी क्राइम ने सात सदस्यीय एसआईटी टीम को अब चार टीमों में बांट दिया है। जिसमें एक टीम आधुनिक तकनीक यानी सुखवंत की सीडीआर रिपोर्ट की पड़ताल करेगी तो दूसरी टीम मैनुअली जांच कर साक्ष्य जुटाने की कोशिश करेगी। वहीं तेज तर्रार दो इंस्पेक्टर की टीम गिरफ्तारी के लिए मुस्तैद रहेगी। जांच टीम की रिपोर्ट जब सामने आएगी तो टीम ताबड़तोड़ दबिश देकर नामजद अभियुक्तों की भूमिका के आधार पर गिरफ्तार करती रहेगी। अब देखना यह है कि एसआईटी की यह रणनीति कितनी कामयाब और कितने समय में पूर्ण होगी। यह आने वाला समय बताएगा। माना यह भी जा रहा है कि खाकी पर सुसाइड के दाग मिटाने के लिए पुलिस जल्द एक बड़ा एक्शन ले सकती है।

एसआईटी में शामिल हैं तेजतर्रार निरीक्षक-दरोगा

रुद्रपुर : कड़क मिजाज और धरपकड़ में माहिर कुंडा कोतवाली प्रभारी रवि कुमार सैनी, काशीपुर थाना प्रभारी हरेंद्र चौधरी को गिरफ्तारी टीम में रखे जाने की बात सामने आई है, जबकि एसओजी प्रभारी जसवीर सिंह चौहान और मैनुअली सुरागरसी के अलावा तकनीकी तफ्तीश का जिम्मा सौंपा गया है। वहीं कुंडेश्वरी दरोगा चंदन सिंह बिष्ट, दरोगा हरविंदर कुमार को सीडीआर की पड़ताल में लगाए जाने की चर्चा है। साथ ही सीसीटीवी कैमरे खंगालने में माहिर सिपाही विनय यादव और एसओजी में तकनीकी की जिम्मेदारी निभाने वाले भूपेंद्र आर्या को आधुनिक तकनीक के जरिए सुखवंत सुसाइड प्रकरण की जांच कर सकते हैं।

प्रतिदिन तफ्तीश की देनी होगी रिपोर्ट

रुद्रपुर : एसआईटी प्रभारी एवं एसपी क्राइम निहारिका तोमर ने जहां एसआईटी की चार टीमें बना कर सुखवंत सुसाइड के अनसुलझे सवालों की गुत्थी सुलझाने का आदेश दिया है। वहीं यह भी आदेशित किया है कि एसआईटी की गठित चार टीमें प्रतिदिन अपनी तफ्तीश और प्रगति रिपोर्ट की जानकारी देगी। ताकि नामजद अभियुक्तों की भूमिका का आकलन कर चिह्नित किया जा सके। यही संयुक्त जांच रिपोर्ट के आधार पर सुखवंत को आत्महत्या के लिए बेबस करने वाले अभियुक्तों की धरपकड़ कर मजबूत चार्जशीट बनाई जा सके।

किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा: एसएसपी

एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने बताया कि सुखवंत सुसाइड प्रकरण को गठित एसआईटी की कमान महिला आईपीएस निहारिका तोमर को दी है। जिसके आधार पर एसआईटी की चार टीमें बनाकर जांच में लगा दी है। दो टीमों को तकनीकी और सर्विलांस में लगाया गया है, जबकि दो टीमों को गिरफ्तार और धरपकड़ का दायित्व दिया गया है। प्रयास रहेगा कि अविलंब जांच कर अभियुक्तों की भूमिका का पता चले।

मृतक की पत्नी ने पहले दी चेतावनी फिर जताया भरोसा

काशीपुर: हल्द्वानी के एक होटल में आत्महत्या करने वाले किसान सुखवंत सिंह की पत्नी प्रदीप कौर ने बुधवार को परस्पर विरोधी बयान दिए। पहले उन्होंने सीबीआई (सीबीआई) जांच की मांग करते हुए न्याय न मिलने पर बेटे के साथ आत्महत्या की चेतावनी दी, लेकिन कुछ देर बाद उन्होंने इसे डिप्रेशन में दिया गया बयान बताते हुए सरकार और पुलिस प्रशासन पर भरोसा जताया। विदित हो कि चार दिन पूर्व ग्राम पैगा निवासी सुखवंत सिंह ने पुलिस अधिकारियों पर प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए वीडियो जारी किया था और खुद को गोली मारकर जान दे दी थी। बुधवार को मीडिया के सामने प्रदीप कौर ने सवाल उठाया कि उनके पति की सुनवाई जीवित रहते क्यों नहीं हुई? हालांकि, बाद में उन्होंने अपने बयान को सुधारते हुए कहा कि उन्हें मुख्यमंत्री और एसएसपी पर पूरा विश्वास है कि उन्हें न्याय मिलेगा।

परिजनों की सुरक्षा बढ़ाई गई, काशीपुर : मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस ने मृतक के घर पर सुरक्षा बढ़ा दी है। एएसपी अभय कुमार सिंह के अनुसार, पीड़ित परिवार के आवास पर एक कांस्टेबल और होमगार्ड की तैनाती की गई है। साथ ही चेतक मोबाइल को नियमित गश्त के निर्देश दिए गए हैं।

नशा उन्मूलन के प्रति जागरूक किया गया

शिविर का शुभारंभ करते बीजेपी आर्थिक प्रकोष्ठ के प्रांतीय संयोजक चुघ।

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: अटल उत्कृष्ट आदित्यनाथ झा राजकीय इंटर कॉलेज रुद्रपुर की एनएसएस इकाई का सात दिवसीय शिविर रंगारंग कार्यक्रमों के साथ संपन्न हो गया है। इस दौरान स्वयंसेवियों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत करने के साथ ही मतदाता जागरूकता, नशा उन्मूलन, मोबाइल के दुष्प्रभाव, स्वच्छता जागरूकता इत्यादि कार्यक्रम प्रस्तुत किए। साथ ही लघु नाटिका और देशभक्ति गीतों से अनेक सामाजिक कुरीतियों के निवारण पर शानदार प्रस्तुति दी।

बुधवार को कार्यक्रम अधिकारी गिरीश शर्मा ने सात दिवसीय शिविर की विस्तृत आख्या प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि स्वयंसेवियों को योग, सहज योग और अनेक संस्थाओं के द्वारा जागरूक किया गया। अग्निशमन विभाग ने आग बुझाने के उपाय, पुलिस विभाग ने यातायात के नियम इत्यादि पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बीजेपी आर्थिक प्रकोष्ठ के प्रांतीय संयोजक भारत भूषण चुघ ने स्वयंसेवियों को आदर्श नागरिक बनकर देश हित में कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने इस तरह के कार्यक्रमों से छात्रों का शारीरिक और मानसिक विकास के महत्व को बताया। विशिष्ट अतिथि राजकीय शिक्षक संघ ऊधमसिंह नगर के जिला मंत्री विवेक पवार शिविर में स्वयंसेवकों द्वारा किए गए कार्यों की प्रशंसा की। पूर्व पार्षद सुशील कुमार यादव ने स्वयंसेवियों को समाज हित में कार्य करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर कृष्ण राम आर्य, यतेंद्र सिंह यादव, आलोक राय, देवेंद्र पाल सिंह, नर नारायण वर्मा, विशाल सरकार, वीरेंद्र ध्यानी, जगदीश चंद्र भट्ट, महेंद्र सिंह, पवन कुमार आदि उपस्थित रहे।

रुद्रपुर, लालकुआं और काशीपुर विधानसभा की टीम फाइनल में

- आज खेला जाएगा प्रतियोगिता का फाइनल मैच
- पुलिस लाइन में चल रही है सांसद स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: खेल महाकुंभ 2025 के तहत मुख्यमंत्री चैम्पियनशिप ट्रॉफी के तहत सांसद स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता 31वीं वाहिनी पीएसी रुद्रपुर में आयोजित हुई। प्रतियोगिता का उद्घाटन जिला युवा कल्याण अधिकारी भूपेंद्र सिंह रावत ने किया। वहीं अंडर अंडर-14 फुटबॉल प्रतियोगिता में रुद्रपुर और लालकुआं विधानसभा और अंडर-19 में काशीपुर और लालकुआं विधानसभा ने फाइनल में प्रवेश किया। दोनों का फाइनल मैच आज खेला जाएगा।

बुधवार को आयोजित अंडर-14 फुटबॉल प्रतियोगिता में रुद्रपुर विधानसभा ने बाजपुर विधान सभा को 5-0 और लालकुआं विधानसभा ने बाजपुर विधानसभा को 4-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। बाजपुर विधानसभा ने हल्द्वानी विधानसभा को 5-0 से हराकर तीसरा स्थान प्राप्त किया। गुरुवार को रुद्रपुर विधानसभा और लालकुआं विधानसभा के बीच फाइनल मैच खेला लाएगा। अंडर-19 काशीपुर विधानसभा ने खटीमा विधानसभा को 9-0 और लालकुआं विधानसभा ने रुद्रपुर विधानसभा को 4-1 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया।

रुद्रपुर विधानसभा ने बाजपुर विधानसभा को 3-0 से हराकर तीसरा स्थान प्राप्त किया। गुरुवार को काशीपुर विधानसभा और लालकुआं विधानसभा के बीच फाइनल मैच खेला लाएगा। प्रतियोगिता में मैच रेफरी की भूमिका खेल समन्वयक दिनेश सिंह, इंस्पेक्टर योगेंद्र देव, एसआई होशियार बोहरा, हेड कांस्टेबल कमल सिंह ने निभाई। मंच का संचालन हरीश दनाई और धीरज पांडेय ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी यशवंत कुमार, कंचन सरावत, अमित कुमार, नंद किशोर जोशी, राजेंद्र लाल शर्मा समेत कई खेल प्रेमी मौजूद रहे।

नाबालिग ने राहगीर को किया घायल

रुद्रपुर: पॉश कॉलोनी में एक नाबालिग लड़की ने जब कार का स्टेयरिंग थामा तो कार अनियंत्रित हो गयी और एक राहगीर को टक्कर मार दी। इससे वह घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने घायल को निजी अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ओमेक्स रिबेरा सोसायटी निवासी चिंतन शर्मा ने बताया कि 11 जनवरी की सायं छह बजे वह अपने घर के सामने से सड़क पार कर रहा था। इस बीच सोसाइटी की आंतरिक सड़क पार करते वक्त अचानक कार ने जबरदस्त टक्कर मार दी। जिससे वह घायल को गया। घायल को प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया। घायल चिंतन शर्मा ने बताया कि जब पड़ताल की तो पता चला कि हादसे के वक्त कार कॉलोनी के रहने वाले अमित छाबड़ा की नाबालिग बेटी चला रही थी।

तो क्या कपड़ों की कतरन चुराने गया था पप्पू

- मैट एवं पुराने कपड़ों का गोदाम है घटनास्थल

संवाददाता, रुद्रपुर

घटनास्थल पर लगा पुराने कपड़े व मैट की कतरन का ढेर। ● अमृत विचार

अमृत विचार: 12 जनवरी को थाना ट्रांजिट कैंप इलाके में मिले पप्पू वर्मा मौत प्रकरण में अब यह सवाल उठ रहे हैं कि क्या महज पुराने कपड़ों की कतरन को पप्पू चुराने गया था, जबकि मृतक नशे की हालत में था और गोदाम में पुराने कपड़ों की कतरन के ढेर के अलावा कुछ नहीं है। जिसके बाद नजदीक के कारोबारी मौत प्रकरण को गैर इरादतन हत्या नहीं, बल्कि जानबूझकर अधमरा कर ठंड में मरने की छोड़ देने की सुगबुगाहट कर रहे हैं। जिससे साफ है कि पुलिस की कहानी में कहीं न कहीं झोल है। हालांकि पुलिस ने मौत प्रकरण के तीनों अभियुक्तों को 105 बीएनएसएस एक्ट के तहत जेल भेज दिया है।

बताते चलें कि 12 जनवरी की सुबह सिडकुल ढाल के समीप 40 वर्षीय पप्पू वर्मा का शव थाना ट्रांजिट कैंप पुलिस ने बरामद किया था। शरीर पर चोट के निशान थे तो पुलिस ने यह तो मान लिया कि पप्पू को बेरहमी से पीटा गया। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया कि 11 जनवरी की देर रात्रि पप्पू के साथ कुछ लोगों ने हाथापाई भी की थी। पुलिस की तफ्तीश शुरू होती है कि 13 जनवरी की सुबह खुलासा हुआ कि हनुमान ढाल शिमला बहादुर में भारत ट्रेडर्स का एक गोदाम है। गोदाम में पप्पू नशे की हालत में घुसा और सो रहे तीन लोगों ने चोर समझकर पप्पू के साथ मारपीट कर सड़क पर फेंक दिया और पप्पू की ठंड के कारण कार्डियक अटैक से मृत्यु हो गई।

पुलिस ने योगेश पांडेय, सुजीत सरोज और अबू तालिब को गैर इरादतन हत्या की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश कर दिया था। बुधवार को जब अमृत विचार की टीम ने गोदाम का मौका मुआयना किया और जानने का प्रयास किया कि आखिरकार गोदाम में ऐसी कौन सी बेशकीमती सामान पड़ा हुआ था कि पप्पू को अपनी जान गंवानी पड़ी। पड़ताल में पाया कि गोदाम में महज पुरानी मैट और कपड़ों की कतरन का ढेर पड़ा था और ऐसा कीमती सामान नहीं था कि पप्पू उसे चोरी कर मोटी कमाई कर पाता। जब यह भी सत्यता है कि पप्पू बेहद नशे की हालत में था। अब सवाल यह उठता है कि क्या पुलिस ने महज अभियुक्तों के बयान के आधार पर यह मान लिया कि पप्पू वर्मा को चोर होने की आशंका के तहत बेरहमी से पीटा और मौत ठंड की वजह से हुई।

बिंदुखेड़ा में शुरू हुआ 74वां विशाल कुश्ती दंगल

- पूर्व विधायक ठुकराल ने किया शुभारंभ, दूर-दराज से आए पहलवान, जमकर हुआ दंगल

संवाददाता, रुद्रपुर

कुश्ती दंगल प्रतिस्पर्धा का शुभारंभ करते पूर्व विधायक ठुकराल। ● अमृत विचार

अमृत विचार: विगत वर्ष की भांति इस साल भी गांव बिंदुखेड़ा में 74वें विशाल कुश्ती दंगल का आयोजन हुआ। जिसका शुभारंभ पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने किया। प्रतिस्पर्धा में कई प्रदेशों के पहलवानों ने हिस्सा लिया और एक-दूसरे को जमकर पटखनी दी।

बुधवार को विधायक ठुकराल ने कहा कि गांव बिंदुखेड़ा में पिछले कई वर्षों से दंगल-कुश्ती प्रतिस्पर्धा चल रही है जो पुरानी परंपरा है। कुश्ती केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि भारत की मिट्टी से जुड़ा हमारा गौरवशाली पारंपरिक खेल है। यह खेल अनुशासन, धैर्य और शारीरिक शक्ति का प्रतीक है। आधुनिक युग में जहां युवा मोबाइल और नशे की दलदल में जा रहे हैं। वहीं युवाओं को कुश्ती दंगल से प्रेरणा लेकर स्वास्थ्य और नशे के प्रतीत सजग रहना चाहिए। ताकि युवा मानसिक और शारीरिक रूप से सुदृढ़ रहे। उन्होंने कहा कि कुश्ती जैसे खेलों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत को एक नई पहचान दिलाई है। इस मौके पर ग्राम प्रधान काबल सिंह, सुरजीत सिंह बरनाला, परमजीत सिंह, जोगेंद्र सिंह, भजनीक सिंह, वीरेंद्र सिंह, भजन सिंह, प्रीतम सिंह प्रधान, बूढ़ सिंह, पैड सिंह, बलविंदर सिंह बबलू, जगीर सिंह, निशान सिंह, कुलवंत सिंह, अजय नारायण सिंह, ललित बिष्ट, अमरजीत सिंह मौजूद रहे।

शेर सिंह के परिजनों को तीन लाख की अहैतुक सहायता राशि का चेक सौंपा

खटीमा : वन विभाग ने बाघ का शिकार हुए बग्घा चौवन निवासी शेर सिंह के परिजनों को तीन लाख की अहैतुक सहायता राशि का चेक सौंपा। सुरई रेंज के वन क्षेत्राधिकार राजेंद्र सिंह मनराल ने बग्घा चौवन पहुंचकर मृतक शेर सिंह के पुत्र होशियार सिंह को चेक सौंपा। उन्होंने कहा कि शेष राशि समस्त कारवाई पूर्ण होते ही मुहैया करा दी जाएगी। उन्होंने बताया कि जंगली जानवर के हमले में जन गंवाने वाले के परिजनों को सहायता राशि 10 लाख रुपए कर दी जाती है। जिसकी 30 प्रतिशत सहायता राशि तत्काल दी जाती है। इस दौरान ग्रामीणों ने जंगली जानवरों से सुरक्षा की गुहार की। इस अवसर पर पूर्व जिला पंचायत सदस्य धर्म सिंह दसौनी, मोहन सिंह चुफाल, रविंद्र कुमार, पंकज कुमार, यशपाल राजेंद्र सिंह नेगी मौजूद रहे।

सिडकुल कर्मी पर चाकुओं से हमला, थाने जाकर बचाई जान

- सड़क पर पड़े व्यक्ति की कर रहा था मदद, पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शुरू की जांच

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: थाना ट्रांजिट कैंप इलाके में सिडकुल कर्मी पर उस वक्त चाकुओं से हमला कर घायल कर दिया, जब वह अचेत अवस्था में पड़े घायल की मदद करने की कोशिश कर रहा था। कर्मी भागकर थाने पहुंचा और अपनी जान बचाई। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार मूल रूप से बिंदुखत्ता लालकुआं निवासी सत्येंद्र गंगवार ने बताया कि वह ट्रांजिट कैंप में किराए के मकान पर रहता है। 12 जनवरी की रात्रि 8 बजे वह सिडकुल कंपनी से ड्यूटी कर लौट रहा था। इस बीच परशुराम चौक पर एक व्यक्ति घायल अवस्था में सड़क पर पड़ा हुआ मिला। जब उसने टॉर्च जलाकर मानवता के नाते व्यक्ति की मदद करना चाहा तभी अचानक पीछे से तीन अज्ञात लोगों ने चाकुओं से हमला कर दिया। चाकू का घातक वार लगने के साथ ही सिडकुल कर्मी दौड़ते हुए थाना ट्रांजिट कैंप पहुंचा और गश खाकर जमीन पर गिर गया। जिसे देखकर पुलिस कर्मी आनन-फानन में घायल को जिला अस्पताल लेकर पहुंचे और पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित ने यह भी संभावना जताई है कि जिस घायल व्यक्ति की वह मदद करना चाह रहा था। उस व्यक्ति को शायद हमलावरों ने बेरहमी से पीटकर घायल कर दिया होगा। यही कारण है कि जब वह वीडियो बनाकर और एंबुलेंस को कॉल कर बताने ही वाला था। तभी तीन हमलावर आए और परिचित होने का हवाला देते हुए हमला कर दिया।

बिजली चोरी करने पर छह माह का कारावास

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: थाना आईटीआई के रहने वाले एक उपभोक्ताओं को बिजली चोरी करना महंगा पड़ गया। विद्युत अधिनियम की सुनवाई करते हुए विशेष सत्र न्यायाधीश ने विद्युत उपभोक्ताओं को छह माह का कारावास काटने की सजा सुनाई है।

जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी एनएस धामी ने बताया कि 18 नवंबर 2016 को उपखंड अधिकारी विद्युत वितरण खंड प्रकाश चंद्र शाह और विजिलेंस की संयुक्त टीम ने गांव बरखेड़ा पांडे थाना आईटीआई काशीपुर में छापामार कार्रवाई की। इस दौरान महुआ खेड़ा निवासी जरीफ हुसैन द्वारा ईंट भट्टे के पास लगे 25 केवीए के विद्युत पोल की एलटी लाइन से कटिया डालकर विद्युत चोरी की जा रही थी। पूछताछ में जब कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया तो उपखंड अधिकारी की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया। विद्युत अधिनियम की सुनवाई विशेष सत्र न्यायाधीश सिकंद कुमार त्यागी की अदालत में शुरू हुई। इस दौरान जिला शासकीय अधिवक्ता एनएस धामी ने अदालत के सामने कई गवाह और साक्ष्य पेश किए। दोनों पक्षों की जिरह सुनने के बाद अदालत ने विद्युत चोरी के दोषी जरीफ हुसैन को छह माह के कारावास की सजा सुनाई।

मौसम का कहर | अधिकतम तापमान रहा 13 .2 और न्यूनतम तापमान रहा 3 .3 डिग्री सेल्सियस, शीतलहर चलने से लोग परेशान

पांच दिन बाद फिर गिरा पांच डिग्री सेल्सियस तापमान

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: तराई में शीतलहर और कोहरे के कारण तापमान में एक बार फिर करीब पांच डिग्री सेल्सियस की गिरावट आयी है। बुधवार को तराई का अधिकतम तापमान 13.2 डिग्री सेल्सियस रहा। जबकि न्यूनतम तापमान 3.3 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं शीतलहर से लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

यहां बता दें कि तराई में पिछले कई दिन से धूप निकल रही थी। इससे लोगों ने राहत मिल रही थी। वहीं मंगलवार की देर रात से अचानक एक बार फिर तराई में कोहरा छाने के साथ शीतलहर चलने लगी। यह सिलसिला बुधवार को भी जारी रहा। सुबह 10 बजे के बाद कोहरा छठ गया, लेकिन शीतलहर जारी रही। इससे लोगों को गलन भरी ठंड का अहसास हुआ।

वहीं जीबी पंत विवि के मौसम वैज्ञानिक व डायरेक्टर रिसर्च डॉ. एएस नैन के अनुसार फसल को ठंड से नुकसान हो सकता है। इसलिए तापमान को नियंत्रित करने के लिए किसानों को हल्की सिंचाई करनी चाहिए। खासकर आलू की फसल में बीमारी व कीड़े लग सकते हैं। इन बीमारियों की निगरानी करें और जब मौसम साफ हो और दोपहर के समय पत्तियां सूखी हों तब रासायनिक नियंत्रण का इस्तेमाल करें।

पिछले एक सप्ताह में तराई का तापमान

तिथि	अधिकतम(डिग्री सेल्सियस में)	न्यूनतम (डिग्री सेल्सियस में)
14 जनवरी	13 .2	3 .3
13 जनवरी	18 .6	5 .2
12 जनवरी	16 .0	6 .2
11 जनवरी	19 .8	3 .3
10 जनवरी	22 .5	2 .7
09 जनवरी	18 .2	2 .9
08 जनवरी	11 .2	5 .0

तराई में शीतलहर के चलते 17 तक बंद रहेंगे कक्षा 12 तक के स्कूल

रुद्रपुर : मौसम विभाग ने तराई में गुरुवार से शनिवार तक शीतलहर चलने की संभावना जतायी है। इसे देखते हुए जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने जनपद के सभी आंगनबाड़ी केंद्र, शासकीय, अशासकीय, सहायता प्राप्त और निजी विद्यालयों में कक्षा 12 तक के विद्यार्थियों का 15 से 17 जनवरी तक शीतकालीन अवकाश घोषित कर दिया है। उन्होंने कहा कि कक्षा 10 व 12 के वे विद्यार्थी जो सीबीएससी, आईसीएससी, उत्तराखंड बोर्ड या अन्य मान्यता प्राप्त बोर्ड में शामिल होने वाले हैं। उनकी बोर्ड परीक्षा की तैयारी को ध्यान में रखते हुए विद्यालय की ओर से यदि अध्ययन, प्रायोगिक और प्री बोर्ड परीक्षा से संबंधित कोई शैक्षणिक गतिविधि आयोजित की जाती है तो उसके लिए मुख्य शिक्षा अधिकारी से पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य होगा।

जिला क्रिकेट लीग में एमिनिटी व मौर्य अकादमी जीते

किच्छा : क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ ऊधम सिंह नगर के तत्वाधान में अंडर-19 जिला क्रिकेट लीग (पुरुष) का शानदार आगाज़ हुआ। पहले मैच में मौर्य क्रिकेट अकादमी ने छावनी अकादमी को 9 विकेट से करारी शिकस्त दी। छावनी अकादमी ने पहले खेलते हुए 174 रन बनाए, जिसे मौर्य अकादमी ने कप्तान मयंक मुडिला की नाबाद 72 रनों की पारी के दम पर आसानी से हासिल कर लिया।

दूसरे मुकाबले में एमिनिटी स्पोर्ट्स अकादमी ने मुंजाल क्रिकेट अकादमी को 240 रनों के विशाल अंतर से हराया। एमिनिटी के मृत्युंजय ठाकुर ने ऐतिहासिक 197 रनों की पारी खेली, जिससे टीम ने 314 रनों का पहाड़ खड़ा किया। जवाब में मुंजाल अकादमी मात्र 70 रनों पर ढेर हो गई। एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय तिवारी ने बताया कि इस लीग में 15 टीमें भाग ले रही हैं और फाइनल 25 जनवरी को खेला जाएगा।

खटीमा के लाल कोठी में तीन दिवसीय उत्तरायणी कौतिक का शुभारंभ करते सीएम धामी। ● अमृत विचार

खटीमा में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करतीं स्कूली छात्राएं। ● अमृत विचार

खटीमा की हर गली-गांव दिल के करीब : सीएम धामी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा- खटीमा में केंद्रीय विद्यालय की स्थापना के साथ चकरपुर में आधुनिक खेल स्टेडियम बनवाए

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राज्य विकास और समृद्धि के नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। शहरों से लेकर सुदूर पर्वतीय गांवों तक सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल सहित सभी महत्वपूर्ण क्षेत्रों से जुड़ा इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत बन रहा है। समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए सरकार संकल्पित होकर कार्य कर रहे हैं।

धामी ने कहा कि खटीमा उनका घर है और सभी खटीमावासी उनके परिवार के सदस्य हैं। उन्होंने खटीमा से ही जनसेवा की यात्रा आरंभ की थी। क्षेत्र की प्रत्येक गली और गांव उनके दिल के बेहद करीब है। खटीमा की माटी और यहां के लोगों से उन्हें ऊर्जा और प्रेरणा मिलती है, उसी के बल पर वे प्रदेश के विकास के लिए कार्य कर पा रहे हैं। सीएम ने कहा सरकार खटीमा के समग्र विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। खटीमा क्षेत्र में कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए गदरपुर-खटीमा बाइपास और नौसर में पुल का निर्माण, पूरे क्षेत्र में सड़कों के व्यापक नेटवर्क का विकास भी सुनिश्चित किया गया है। उन्होंने कहा खटीमा में केंद्रीय विद्यालय की स्थापना करने के साथ ही चकरपुर में राष्ट्रीय स्तर के आधुनिक खेल स्टेडियम का निर्माण भी कराया गया है। खटीमा में आधुनिक आईटीआई और पॉलीटेक्निक कॉलेज तथा 100 बेड के नए अस्पताल परिसर का निर्माण कर बुनियादी सुविधाओं को मजबूत किया गया है। विद्यार्थियों के लिए साथी केंद्र एवं औद्योगिक विकास को गति देने लिए सिडकुल की स्थापना भी की गई है। हम खटीमा और टनकपुर के बीच भव्य सैन्य स्मारक भी बनाने जा रहे हैं, जिस पर जल्द ही कार्य प्रारंभ हो जाएगा। सांसद अजय भट्ट एवं पूर्व विधायक डॉ. प्रेम सिंह राणा ने नवनिर्मित बस अड्डे के लोकार्पण पर कहा कि यह बस अड्डा निर्माण मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का ड्रीम प्रोजेक्ट था। उन्होंने नवनिर्मित हाईटेक बस अड्डे का का नाम महाराणा प्रताप रखने पर मुख्यमंत्री का आभार भी व्यक्त किया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्य, विधायक शिव अरोरा, नगर पालिका अध्यक्ष खटीमा रामेश चंद्र जोशी, नगर पंचायत अध्यक्ष नानकमत्ता प्रेम सिंह टूरना, दर्जा मंत्री अनिल कपूर डब्बू, फरजाना बेगम, मंजीत सिंह, जिलाध्यक्ष कमल जिन्दल, महामंत्री रमेश जोशी, जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा मौजूद रहे।

शारदा किनारे तीन दिवसीय कौतिक का श्रीगणेश

खटीमा : उत्तरायणी कौतिक मेला कमेटी लालकोठी के तत्वावधान में मकर संक्रांति के अवसर पर शारदा किनारे लगने वाले उत्तरायणी कौतिक का शुभारंभ मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने फीता काटकर किया। उन्होंने प्राचीन बाली चन्द एवं शिव मंदिर में पूजा अर्चना की। उत्तरायणी कौतिक के पहले दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने शारदा में डुबकी लगाई। वहीं लोगों ने बच्चों का मुंडन, यज्ञोपवीत जनेऊ संस्कार आयोजित किया गया। श्री बाली चंद मंदिर में चल रहे अखंड रामायण पाठ का बृहस्पतिवार को समापन होगा और भंडारे का आयोजन किया जाएगा। रंग यात्रा के मेला स्थल पर पहुंचते ही मेले का शुभारंभ हुआ। मेले में स्कूली बच्चों और लोक कलाकारों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर समां बांधा। मेले में खिचड़ी का आयोजन वृहस्पतिवार को किया जाएगा। संचालन मनोहर पांडे व रमेश चन्द्र भट्ट ने किया। इस अवसर पर सांसद अजय भट्ट, जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्य, पालिका रमेश चंद्र जोशी, जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया, एसएसपी मणिकांत मिश्रा, ग्राम प्रधान माया जोशी, मेला कमेटी अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह खोलिया, रणजीत सिंह नामधारी, भैरव दत्त पांडे, संयोजक राम सिंह जेठी, नवीन बोरा, बसंत जोशी, गणेश ठकुराठी, पूरन जोशी, कै शेर सिंह दिगारी, देवेन्द्र कन्याल, मोहन प्रसाद मन्नू, बलवीर सिंह खोलिया, सुरेश उप्रेती, विक्रम प्रसाद, भुवन तिवारी, रमेश जोशी, सतीश भट्ट, मनोज बाधवा, महेन्द्र दिगारी, त्रिलोक सिंह धामी, भावना जोशी, पूनम देवी, जानकी जोशी, लक्ष्मी देवी, सुधीर वर्मा आदि मौजूद रहे।

इसी साल शुरू होगा एम्स सेंटर

खटीमा : सीएम ने कहा कि किच्छा में एम्स का सेटेलाइट सेंटर इसी साल शुरू हो जाएगा। केन्द्र के सहयोग से पंतनगर में आधुनिक सुविधाओं से युक्त अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा का निर्माण किया जा रहा है। खुरपिया फार्म में स्मार्ट सिटी के लिए जमीन अधिग्रहीत कर ली गयी है। केंद्र से खटीमा-टनकपुर राजमार्ग निर्माण को हरी झंडी मिल गयी है और जल्द ही इस पर भी काम शुरू हो जाएगा।

रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करतीं स्कूली छात्राएं। ● अमृत विचार

छात्राओं ने प्रस्तुत किए कार्यक्रम

- **रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ उत्तरायणी कौतिक संपन्न**
- **मुख्य अतिथि महापौर शर्मा ने किया कार्यक्रम का शुभारंभ**

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: शैल सांस्कृतिक समिति रुद्रपुर की ओर से आयोजित दो दिवसीय उत्तरायणी महोत्सव का रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ समापन हो गया है। महोत्सव के दूसरे दिन कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि महापौर विकास शर्मा, पूर्व महापौर रामपाल सिंह और अन्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप जलाकर किया। इस दौरान स्कूली छात्र-छात्राओं ने रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। कुमाऊंनी गानों को सुनकर पंडाल में बैठे लोग भी थिरकने लगे।

बुधवार को कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर विकास शर्मा ने लोक परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संस्कृति और लोक परंपराएं किसी भी समाज की आत्मा होती है। शैल परिषद द्वारा आयोजित यह उत्तरायणी महोत्सव केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि हमारी प्राचीन सभ्यता को संरक्षित करने और उसे अगली पीढ़ी तक हस्तांतरित करने का एक पावन यज्ञ है।

विधायक शिव अरोरा ने शैल सांस्कृतिक समिति के प्रयासों की सराहना की। साथ ही नगर के प्रवेश द्वार पर राजा रुद्र चंद्र की भव्य प्रतिमा स्थापना के लिए भी सभी से सहयोग की अपील की, जिससे रुद्रपुर की ऐतिहासिक पहचान और सांस्कृतिक गौरव को सुदृढ़ किया जा सके। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता अनिल चौहान, गोपाल सिंह पटवाल, जिला बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष दिवाकर पांडे, समाजसेवी जसविंदर सिंह खरबंदा, डॉ. किशोर चंदोला, डीएस बिष्ट, कमलेंद्र सेमवाल, सुरेश परिहार, भरत लाल शाह और गोपाल सिंह पटवाल, हेमंत बिष्ट, सतीश ध्यानी, मोहन उपाध्याय, डीके दनाई, पीसी शर्मा, राजेंद्र बोहरा, दिनेश बम, भास्कर जोशी, जगदीश बिष्ट, दिनेश भट्ट, दान सिंह मेहरा, मुकुल उप्रेती, डॉ. एलएम उप्रेती, सतीश लोहनी, अवतार सिंह बिष्ट आदि मौजूद रहे।

जयनगर के उत्तरायणी महोत्सव में मंच पर लोक गायक व अतिथि। ● अमृत विचार

विशन सिंह हरियाला ने बिखेरे लोक संस्कृति के रंग

दिनेशपुर : पर्वतीय युवा शक्ति समिति जयनगर नंबर-चार के तत्वावधान में उत्तरायणी महोत्सव भव्यता के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक अरविंद पांडेय, भाजपा प्रदेश मंत्री गुंजन सुखीजा और अन्य गणमान्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। महोत्सव की सांस्कृतिक संध्या प्रसिद्ध कुमाऊनी लोकगायक विशन सिंह हरियाला के निर्देशन में कलाकारों के नाम रही। लोक गायक नवीन पाठक, आशा नेगी, कल्पना सोनी और गोपाल गोसाईं की सुरीली प्रस्तुतियों के साथ-साथ हास्य कलाकार शिबू रावत व हिना नेगी के चुटकुलों ने जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। पारंपरिक छोलिया नृत्य कार्यक्रम में विशेष आकर्षण का केंद्र बना रहा। इस अवसर पर स्कूली बच्चों ने गणेश व सरस्वती वंदना के बाद कुमाऊनी-गढ़वाली गीतों पर मनमोहक नृत्य पेश किए। आयोजन समिति द्वारा अतिथियों और मेहमान कलाकारों को शॉल ओढ़ाकर व स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुंवर सिंह नेगी और संचालन धीरज पंत ने किया। इस मौके पर अतिथियो में ग्राम प्रधान प्रतिनिधि जगदीप सिंह विर्क, न्यू एरा पब्लिक प्रबंधक रविंद्र पाल सिंह, कोषाध्यक्ष ठाकुर सिंह, चंदन सिंह देव, सुरेश जोशी, पूरन सिंह मलवाल, भुवन चंद्र पांडे, करन मेहरा, ईश्वर सिंह, दीपक जोशी, कुंदन सिंह भंडारी, नरेश गुसाईं, प्रवीण सिंह राणा, कुंदन मेहता आदि मौजूद रहे।

शांतिपुरी में मीनाक्षी जोशी चुनी गईं मिस उत्तरायणी

शांतिपुरी : उत्तरायणी पर्व पर शांतिपुरी नंबर दो में आयोजित पारंपरिक मेले का भव्य शुभारंभ क्षेत्रीय विधायक तिलक राज बेहड़ ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। विधायक बेहड़ ने मेले को सांस्कृतिक एकता का प्रतीक बताया। उन्होंने अपनी बोली-भाषा और परंपराओं के संरक्षण के साथ-साथ सामाजिक सुरक्षा पर भी जोर दिया। मेले का मुख्य आकर्षण ''मिस उत्तरायणी'' प्रतियोगिता रही, जिसमें मीनाक्षी जोशी ने प्रथम, कविता रौतेला ने द्वितीय और जौनसी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सांस्कृतिक संध्या में लोकगायक प्रकाश जोशी की प्रस्तुतियों और हास्य कलाकार जीवन सिंह दानू के चुटकुलों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। ग्रुप डांस में शांतिपुरी ढांकानी के सोनिया ग्रुप ने बाजी मारी।

सितारगंज के उत्तरायणी महोत्सव में प्रस्तुति देते कलाकार। ● अमृत विचार

दूसरे दिन कलाकारों ने दी मनमोहक प्रस्तुति

सितारगंज : उत्तरायणी कौतिक में दूसरे दिन कलाकारों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुति दी। मशहूर गायिका माया उपाध्याय ने ..हाय काकड़ी झिल मा नूण पिसो सिल मा.. क्रीम पोडरा घसनी किले किले ना..चाहा को होतब...गीत ने जमकर वाहवाही लूटी। जिसने लोगों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में दूसरे दिन मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने कहा कि आज के दिन सूर्य उत्तर की ओर परिवर्तन करता है और ये दिन आपसी भाईचारे का प्रतीक है। बुधवार को रामलीला मैदान में उत्तरांचल विकास समिति के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए ऐसे कार्यक्रम होते रहने चाहिए। इस मौके पर ब्लॉक प्रमुख उपकार सिंह बल, समिति के अध्यक्ष गोपाल सिंह बिष्ट, फकीर सिंह कन्याल हेमंत बोरा, डीके पंतोला, पंकज रावत, जया जोशी, मुकेश सनवाल, अजय सिंह क्वीरा, भुवन गड़कोटी, बसंत कुमार, दीपू जोशी आदि मौजूद रहे।

गरम कपड़े व खिचड़ी की वितरित

- **बाजपुर में मकर संक्रांति के पर्व की धूम**

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: क्षेत्र में बुधवार को मकर संक्रांति का पर्व पारंपरिक श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। श्रद्धालुओं ने कड़ाके की ठंड के बावजूद प्रातः स्नान कर चावल, उड़द की दाल और खिचड़ी का दान कर पुण्य कमाया। मंदिरों में पूजा-अर्चना के बाद जगह-जगह खिचड़ी और जलेबी का प्रसाद वितरित किया गया।

अनाज मंडी स्थित शिव-दुर्गा, हनुमान एवं श्रीखाटू धाम मंदिर में भाजपा नेत्री पूजा जिंदल के नेतृत्व में महिलाओं ने विशेष पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर सामाजिक समरसता का संदेश देते हुए जरूरतमंदों को गरम वस्त्र वितरित किए गए।

वहीं, ब्रह्मदेव-शनिदेव मंदिर और रामराज रोड सहित मुख्य मार्गों पर व्यापारियों द्वारा विशाल भंडारों का आयोजन किया गया। वक्ताओं ने आध्यात्मिक दृष्टि से खिचड़ी के महत्व पर प्रकाश डाला और क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। इन कार्यक्रमों में मातृशक्ति और स्थानीय व्यापारियों सहित सैकड़ों श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

बाजपुर के अनाज मंडी में प्रसाद वितरित करतीं महिलाएं। ● अमृत विचार

निर्धन जोड़े का विवाह कराया

खटीमा: उत्तरांचल पंजाबी महासभा की देखरेख में गुरुद्वारा सिंह सभा में एक निर्धन कन्या का विवाह कराया गया। विवाह कार्यक्रम में समिति द्वारा वर एवं वधू को कन्यादान के साथ ही दहेज भी दिया गया। वहीं भव्य लंगर का भी आयोजन किया गया। निर्धन कन्या विवाह समारोह एवं लंगर कार्यक्रम के तहत अमृतकौर अलावृति,मलकीत सिंह सुंदर नगर नानक सागर का विवाह संपन्न कराया गया। समिति द्वारा वर-वधू को घर परिवार संबंधित जरूरी समान दान दहेज में दिया गया। निर्धन कन्या विवाह समारोह में उत्तरांचल पंजाबी महासभा खटीमा अध्यक्ष विजय अरोरा, महामंत्री हरीश बत्रा, कोषाध्यक्ष जितिन ग्रोवर, संरक्षक अनिल बत्रा, राजकुमार अरोरा, राकेश गुंबर, जनक सिंह आदि मौजूद रहे।

कौतिक मेले में बिखरे पर्वतीय संस्कृति के रंग

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: ग्राम हरिपुरा हरसान स्थित विद्या निकेतन हाईस्कूल परिसर में आयोजित दो दिवसीय उत्तरायणी कौतिक मेले के दूसरे दिन पर्वतीय संस्कृति की जबरदस्त धूम रही। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य व अन्य गणमान्य अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

मेले में मां नंदा देवी राजजात यात्रा की झांकी और पारंपरिक छोलिया नृत्य विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। लोकगायकों की सुरीली प्रस्तुतियों ने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि उत्तराखंड कौमी एकता का प्रतीक है और हमारी संस्कृति ही हमारी असली पहचान है। उन्होंने कुमाऊं केसरी स्वर्गीय बद्रीदत्त पांडेय के योगदान को याद करते हुए भावी पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने पर जोर दिया।

आर्य ने रामलीला व अन्य सामाजिक कार्यों हेतु भूमि उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में सर्व प्रदेश गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष हरमिंदर सिंह ढिल्लों, भाजपा नेता राजेश कुमार, गौरव शर्मा, एससी मोर्चा के जिलाध्यक्ष यशपाल राजहंस, किसान नेता जगतार सिंह बाजवा, पर्वतीय महासभा समिति के अध्यक्ष सुरेश चंद पांडेय, पीडी ममगई, डा.वीके तिलारा, आभा तिलारा, प्रेम मुनगली, एनडी जोशी, पूरन सिंह बिष्ट, यशोदा जोशी, वीरेंद्र बिष्ट, बहादुर भंडारी, जगदीश टम्टा, जगत तिवारी, संयोजक लक्ष्मण सिंह नेगी, गौरव शर्मा, जीत सिंह, उमा जोशी, फुरकान, पवन शर्मा मौजूद रहे।

बाजपुर में दीप प्रज्ज्वलित करते नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, जनप्रतिनिधि एवं समिति के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

आकर्षण | चक्कीमोड़ में समाजसेवी प्रेम सिंह धर्मशक्तू की स्मृति में आयोजित उत्तरायणी कौतिक में हुए विभिन्न कार्यक्रम

दिनेशपुर में छात्राओं ने उत्तराखंडी लोकगीतों से बांधा समां

संवाददाता, दिनेशपुर

अमृत विचार: उत्तरायणी सांस्कृतिक समिति चक्कीमोड़ के तत्वावधान में स्व. प्रेम सिंह धर्मशक्तू की स्मृति में एक दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों में चार्ट, मेहंदी, म्यूजिक चेयर एवं स्कूली बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों में कुमाऊंनी व गढ़वाली लोकगीतों में सुंदर नृत्य की प्रस्तुति से समां बांधा। इस दौरान अतिथियों को शाल ओढ़ाकर व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

बुधवार को रामलीला मैदान चक्कीमोड़ में उत्तरायणी सांस्कृतिक समिति के तत्वावधान में समाजसेवी स्व. प्रेम सिंह धर्मशक्तू की स्मृति में सांस्कृतिक कार्यक्रम व विभिन्न प्रतियोगिताओं का शुभारंभ पूर्व कैबिनेट मंत्री किच्छा विधायक तिलकराज बेहड़ व यूथ कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष सुमित्तर भुल्लर ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। अतिथियों ने समाजसेवी स्व. प्रेम सिंह धर्मशक्तू के चित्र के समक्ष उन्हें याद करते हुए पुष्प अर्पित किए। तत्पश्चात चाचरी प्रतियोगिता में पर्वतीय मझरा व तिलपुरी की टीम ने प्रतिभाग किया। स्कूली बच्चों द्वारा कुमाऊनी व गढ़वाली लोकगीतों में सुंदर नृत्य की प्रस्तुति में नवोदय इंटर कॉलेज चक्कीमोड़, लिटिल चैंपियन स्कूल मदनापुर, न्यू एरा पब्लिक स्कूल दुर्गापुर, किड्स पैराडाइज पब्लिक स्कूल दुर्गापुर व होली कृष्णा इंटर कॉलेज दिनेशपुर के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। मुख्य अतिथि किच्छा विधायक तिलकराज बेहड़ ने क्षेत्रवासियों को उत्तराखंड का लोक पर्व घुघुतिया त्योहार के साथ उत्तरैणी व मकर संक्रांति की बधाई थी देते हुए सूर्य भगवान से सुख समृद्धि की कामना की। यूथ कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष सुमित्तर भुल्लर ने कहा कि उत्तराखंड की संस्कृति हमारी धरोहर है, इसे आगे बढ़ाने में युवाओं का योगदान जरूरी है। कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तरायणी संस्कृतिक समिति अध्यक्ष सचिन राणा एवं संचालन समाजसेवी राजेंद्र मेहरा व मोहित चौहान उर्फ कमांडो ने किया। इस मौके पर वरिष्ठ भाजपा नेता मोहन सिंह पानू, जिपंस प्रतिनिधि नरेंद्र सिंह कोरंगा उर्फ नम्मू, समाजसेवी हीरा जंगपांगी रौतेला, सहकारी समिति पूर्व अध्यक्ष भगत सिंह धर्मशक्तू, समिति वरिष्ठ उपाध्यक्ष रेखा रावत, महासचिव लोकपाल शाही, कोषाध्यक्ष गोविंद चौहान, सचिव देवेंद्र सिंह धर्मशक्तू उर्फ दीपू, मीडिया प्रभारी कैलाश पाठक, योगेश पानू, गीता बोरा, गोपाल ठठोला, किशोर सामंत, राजेंद्र सिंह कोरंगा, सन्नी मेहता, चंद्रमणि देवराड़ी, ललित खोलिया, चंचल सिंह देऊपा, दीपू बिष्ट, जीवन त्रिपाठी, दान सिंह बड़ती, एचएस राणा आदि मौजूद रहे।

दिनेशपुर में कुमाऊंनी गीत पर नृत्य प्रस्तुत करतीं छात्राएं।

बालाजी इलेवन का ट्रॉफी पर कब्जा

- **बालाजी के सौरभ राणा बने प्लेयर ऑफ दी मैच**

संवाददाता शक्तिफार्म

अमृत विचार : राजकीय इंटर कॉलेज में आयोजित शक्तिफार्म प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में बालाजी इलेवन ने किंग्स इलेवन को 58 रनों से हराकर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। बालाजी के सौरभ राणा को प्लेयर आफ दी मैच, किंग्स के सरनजोत सिंह को प्लेयर आफ दी टूर्नामेंट और विक्रम सिंह को बेस्ट बल्लेबाज का खिताब दिया गया। आयोजन समिति पदाधिकारियों ने विजेताओं को ट्रॉफी प्रदान की। इससे पूर्व फाइनल मुकाबले का कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने फीता काटकर शुभारंभ किया।

पहले बल्लेबाजी करते हुए बालाजी इलेवन ने निर्धारित पंद्रह ओवरों में सभी विकेट खोकर 172 रन बनाए। सौरभ राणा ने 51 और अरुण ने 24 रनों की पारी खेली। किंग्स इलेवन के शिवम ने तीन और सिमरनजीत सिंह एवं परम ने दो-दो विकेट चटकाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए किंग्स इलेवन की टीम 114 रन पर सिमट गई। सरनजोत सिंह ने सर्वाधिक 34 रन बनाए। बालाजी के तारेश परगाई ने तीन और सौरभ, नीरज व मोहित ने दो-दो विकेट चटकाए। मैच में राकेश बिष्ट और प्रशांत अंपायर, विक्रम सिंह कमेंट्रेटर और सुजीत सरकार स्कोरर रहे।

विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान करते आयोजन कमेटी के सदस्य। ● अमृत विचार

सिटी ब्रीफ

बाइक को टक्कर मारने के मामले में दर्ज किया मुकदमा

काशीपुर : केलामोड़ नहर के पास एक तेज रफ्तार बाइक सवार ने सड़क किनारे खड़ी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल की पत्नी की तहरीर पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। ग्राम भरतपुर निवासी अनमोल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि बीती 3 जनवरी की शाम करीब 5 :30 बजे वह अपने पति नितिन कुमार के साथ अपने मायके केसरीपुर से लौट रही थीं। केलामोड़ नहर के पास उनकी बाइक खड़ी थी, तभी खेड़ी सहोता निवासी ग्राम गिरदई मुंशी ने अपनी बाइक से उनकी बाइक को सामने से टक्कर मार दी। टक्कर से उसके पति नितिन कुमार के दाहिने पैर में तीन जगह और दाहिने हाथ में दो जगह फ्रैक्चर हो गया। कुंडा पुलिस ने संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

अनघ ने 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग' में पाया प्रथम स्थान

किच्छा : नगर के होनहार छात्र अनघ सक्सेना ने नई दिल्ली में आयोजित 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 2026' में पूरे भारत में प्रथम स्थान प्राप्त कर उत्तराखंड का नाम रोशन किया है। देश भर के करीब 50 लाख युवाओं के बीच सात चरणों की कठिन प्रतियोगिता के बाद अनघ का चयन उन शीर्ष 20 युवाओं में हुआ, जिन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समक्ष विचार साझा करने का अवसर मिला। प्रधानमंत्री मोदी ने अनघ की प्रतिभा और मेहनत की सराहना करते हुए उन्हें 'विकसित भारत 2047' के संकल्प का महत्वपूर्ण सारथी बताया। अनघ की इस उपलब्धि पर उनके निवास पर बधाई देने वालों का तांता लगा है।

पैकिंग कार्य के कारण बंद रहेगा ट्रैफिक

काशीपुर : पूर्वोत्तर रेलवे इज्जतनगर मंडल की ओर से काशीपुर-अलीगंज मार्ग से बांसखेड़ा मार्ग को जाने वाले सड़क मार्ग पर स्थित रेलवे फाटक संख्या 33/सी पर ट्रैक पैकिंग कार्य 17 से 21 जनवरी के मध्य होना है। सीनियर सेक्शन इंजीनियर अखिलेश कुमार ने बताया कि 17 और 18 जनवरी को सुबह नौ बजे से पांच बजे तक और 19 से 21 जनवरी तक सुबह 11 बजे से पांच बजे तक रोड ट्रैफिक पूर्ण रूप से बंद रहेगा। इसके लिए सीओ काशीपुर सहित अन्य को सूचित कर दिया गया है।

योजना के तहत बनेगी एक किमी सड़क

काशीपुर : मेरा गांव, मेरी सड़क योजना के तहत काशीपुर के गांव धीमरखेड़ा से लेकर बरखेड़ा पांडे तक एक किमी की सड़क बनाई जा रही है। खंड विकास अधिकारी कमल किशोर पांडे ने बताया कि काशीपुर विकासखंड के अंतर्गत धीमरखेड़ा और बरखेड़ा पांडे की सड़क खस्ताहाल है। मेरा गांव मेरी सड़क योजना के तहत इन दोनों गांवों के बीच की सड़क को बनाया जा रहा है। इसके लिए 70 लाख रुपये का बजट स्वीकृत हो गया है। जल्द ही सड़क निर्माण का कार्य शुरू होगा।

शादी में गए परिजनों के घर नकदी व जेवरात चोरी

जसपुर : रिश्तेदार के यहां शादी में शामिल होना एक परिवार को महंगा पड़ गया। परिजनों की गैरमौजूदगी में चोरों ने उनके घर में रखी नकदी एवं सोने चांदी के आभूषणों पर हाथ साफ कर दिया। पीड़ित ने चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। मोहल्ला नई बस्ती निवासी नौशाद ने कोतवाली में दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा कि वह परिवार संग पिछले कुछ दिनों से शादी में रामनगर गया हुआ था।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना ही उद्देश्य

हाट मेले में स्थानीय उत्पादों और लोक संस्कृति की दिखाई दी झलक, विधायक चीमा ने किया शुभारंभ

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचारः रामनगर रोड स्थित रामलीला मैदान में भारत विकास परिषद देवभूमि महिला शाखा के तत्वावधान में मकर संक्रांति पर आयोजित उत्तराखंड हाट मेले का शुभारंभ मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक त्रिलोक सिंह चीमा व उर्वशी बाली ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

इससे पूर्व देवभूमि शाखा द्वारा मुख्य अतिथि विधायक चीमा समेत अन्य अतिथियों का स्वागत किया गया। देवभूमि शाखा अध्यक्षा डॉ. शिखा चौहान ने बताया कि महिलाओं के अंदर छुपी प्रतिभा और हुनर को जागृत करने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से मेले का आयोजन किया गया है। उन्होंने बताया कि मेले में दिल्ली, मुरादाबाद, बरेली, पीलीभीत, रामपुर, शाहजहांपुर, चंदोसी समेत स्थानीय लोगों ने हस्त निर्मित वस्तुओं, स्थानीय उत्पादों, कपड़ों, लेडीज सूटों, ज्वैलरी, पर्स समेत खाने पीने के पचास से अधिक स्टॉल लगाकर लोक संस्कृति का जीता-जागता उदाहरण प्रस्तुत किया। वहीं मुख्य अतिथि विधायक चीमा ने कहा कि मेले में महिलाओं द्वारा हस्तनिर्मित उत्पादों के स्टॉल प्रशंसनीय हैं। वहीं उर्वशी बाली ने पदाधिकारियों के साथ मेले में सुसज्जित दुकानों का भ्रमण करते हुए उत्पादों की गुणवत्ता की सराहना की। सचिव अनुजा अग्रवाल ने बताया कि मेले में हर एक घंटे में लकी ड्रा निकाले गए।

इस मौके पर पूर्व महापौर ऊषा चौधरी, कविता खुराना, दीपिका अग्रवाल, दीप्ति गुप्ता, अर्चना सिंह, एकता बंसल, गरिमा जैन, अंजलि अग्रवाल, नीलम अग्रवाल, गीता जयसवाल, अजय विश्नोई, विमल गुड़िया, डॉ. मनीष अग्रवाल, प्रधानाचार्य बृजेश कुमार गुप्ता आदि मौजूद रहे।

काशीपुर में हाट मेले का शुभारंभ करते विधायक त्रिलोक सिंह चीमा। ● अमृत विचार

काशीपुर में लोहड़ी पर्व मनाते बार एसोसिएशन के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

विद्या मंदिर महुवाडाबरा में मकर संक्रांति मनाई

जसपुर : रामलाल सिंह चौहान सरस्वती विद्या मन्दिर इंटर कॉलेज महुवाडाबरा के प्रबंधन वर्ग, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने मकर संक्रांति का पर्व हर्षोल्लास से मनाया। पर्व के मौके पर स्कूल द्वारा मोहल्ला चौहानान स्थित पुराने भवन में विधि विधान के साथ हवन किया गया। स्कूल के प्रबंधक मदनपाल सिंह, पृथ्वी सिंह, बलकरन सिंह एवं प्रधानाचार्य नरेश चौहान ने अतिथियों संग हवन में आहुति दी। हवन के बाद प्रसाद वितरण कर राजपूत सभा भवन में भंडारे के आयोजन किया। स्कूल के विद्यार्थियों एवं स्थानीय लोगों ने भंडारे में शिरकत की। इस मौके पर बृजभूषण गुप्ता, विनोद गहलौत, सुरेन्द्र सिंह, अवधेश कुमार, प्रवेन्द्र सिंह, अभिषेक, आकांक्षा, शालिनी आदि मौजूद रहे।

बार एसोसिएशन ने धूमधाम से मनाया लोहड़ी पर्व

काशीपुर : काशीपुर बार एसोसिएशन ने लोहड़ी का पर्व बड़े धूमधाम से मनाया गया। बार अध्यक्ष गिरिजेश खुल्वे ने कहा कि लोहड़ी का पर्व खुशी का संदेश देता है और मानवीय एकता का प्रतीक है। सचिव यशवंत सिंह चौहान ने भी अपने विचार रखे और लोहड़ी के महत्व को समझाया। वहां पर उपाध्यक्ष विधू शेखर शर्मा, उप सचिव अंकित चौधरी, कोषाध्यक्ष बीसी नौटियाल, आय-व्यय निरीक्षक गौरव मेहरोत्रा, पुस्तकालय अध्यक्ष राकेश प्रजापति सहित कार्यकारिणी सदस्य प्रीति कश्यप, पंकुल गुप्ता, शुभम कुमार उपाध्याय, कैलाश कुमार, प्रीति शर्मा, केदार सिंह, नरगिस, रणजीत सिंह विर्क समेत हरीश नेगी, शैलेंद्र कुमार मिश्रा, संदीप सहगल, आनंद रस्तोगी, कश्मीर सिंह आदि मौजूद रहे।

जसपुर में भी लोहड़ी का पर्व मनाया गया

जसपुर : नये वर्ष का पहला त्यौहार लोहड़ी यहां बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। पर्व के मौके पर नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों ने संयुक्त रूप से परिवार संग लोहड़ी गायी। शाम से ही लोगों ने पर्व की तैयारियां कर ली और देर रात तक डीजे की धुन पर पर्व मनाया। कड़ाके की ठंड में पुरूष भी आग के चारों ओर घूम कर गीतों पर थिरकते नजर आये। आग में तिल, गुड़, गजक, मूंगफली अर्पित कर सुख समृद्धि की कामना की। मूंगफली, रेवड़ी एवं पॉपकॉर्न की दुकानों पर भीड़ जुटी रही। पर्व के मौके पर हरिओम सिंह, अशोक सिद्धू, रेशम सिंह, बलदेव सिंह, हरदीप आदि मौजूद रहे।

ऐपण प्रतियोगिता में कविता पांडे रहीं प्रथम

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचारः उत्तरायणी मकर संक्रांति मेला समिति की ओर से चामुंडा देवी मंदिर परिसर में उत्तरायणी कौतिक मेले का आयोजन किया गया। इस दौरान आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

बुधवार को चामुंडा मंदिर परिसर में आयोजित उत्तरायणी मेले का शुभारंभ मुख्य अतिथि मेयर दीपक बाली ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने लोगों से शहर की सफाई व्यवस्था में सहयोग करने का आह्वान किया। प्रकाश रावत एंड पार्टी पिथौरागढ़ के कलाकारों और विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इससे पूर्व जागेश्वर से पहुंचे भुवन राम आर्या एंड पार्टी में शहर में छोलिया नृत्य की शोभायात्रा निकाली। सुबह के समय पूजा में मुख्य यजमान समाजसेवी आनंद कुमार एडवोकेट, पुरोहित पूरन चंद्र कांडपाल, जगदीश चंद्र कांडपाल, पूरन चंद्र जोशी रहे। ऐपण प्रतियोगिता में कविता पांडे, हर्षिता जोशी, संध्या चौरसिया, रंगोली में अंशुल बिष्ट, पीयूष शर्मा, गोरांश उपाध्याय क्रमशः पहले, दूसरे, तीसरे स्थान पर रहे। वहीं सांस्कृतिक कार्यक्रम में मास्टर इंटरनेशनल स्कूल प्रथम, शिवांगी चिल्ड्रन पब्लिक स्कूल द्वितीय, साईं पब्लिक स्कूल ने तृतीय स्थान हासिल किया। संचालन दीपक पांडे और वासु कांडपाल ने किया। वहां पर पीसीयू चेयरमैन राम मेहरोत्रा, विकास अग्निहोत्री, पार्षद दीपा पाठक, निर्मला पांडे, पुष्पा रौतेला आदि मौजूद रहे।

काशीपुर के उत्तरायणी मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करतीं कलाकार।

गूलरभोज में धूमधाम से मना उत्तरायणी पर्व

संस्कार भारती गूलरभोज द्वारा आयोजित उत्तरायणी पर्व में सम्मानित बालिकाएं।

गूलरभोज, अमृत विचारः उत्तराखंड संस्कार भारती गूलरभोज द्वारा उत्तरायणी का पर्व धूमधाम के साथ रामलीला मैदान गूलरभोज में मनाया गया। इस अवसर पर समाजसेवी गोविंद लटवाल, एनसी शर्मा द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर शुभारंभ किया गया। बालिकाओं ने कुमाऊनी, गढ़वाली, पंजाबी, भोजपुरी, बांग्ला लोकगीतों का आयोजन विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर संस्कार भारती के अध्यक्ष इंद्र सिंह राठौड़, तरुण दुबे, गिरीश दुबे, विजेंद्र यादव, सुरेश धपोला, योगेश पानू, राम सिंह पानू, पवन डोगरा, अमित कुमार गुप्ता आदि मौजूद रहे।

युवक ने फांसी लगाकर दी जान

काशीपुरः उत्तर प्रदेश के पीलीभीत निवासी एक युवक ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करा दिया है।

मृतक की पहचान अभिषेक (35 वर्ष) निवासी कायस्थान नगर, वार्ड नंबर 2, पूरनपुर, पीलीभीत के रूप में हुई है। अभिषेक जसपुर खुर्द क्षेत्र में एक किराए का कमरा लेकर रहता था और स्थानीय होटल में पिज्जा बनाने का कार्य करता था। बीती रात करीब नौ बजे जब उसके साथ रहने वाले युवकों ने दरवाजा खटखटाया, तो दरवाजा नहीं खुला। जब खिड़की से देखा तो अभिषेक का शव कमरे के पंखे से लटका हुआ था। उन्होंने इसकी सूचना डायल 112 पर दी। घटना की सूचना मिलते ही आईटीआई थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया।

गन्ने की फसल लगाने का किया आह्वान

- ग्रीष्मकालीन धान नहीं लगाने की किसानों से की अपील

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचारः कृषि विभाग एवं गन्ना विकास विभाग की ओर से ग्रीष्मकालीन धान के स्थान पर किसानों से गन्ने की फसल लगाने का आह्वान किया गया।

बुधवार को ग्राम गुलड़िया में किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कृषि एवं भूमि संरक्षण अधिकारी कल्याण सिंह रावत द्वारा किया गया। इस दौरान एससीडीआई काशीपुर वीरेन्द्र कुमार चौधरी ने कहा कि गन्ना फसल की खेती करना किसान के लिए समय की जरूरत है। विभाग द्वारा किसानों को अनुदान पर कीटनाशक एवं गन्ना बीज उपलब्ध कराया जा रहा है। इस गेहूं की फसल के बाद गन्ने की खेती को प्रोत्साहित करने के लिए किसानों को गन्ने के पौधे उपलब्ध कराए जाएंगे।

सहायक कृषि अधिकारी अखिलेश चन्द्रा ने किसानों को विभागीय योजनाओं की जानकारी दी। गन्ना विकास निरीक्षक राकेश कुमार द्वारा गन्ना विकास विभाग एवं गन्ना आपूर्ति की योजनाओं की जानकारी दी गई। किसानों द्वारा बताया गया कि इस बार गन्ने का क्षेत्रफल बढ़ाएंगे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से गन्ना विकास निरीक्षक सांख्यिकी सुरेश सिंह, गन्ना विकास निरीक्षक वीरेंद्र कुमार मौर्य, प्रचार अधिकारी राजेश कुमार, सुमित कुमार, अनवर सैफी, कृष्ण कुमार, दीपक कुमार शर्मा, महेंद्र यादव, अनुज कुमार, शकीरा, फैजान, रिजवान, इमरान आदि मौजूद रहे।

काशीपुर में किसानों को जानकारी देते अधिकारी।

श्री साईं कॉलेज में वार्षिकोत्सव मना

जसपुरः महुआडाबरा के श्री साईं कॉलेज के वार्षिकोत्सव में बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर धमाल मचा दिया। वार्षिकोत्सव का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक आदेश चौहान, भाजपा जिलाध्यक्ष मनोज पाल, एससी आयोग अध्यक्ष मुकेश कुमार, खिलेंद्र चौधरी, डॉ.रवि सहोता, राहुल पेगिया एवं कॉलेज के चेयरमैन राजकुमार सिंह ने संयुक्त रूप से किया। कॉलेज के नर्सिंग, बी फार्मा, पॉलिटेक्निक एवं डिग्री के छात्र-छात्राओं एक से एक बढ़कर दमदार सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। यहां शिव तांडव, राजस्थानी, पहाड़ी, एवं ग्रुप डांस को लोगों ने खूब सराहा। इस दौरान जिला अध्यक्ष मनोज पाल ने कहा कि श्री साईं कालेज की ही देन है कि स्थानीय बच्चों को अब प्रोफेशनल कोर्स के लिए बाहर जाने की जरूरत नहीं है।

काशीपुर में सड़क पर टूटा पड़ा गार्डर। ● अमृत विचार

बीच रास्ते में पड़ा गार्डर बना राहगीरों के लिये खतरा

काशीपुर : भारी वाहनों की रोकथाम के लिए सड़क में लगा गार्डर क्षतिग्रस्त हालत में टूटा पड़ा हुआ है। टूटा हुआ गार्डर सड़क के इर्द-गिर्द आड़ा तिरछा पड़ा है। जिससे कोहरे में यह वाहन चालकों के लिए खतरा बना हुआ है। बताते चलें कि लगभग 11 माह पूर्व बनी यह सड़क द्रोणा सागर से होते हुए चैती मंदिर तक जाती है। इसी सड़क से मां बाल सुंदरी देवी का डोला निकलता है और इस मुख्य मार्ग का प्रयोग लोग चैती चौराहे जाने के लिए करते हैं। हर साल चैत्र नवरात्र में लगने वाले मेले पर यह लोगों को शहर जाने के जाने लिए और शहर से मेले में आने के लिए शॉर्टकट रास्ता माना जाता है। मेले में आने वाला माता बाल सुंदरी देवी का डोला भी इसी रास्ते निकलता है। बीचोंबीच पड़ा यह गार्डर हादसे को दावत दे रहा है। यही गार्डर कोहरे में किसी अनजान वाहन चालक के लिए घातक साबित हो सकता है।

विश्व शांति के अग्रदूत भारत में अशांति दुखद

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचारः नगर के श्री कृष्ण बलदेव मंदिर में आयोजित दो दिवसीय धर्म सम्मेलन में श्री हरि कृपा पीठाधीश्वर स्वामी श्री हरि चैतन्यपुरी जी महाराज ने श्रद्धालुओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारत सदैव विश्व शांति का अग्रदूत रहा है, किंतु वर्तमान में देश में अशांति का माहौल होना दुर्भाग्यपूर्ण और चिंता का विषय है। उन्होंने आह्वान किया कि समाज का हर व्यक्ति शांति का घटक बने और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखे।

महाराज ने कहा कि सुख और शांति केवल विचारों और संतों की शरण में है। यदि मनुष्य अपनी इंद्रियों पर नियंत्रण नहीं रखता और परमात्मा का स्मरण नहीं करता, तो वह कभी शांति प्राप्त नहीं कर सकता। उन्होंने सत्संग के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि जैसे खिड़की-दरवाजे बंद रहने पर सूरज की किरणें घर में प्रवेश नहीं कर पातीं, वैसे ही ज्ञान के बिना हम ईश्वर की कृपा के अधिकारी नहीं बन सकते।

प्रवचन करते संत चैतन्यपुरी महाराज।

आक्रोशित युवक ने ढाबे में की तोड़फोड़

सितारगंज : धमकाने और जान से मारने के आरोप में कोतवाली सितारगंज में केस दर्ज कराने से आक्रोशित दो युवकों ने ढाबे में घुसकर तोड़फोड़ कर दी। वहीं, मामले में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। गांव गौरीखेड़ा निवासी बूटा सिंह ने बताया कि बाईपास रोड, सितारगंज में उसका पंजाबी ढाबा है। जिसे वह अपने भाई सुरेंदर सिंह के साथ चलाता है। बताया कि 17 मई 2025 को उसने, उसी के गांव निवासी दो युवकों पर धमकाने और जान से मारने के आरोप में कोतवाली सितारगंज में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। आरोप लगाया कि इससे आक्रोशित दोनों युवकों ने 10 जनवरी 2026 को उसके ढाबे में घुसकर गाली-गलौज और तोड़फोड़ कर दी। जिसमें उसके स्टाफ रूम का शीशा टूट गया। जिससे उसे पचास हजार रुपये की क्षति हुई है। वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। मामले में पुलिस ने दोनों आरोपी युवकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।

गुरुद्वारा साहिब में कीर्तन करता भाई तनवीर सिंह का रागी जत्था। ● अमृत विचार

श्रद्धा के साथ मनाया माघ की संगराद का पर्व

बाजपुर : नगर व ग्रामीण क्षेत्रों के गुरुद्वारा साहिबों में बुधवार को माघ माह की संगराद (संक्रांति) का पर्व अत्यंत श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ मनाया गया। मुख्य समागम में संगत के सहयोग से विशेष दीवान सजाए गए, जहां कीर्तन और गुरुवाणी के माध्यम से श्रद्धालुओं को निहाल किया गया। कथावाचक ज्ञानी इकबाल सिंह ने संगत को संबोधित करते हुए कहा कि गुरु अर्जुन देव ने माघ माह में सत्संग, प्रभु की महिमा और सेवा को सबसे उत्तम दान बताया है। उन्होंने जोर दिया कि सच्चा स्नान वही है जो साधु-संगत की धूल में और प्रभु के नाम के सुमिरन के साथ किया जाए। हजूरी रागी भाई तनवीर सिंह के जत्थे ने "माघ मंजन संग साधूआ धूड़ी कर स्नान..." जैसे पवित्र शबद गायन कर वातावरण को आध्यात्मिक बना दिया। इसके अतिरिक्त, गुरुद्वारा साहिब नानकसर दोराहा में भी धार्मिक समागम का आयोजन हुआ, जहां ज्ञानी सुरजीत सिंह व अन्य प्रचारकों ने गुरुमत विचारों की सांझ डाली। सभी कार्यक्रमों के समापन पर गुरु का अटूट लंगर वितरित किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में सेवादार और क्षेत्र की संगत मौजूद रही।

रोष

कोसी नदी क्षेत्र में बैक कराहा व अन्य मशीनों से किए जा रहे खनन का विरोध

खनन के विरोध में ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचारः कोसी नदी क्षेत्र में बैक कराहा व अन्य मशीनों से किए जा रहे खनन के विरोध में ग्राम रतनपुरा सहित आसपास के ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने उपजिलाधिकारी बाजपुर को ज्ञापन सौंपकर मशीनों से हो रहे खनन पर रोक लगाने की मांग की।

बुधवार को कुछ ग्रामीण ग्राम प्रधान पति प्रदीप सागर के नेतृत्व में एकत्रित होकर एसडीएम कोर्ट पहुंचे और उपजिलाधिकारी डॉ. अमृता शर्मा से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। इस दौरान प्रदीप ने बताया कि सरकार की खनन नीति के अनुसार खनन कार्य मजदूरों द्वारा ट्रॉली-डंपरों में भरान कर किया जाना चाहिए, लेकिन इसके विपरीत कोसी नदी में बैक कराहा व भारी मशीनों से खनन किया जा रहा है। इससे न केवल सरकार की नीति की अनदेखी हो रही है, बल्कि स्थानीय मजदूरों के सामने रोजी-रोटी का संकट भी खड़ा हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि मशीनों से खनन जारी रहने पर नदी का जलस्तर लगातार नीचे जाएगा, जिससे भविष्य में पेयजल संकट उत्पन्न हो सकता है। इस मौके पर नरेंद्र कुमार, सन्नी, सोनू कुमार, संदीप कुमार, विक्रम, हरद्वारी, गुड्डू दिवाकर, महेंद्र सिंह, बिट्टू मेहता, ओमपाल, इंदरजीत, मंगत सिंह, राजू सिंह, देवेश आदि मौजूद रहे।

बाजपुर में एसडीएम डॉ .अमृता शर्मा को ज्ञापन सौंपते ग्रामीण। ● अमृत विचार

ई-रिक्शा पलटा किशोर की मौत

बाजपुरः बरहैनी-खुकरेंटा क्षेत्र में बुधवार सुबह हुए एक सड़क हादसे में एक किशोर की जान चली गई। ग्राम बरहैनी निवासी 17 वर्षीय रोहित पुत्र गुलाब सिंह, जो एक दुकान पर फर्नीचर का काम सीखता था, सुबह ई-रिक्शा से सामान लेकर खुकरेंटा की ओर जा रहा था।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, खीम सिंह दानू के घर के समीप चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया, जिससे ई-रिक्शा सड़क पर पलट गया। इस दुर्घटना में रोहित के सिर और मुंह पर गंभीर चोटें आईं। स्थानीय ग्रामीणों ने तत्काल उसे सरकारी अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और बड़ी संख्या में लोग अस्पताल एकत्र हो गए।

ट्रांसफार्मर चोरी करने वाले दो लोग गिरफ्तार

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचारः कुंडा थाना पुलिस ने ट्रांसफार्मर चोरी करने वाले दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से भारी मात्रा में तार, तेल आदि सामान बरामद हुआ है।

पुलिस के अनुसार मंगलवार को थाना कुंडा पुलिस टीम वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर कुदईयावाला क्षेत्र स्थित लिप्टिस के बाग के पास एक महिन्द्रा पिकअप वाहन को रोककर तलाशी ली गई तो उसमें से करीब 08 किलो ट्रांसफार्मर की तांबे की तार, 10 लीटर ट्रांसफार्मर तेल, एक ट्रांसफार्मर बुशिंग, 6500 रुपये नकद, अतिरिक्त कट्टे से 4.4 किलो तांबे की तार, एक लीटर तेल व एक बुशिंग बरामद हुई। पिकअप में सवार व्यक्तियों से पूछताछ करने पर दोनों ने अपना नाम रईस अहमद निवासी माल गोदाम रोड, थाना सुभाष नगर, जनपद बरेली, यूपी और मोहम्मद सोहेल निवासी गुना जवार, थाना बहेड़ी, जनपद बरेली, यूपी बताया। उन्होंने बताया कि दोनों 11000 केवी की चालू लाइन को काटकर ट्रांसफार्मर चोरी करते हैं। साथ ही बताया कि इससे पूर्व वह लोग जसपुर क्षेत्र में भी ट्रांसफार्मर चोरी की वारदात को अंजाम दे चुके हैं। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार करने के साथ ही चोरी की घटना में प्रयुक्त पिकअप वाहन भी कब्जे में ले लिया है।

शीत लहर से बढ़ीं लोगों की मुश्किलें

काशीपुरः तापमान में लगातार गिरावट, ठंडी पछुआ हवाएं और घना कोहरा लोगों की दिनचर्या पर भारी पड़ रहा है। सुबह और रात के समय सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहता है और लोग जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकल रहे हैं।

ठंड का असर सबसे ज्यादा बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों पर देखने को मिल रहा है। लोग अलाव, गर्म कपड़े और अन्य साधनों का सहारा लेकर किसी तरह इस सर्दी से खुद को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। पिछले कई दिनों से जारी शीतलहर के कारण बाजारों की रौनक फीकी पड़ गई है। सुबह के समय घने कोहरे के चलते दृश्यता काफी कम रहती है, जिससे वाहन चालकों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

उत्तरायणी मेलाः संस्कृति के साथ ही नवाचारों का भी मंच

उत्तरायणी मेले में हॉट एयर बैलून बना आकर्षण का केंद्र, मेले में रंगारंग कार्यक्रमों के साथ ही खेलों का भी हो रहा आयोजन

संवाददाता, बागेश्वर

अमृत विचारः प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में ऐतिहासिक व सांस्कृतिक नगरी बागेश्वर में आयोजित उत्तरायणी मेला हर दिन नए आयाम गढ़ रहा है। मेले को और अधिक आकर्षक, आधुनिक एवं यादगार बनाने के उद्देश्य से बुधवार को सरयू बगड़ में पहली बार हॉट एयर बैलून शो का भव्य आयोजन किया गया। नीले आसमान में तैरते रंग-बिरंगे हॉट एयर बैलून ने स्थानीय नागरिकों के साथ-साथ पर्यटकों का भी मन मोह लिया।

रोमांच का तड़का : बागेश्वर में उत्तरायणी मेले में हॉट एयर बैलून बना आकर्षण का केंद्र।

इस विशेष आयोजन का विधिवत शुभारंभ नगरपालिका अध्यक्ष सुरेश खेतवाल, मुख्य विकास अधिकारी आर.सी. तिवारी, भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री कुंदन परिहार तथा उपजिलाधिकारी प्रियंका रानी द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि उत्तरायणी मेला केवल एक व्यापारिक आयोजन नहीं, बल्कि हमारी समृद्ध लोक संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकता का प्रतीक है। हॉट एयर बैलून जैसे नवाचारी आयोजनों से पर्यटन को नई दिशा मिलेगी और बागेश्वर की पहचान राष्ट्रीय स्तर पर और सशक्त होगी।

मेले को भव्य स्वरूप देने के लिए नगर पालिका एवं जिला प्रशासन द्वारा खेलकूद और सांस्कृतिक गतिविधियों की श्रृंखला आयोजित की जा रही है। नुमाईश खेत मैदान में जहां स्टार नाइट कार्यक्रमों के माध्यम से प्रसिद्ध गायक दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर रहे हैं, वहीं वॉलीबॉल प्रतियोगिता, गोला क्षेपण, आर्म रेसलिंग, पारंपरिक दंगल, कला एवं संस्कृति से जुड़े कार्यक्रम, अल्पना (ऐपण) व मेहंदी प्रतियोगिताएं तथा स्थानीय स्वाद को प्रोत्साहित करने हेतु कुमाऊनी व्यंजन प्रतियोगिता लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। हॉट एयर बैलून शो को देखने के लिए प्रातःकाल से ही सरयू बगड़ में भारी भीड़ उमड़ पड़ी। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में इस आयोजन को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। आमजन का मानना है कि इस तरह के आधुनिक और रोमांचक प्रयोग उत्तरायणी मेले को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के साथ-साथ बागेश्वर को पर्यटन मानचित्र पर एक विशिष्ट पहचान दिलाएंगे।

परंपरा, विचार व जनसंवाद का मंच

संवाददाता, बागेश्वर

अमृत विचारः स्वतंत्रता पूर्व काल से चली आ रही उत्तरायणी मेले की एक विशिष्ट पहचान यह भी रही है कि यह मेला समय-समय पर जनसंवाद और विचार अभिव्यक्ति का मंच बनता रहा है।

इसी परं परा के क्रम में ऐतिहासिक उत्तरायणी मेले के दूसरे दिन सरयू बगड़ में विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा पंडालों के माध्यम से विचार अभिव्यक्ति कार्यक्रम आयोजित किए गए। भारतीय जनता पार्टी, कांग्रेस, उत्तराखंड क्रांति दल (यूकेडी) एवं संघर्ष वाहिनी सहित विभिन्न दलों ने मेले के इस साझा परिवेश में जनता से संवाद स्थापित किया। पंडालों में सामाजिक, राजनीतिक एवं जनहित से जुड़े विषयों पर वक्ताओं द्वारा विचार रखे गए। क्षेत्रीय विकास, जनसमस्याओं तथा राज्यहित से संबंधित विषयों पर चर्चा हुई। मेले में पहुंचे नागरिकों ने विभिन्न पंडालों में जाकर वक्ताओं को सुना और इस बहुविचारात्मक संवाद में सहभागिता की। विचार कार्यक्रमों के दौरान कांग्रेस के पंडाल से पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, गणेश गोदियाल, करण माहरा सहित अन्य नेताओं ने संबोधित किया। वहीं, भारतीय

भाजपा के पंडाल में मौजूद सांसद अजय टम्टा, कपकोट विधायक सुरेश गड़िया व अन्य।

कांग्रेस के पंडाल में पूर्व सीएम हरीश रावत, गणेश गोदियाल, गोविंद सिंह कुंजवाल व अन्य।

जनता पार्टी के पंडाल से सांसद अजय टम्टा, कपकोट विधायक सुरेश गड़िया, दर्जा प्राप्त मंत्री शिव सिंह विष्ट, भूपेश उपाध्याय सहित अन्य वक्ताओं ने विचार साझा किए। नगर पालिका अध्यक्ष सुरेश खेतवाल ने बताया कि, वर्षों से चली आ रही इस परंपरा के तहत विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक विचारों को रखने की प्रक्रिया निरंतर बनी रही है, जो उत्तरायणी मेले के ऐतिहासिक, सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व को और अधिक व्यापक स्वरूप प्रदान करती है। इस अवसर पर विभिन्न दलों द्वारा इच्छुक नागरिकों को संगठनात्मक गतिविधियों से भी जोड़ा गया। राजनीतिक संवाद के साथ-साथ मेला क्षेत्र में सांस्कृतिक एवं पारंपरिक आयोजनों की निरंतरता बनी रही, जिससे उत्तरायणी मेले का स्वरूप संतुलित, समावेशी और जीवंत बना रहा।

घुघुते बनाकर उल्लास से मनाया मकर संक्रांति पर्व

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचारः जिले भर में बुधवार को मकर संक्रांति पर्व धूम-धाम से मनाया गया। लोगों की ओर से घरों में पकवान के रूप में घुघुते बनाए गए। वहीं, मंदिरों में भी श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा।

बुधवार को मकर संक्रांति पर्व के मौके पर लोगों ने सुबह ध्यान स्नान कर पूजा-अर्चना की। भगवान सूर्य के उत्तरायण होने पर आराधना की। भगवान सूर्य से समृद्धि, अच्छे स्वास्थ्य, सुख-शांति आदि की कामना की। घरों में विभिन्न पकवान भी बनाए। साथ ही घुघुते भी बनाए और उन्हें पिरोकर माला का निर्माण किया। इसको लेकर बच्चों में काफी उत्साह रहा। आज यानी गुरुवार को बच्चों की ओर से कौओं को बुलाया जाएगा और उन्हें घुघुते खिलाए जाएंगे। वहीं, त्यौहार पर सुबह से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा।

बच्चों ने लिया आशीर्वाद

विकासखंड चौखुटिया क्षेत्र में मकर संक्रांति पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। परंपरानुसार सुबह बच्चों ने गांव में घूम कर गुड़ मांगा और बड़ों का आशीर्वाद प्राप्त किया। साथ ही आटे और गुड़ से घुघुते तैयार किए गए और उन्हें तला गया। आज यानी गुरुवार सुबह देवताओं को चढ़ाने और कौओं को देने के बाद इनका आपस में वितरण किया जाएगा।

मकर संक्रांति पर 25 यज्ञोपवीत, 26 कर्णवेध

मकर संक्राति पर्व पर अल्मोड़ा, चितई दोनों स्थानों में 25 यज्ञोपवीत, 26 कर्णवेध, 2 मुंडन समेत कई संस्कार हुए। गायत्री प्रज्ञा पीठ, गायत्री साधना केंद्र में संस्कार कराने वालों की भीड़ लगी रही।

नंदा देवी, जागेश्वर, कटारमल, कसारदेवी, पाताल देवी, चितई में श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना की।

अल्मोड़ा में बुधवार को चितई मंदिर में उपनयन संस्कार कराते बटुक। ● अमृत विचार

कलश यात्रा के साथ मेले का शुभारंभ

- महिलाओं ने नगर में भव्य कलश यात्रा निकाली
- कुमाऊंनी संस्कृति के संरक्षण व संवर्धन पर दिया जोर

संवाददाता, टनकपुर

अमृत विचार : हरेला क्लब की ओर से दो दिवसीय उत्तरायणी मेले का रंगारंग आगाज हो गया है। सुबह महिलाओं ने परंपरागत रंग्याली पिछौड़ी पहनकर शारदा नदी से जल लेकर नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुए कलश यात्रा निकाली।

कलश यात्रा के आगे-आगे स्कूली बच्चे छोलिया नृत्य कर चल रहे थे। कलश यात्रा के गांधी मैदान में पहुंचने पर मुख्य अतिथि एबीसी अल्मा मेटर के प्रबंधक डॉ. मदन सिंह महर ने फीता काटकर मेले का विधिवत शुभारंभ किया। उन्होंने हरेला क्लब के प्रसासों की सराहना करते हुए कहा कि कुमाऊंनी संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन में क्लब की भूमिका उल्लेखनीय रही है। इस मौके पर मां सस्वती की पूजा अर्चना की गई। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता धर्मानंद पांडेय व संचालन डा. जेबी चन्द एवं एडवोकेट धर्मेंद्र चन्द ने किया। इस मौके पर क्लब के अध्यक्ष अजय गुरुरानी, देवी दत्त भट्ट, दीनदयाल धामी, अनिल गड़कोटी, किशोर खर्कवाल, प्रदीप, भुवन जोशी, अमित जोशी, हेमा वर्मा, रीता कलखुड़िया, विद्या जुकरिया आदि मौजूद रहे। देर शाम खनका सांस्कृतिक मंच के कलाकारों ने कुमाऊनी गायन की प्रस्तुति दी गई।

टनकपुर में बुधवार को उत्तरायणी मेले का शुभारंभ करते अतिथि।

स्थानांतरण प्रक्रिया को बहाल करे सरकार

अल्मोड़ा, अमृत विचारः उत्तरांचल पर्वतीय कर्मचारी शिक्षक संगठन की बुधवार को बैठक हुई। बैठक में गोल्डन कार्ड विसंगति, स्थानांतरण नीति विसंगति समेत तमाम समस्याओं पर चर्चा हुई। वहीं, सरकार से समस्याओं के निराकरण की मांग उठाई।

बैठक में गोल्डन कार्ड में चिकित्सा प्रतिपूर्ति का भुगतान समय से करने की मांग की गई। साथ ही कर्मचारियों व शिक्षकों के स्थानांतरण, सुगम दुर्गम कोटिकरण समय से पोर्टल पर दर्ज करने, पुरानी पेंशन बहाल करने आदि मांग की। बैठक में अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार जोशी, सचिव धीरेंद्र कुमार पाठक, संरक्षक महेंद्र सिंह गुसाईं, अध्यक्ष डिप्लोमा फार्मेसी संगठन डीके जोशी, पीएस बोरा रहे।

अल्मोड़ा में डॉक्टरों और कर्मचारियों का प्रदर्शन

- अस्पताल में तैनात कर्मचारी के साथ मारपीट का आरोप

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचारः जिला अस्पताल में कार्यरत कर्मचारियों के साथ हुई मारपीट मामले बुधवार को डॉक्टरों और कर्मचारियों ने काला फीता बांध सांकेतिक प्रदर्शन किया। मामले में कर्मचारियों ने मुकदमे के बाद अब तक मारपीट के आरोपी व्यक्ति पर कार्रवाई नहीं होने पर नाराजगी जताई। चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो समस्त कर्मचारी उग्र आंदोलन को बाध्य होंगे। वहीं, मामले को लेकर डीएम को ज्ञापन भेजा।

ज्ञापन में कहा कि बीते आठ जनवरी को नरेंद्र सिंह बिष्ट, निवासी मटेला कोसी ने जिला अस्पताल में अपने साथियों के साथ मिलकर पंजीकरण व शुल्क कक्ष में कर्मचारियों के साथ हाथापाई व गालीगलौज की गई। वहीं, बगैर अनुमति अल्ट्रासाउंड कक्ष में जाकर वीडियोग्राफी की गई। सोशल मिडिया पर भी अनर्गल पोस्ट कर अस्पताल की छवी धूमिल की जा रही है। कहा कि व्यक्ति के खिलाफ कोतवाली में मुकदमा भी दर्ज कराया गया है, लेकिन अब तक कार्रवाई नहीं की गई है। जिससे डॉक्टरों और कर्मचारियों में भारी रोष व्याप्त है। चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो जिला अस्पताल के समस्त डॉक्टर और कर्मचारी कार्य बहिष्कार पर चले जाएगें। यहां प्रदर्शन करने वालों में डॉ. अक्षत, डॉ. हरीश आर्या, डॉ. जीवन मपवाल, ईश्वर चौधरी, रोहित, रेखा, कमला, भगवती, अमन, राजू लटवाल, पूरन सतवाल, शंकर, किरन, प्रेम सिंह आदि मौजूद रहे।

अल्मोड़ा में प्रदर्शन करते जिला अस्पताल के डॉक्टर व कर्मचारी। ● अमृत विचार

नगर पंचायत प्रांगण में प्रदर्शन करते पर्यावरण मित्र। ● अमृत विचार

मांगों को लेकर पर्यावरण मित्रों ने शुरू किया कार्य बहिष्कार

बनबसा : बुधवार को देवभूमि उत्तराखंड सफाई कर्मचारी संघ, शाखा नगर पंचायत बनबसा के बैनर तले पर्यावरण मित्रों ने 13 सूत्रीय मांगों को लेकर सांकेतिक धरना देकर अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार शुरू कर दिया है। इस दौरान पर्यावरण मित्रों ने नगर पंचायत प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। अध्यक्ष प्रमोद रत्नाकर ने बताया की पर्यावरण मित्रों की 13 सूत्रीय मांगें लंबे समय से लंबित है। पूर्व में प्रशासन द्वारा आश्वासन दिया गया था। लेकिन आज तक किसी भी मांग का समाधान नहीं किया गया। इसी उपेक्षा के विरोध में यह आंदोलन प्रारंभ किया गया है। कारी बहिष्कार करने वालों में अध्यक्ष प्रमोद रत्नाकर, महामंत्री महेंद्र पाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजन कुमार, उपाध्यक्ष अभिषेक, संगठन मंत्री अरुण वाल्मीकि, कोषाध्यक्ष राजा वाल्मीकि, मीडिया प्रभारी निखिल, संरक्षक राजपाल, नंदलाल, विजयपाल, सचिन, सानू, सोनू, मिथिलेश, लक्ष्मी, नीलम, रजनी, कमलेश रहे।

डीएम ने पूर्णागिरि मेले की तैयारियों का जायजा लिया

संवाददाता, टनकपुर

अमृत विचारः देश के सुप्रसिद्ध मां पूर्णागिरि धाम मेले की तैयारियों के को लेकर जिलाधिकारी मनीष कुमार ने पूर्णागिरि मंदिर परिसर एवं मेला क्षेत्र का विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विभिन्न व्यवस्थाओं की समीक्षा भी की।

जिलाधिकारी ने मेला क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति, स्वच्छता व्यवस्था, चिकित्सा सुविधाएं, आपदा प्रबंधन तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। विद्युत विभाग को निर्देशित किया गया कि मेला क्षेत्र में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए तथा आकस्मिक परिस्थितियों के लिए बैकअप व्यवस्था भी उपलब्ध रखी जाए। वहीं स्वच्छता व्यवस्था को लेकर जिला पंचायत, नगर पालिका एवं संबंधित विभागों को विशेष स्वच्छता अभियान चलाने और कचरा प्रबंधन की ठोस योजना तैयार करने के निर्देश दिए गए।

पूर्णागिरि मेला क्षेत्र का निरीक्षण करते डीएम मनीष कुमार। ● अमृत विचार

चिकित्सा सुविधाओं के संबंध में स्वास्थ्य विभाग को मेला क्षेत्र में मेडिकल कैंप स्थापित करने, पर्याप्त दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा एम्बुलेंस सेवाओं को सुदृढ़ रखने के निर्देश दिए गए। आपदा प्रबंधन की दृष्टि से एसडीआरएफ एवं अन्य संबंधित एजेंसियों को अलर्ट मोड में रखने तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूर्व तैयारी करने पर बल दिया गया। उन्होंने कहा कि पूर्णागिरि मेला उत्तराखंड की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसमें हर वर्ष लाखों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में सभी विभागों को आपसी समन्वय से कार्य करते हुए समयबद्ध रूप से सभी व्यवस्थाएं पूर्ण करनी होंगी, ताकि मेला सुगम, स्वच्छ एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न हो सके। इस अवसर पर एडीएम कृष्णनाथ गोस्वामी, एसडीएम आकाश जोशी, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग, जल संस्थान, जल निगम, शारदा कॉरिडोर सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

सल्ट में 22 किलो गांजे के साथ दो गिरफ्तार

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचारः ड्रग्स फ्री देवभूमि मिशन के तहत पुलिस का जिलेभर में चेकिंग अभियान जारी है। चेकिंग के दौरान सल्ट पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने दो अलग-अलग मामलों में दो युवको को गांजे के साथ दबोचा लिया। आरोपियों के कब्जे से कुल 22 किलो गांजा बरामद की। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

पुलिस से मिली जानकारी अनुसार सल्ट पुलिस और एसओजी की टीम ने क्षेत्र के कूपी बैड तिराहे के पास चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान एक व्यक्ति के संदिग्ध प्रतीत होने पर उसे रोका गया। तलाशी लेने पर आरोपी सोनू सिंह पुत्र प्रेमपाल सिंह, निवासी ग्राम उदयपुर नरौली थाना हजरत नगर गढी जनपद मुरादाबाद यूपी के कब्जे से 10.455 किलो गांजा बरामद हुई। वहीं, दूसरे मामले में पुलिस ने बाइक संख्या यूपी 21-बीएस-0831 पर सवार आरोपी अली पुत्र मोहम्मद यामीन, निवासी ग्राम सिरस खेडा थाना मुडांपाण्डे मुरादाबाद यूपी के कब्जे से 11.575 किलो गांजा बरामद हुई। पुलिस ने दोनों युवकों को गिरफ्तार किया। टीम में थानाध्यक्ष कश्मीर सिंह, अपर उप निरीक्षक दीवान सिंह, हेड कांस्टेबल चन्द्रपाल, हेमंत मनराल रहे।

आयोजन | जिलाधिकारी मनीष कुमार ने ग्राम सभा चंदनी के हेलागोठ में लगाई रात्रि चौपाल

चौपाल लगाकर सुनीं ग्रामीणों की समस्याएं

संवाददाता, बनबसा

अमृत विचार : जिलाधिकारी मनीष कुमार ने ग्राम सभा चंदनी के हेलागोठ में रात्रि चौपाल लगाकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं, उन्होंने समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश दिए।

जनपद के समग्र विकास एवं ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से जिलाधिकारी मनीष कुमार द्वारा ग्राम पंचायत चंदनी के राजस्व ग्राम हेलागोठ में रात्रि चौपाल का आयोजन किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी ने ग्रामीणों के साथ बैठकर उनकी समस्याएं सुनीं तथा मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। रात्रि चौपाल के दौरान ग्रामीणों ने गांव में गौशाला, शौचालय, आंगनबाड़ी केंद्र, सड़क, बिजली एवं प्रकाश व्यवस्था से संबंधित समस्याओं से जिलाधिकारी को अवगत कराया। जिलाधिकारी ने खंड विकास अधिकारी, चम्पावत को निर्देशित किया कि पात्र ग्रामीणों के लिए शौचालय, गौशाला आदि की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

चौपाल लगाकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनते जिलाधिकारी मनीष कुमार।

ग्रामीणों ने गांव में प्रकाश व्यवस्था की मांग की। जिलाधिकारी ने एसडीओ विद्युत विभाग को कार्यवाही के निर्देश दिए। साथ ही ग्रामीणों ने हुड्डी नदी से हो रहे भू-कटाव की समस्या को भी जिलाधिकारी के समक्ष रखा। इस पर जिलाधिकारी ने सिंचाई विभाग को भू-कटाव रोकने हेतु वायर क्रेट निर्माण कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने गांव में सोलर लाइट लगाने, ओपन जिम स्थापित करने तथा अन्य मूलभूत सुविधाएं विकसित करने के निर्देश दिए, ताकि बच्चों, युवाओं एवं ग्रामीणों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें और गांव का समग्र विकास सुनिश्चित हो सके। यशोदा देवी द्वारा स्थायी निवास के लिए दिए गए आवेदन पर जिलाधिकारी ने एसडीएम को शीघ्र कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इस दौरान विधायक प्रतिनिधि दीपक रजवार, जिला पंचायत सदस्य सरोज चंद, ग्राम प्रधान प्रमिला ज्याला, एसडीएम आकाश जोशी, बीडीओ अशोक अधिकारी, ईई लोनिवि एमसी पलड़िया रहे।

देघाट में ज्वैलरी चोरी के आरोपी को पुलिस ने दबोचा

अल्मोड़ा : देघाट क्षेत्र में एक घर से हुई चोरी मामले का पुलिस ने खुलासा कर आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की गई ज्वेलरी भी बरामद कर ली है। पुलिस के अनुसार रेनू तिवारी, निवासी गंगानगर देघाट ने थाने में तहरीर सौंपकर कहा था कि बीते साल अक्टूबर में मजराबक्स बाजपुर, ऊधमसिंह नगर निवासी रामू ठाकुर उनके पास आया। बोला कि वह मजदूरी करता है। महिला से दो टाइम का खाना खिलाने की गुहार लगाई, बदले में रुपये देने की बात कही थी। तीन माह तक आरोपी को खाना खिलाती रही। शक होने पर महिला ने अलमारी चेक की तो अंदर रखी पौंची, अंगूठी, कान के झुमके, मांगटीका गायब मिले। जिसके बाद महिला ने आरोपी के खिलाफ पुलिस में तहरीर सौंपी। इधर, पुलिस ने चोरी के आरोपी को देघाट से गिरफ्तार कर चोरी की गई ज्वैलरी भी बरामद कर लिया गया है। यहां टीम में थानाध्यक्ष अजेंद्र प्रसाद, एसआई गंगाराम सिंह गोला रहे।

एसएसबी में मना लोहड़ी का त्यौहार

सवाददाता, रानीखेत

अमृत विचार : सशस्त्र सीमा बल सीमांत मुख्यालय रानीखेत में लोहड़ी का पावन पर्व बड़े ही हर्षोल्लास और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया। कड़ाके की ठंड के बीच सीमांत रानीखेत के सभी अधिकारियों, अधीनस्थ अधिकारियों एवं जवानों व उनके परिवारों ने एकजुट हो कर अग्नि प्रज्वलित की और क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की।

कार्यक्रम का शुभारंभ दुर्गा बहादुर सोनार, उपमहानिक्षाक द्वारा अग्नि प्रज्वलित कर किया गया । उपस्थित जनसमूह ने पवित्र अग्नि की परिक्रमा की और उसमें तिल, गुड़, रेवड़ी और मूंगफली अर्पित कर क्षेत्र की खुशहाली और बेहतर फसल की कामना की।कार्यक्रम में पंजाबी लोक संस्कृति और कुमाऊंनी भाईचारे का अनूठा संगम देखने को मिला। जवानों ने भांगड़ा प्रस्तुत किया, वहीं पारंपरिक गीतों ने माहौल को उत्सवमय बना दिया। इस दौरान 'सुंदर मुंदरिये' के गीतों से पूरा वातावरण गूंज उठा। इस अवसर पर उपमहानिरीक्षक दुर्गा बहादुर सोनार, देबासिस पाल (कमांडेंट), कुमार सुंदरम (द्वितीय कमान अधिकारी), अनिल कुमार जोशी (उप कमांडेंट), प्रभाकर (उप कमांडेंट) आदि उपस्थित रहे।

रानीखेत में सशस्त्र सीमा बल मुख्यालय में लोहड़ी का त्यौहार मनाते जवान व अधिकारी।

अपने आचरण से प्रस्तुत किया उपदेश ही सार्थक और प्रभावी होता है, अपने वाणी से किया गया नहीं।
–पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

बेअसर रहेगा टैरिफ

डोनाल्ड ट्रंप के नए एलान और ईरान को लेकर अमेरिकी सख्त रुख ने भारत के सामने एक बार फिर वही रणनीतिक स्वायत्तता बनाम वैश्विक दबाव वाली चुनौती खड़ी कर दी है। सच तो यह है कि अमेरिका इस रास्ते भारत पर केवल आर्थिक नहीं, बल्कि राजनीतिक-रणनीतिक दबाव भी बढ़ाना चाहता है। 75 प्रतिशत टैरिफ की बात सैद्धांतिक आकलन अधिक है, न कि कोई घोषित व्यावहारिक यथार्थ, क्योंकि भारत-ईरान व्यापार का मौजूदा आकार इतना सीमित है कि उसका समग्र भारतीय अर्थव्यवस्था पर सीधा असर बहुत बड़ा नहीं दिखता। 2018-19 में जहां यह व्यापार 17 अरब डॉलर था, वहीं अब घटकर लगभग 1.68 अरब डॉलर रह गया है। ईरान भारत के व्यापारिक साझेदारों में 63 वें स्थान पर है। अमेरिकी टैरिफ और दबाव का प्रभाव भारत से अधिक चीन, ब्राजील या तुर्किए जैसे देशों पर पड़ सकता है, जिनके ईरान से ऊर्जा और अन्य व्यापारिक संबंध हमसे कहीं गहरे हैं। अलग तथ्य है कि अमेरिकी टैरिफ, सेकेंडरी सैंक्शन्स और वित्तीय प्रतिबंध मिलकर व्यापार को महंगा और जटिल जरूर बनाते हैं। यह सच है कि अमेरिकी संकेतों के बाद रूस से कच्चे तेल के आयात में भारत की हालिया कटौती गौरतलब जरूर है, पर ईरान से अमेरिकी दबाव में व्यापार पूरी तरह बंद नहीं होगा।

भारत पहले से ही अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण सीधे व्यापार के बजाय तीसरे देशों, वैकल्पिक भुगतान प्रणालियों और सीमित वस्तु-आधारित लेन-देन का रास्ता अपना रहा है। भारत ने पूरी तरह नए हालात के अनुरूप अपने रास्ते खोज लिए हैं, इसलिए अमेरिकी टैरिफ अटैक का प्रभाव सीमित रहेगा। हालांकि असर "सीमित" होने का अर्थ "शून्य" नहीं होता। ईरान से आयात होने वाले एसाइक्लिक अल्कोहल डेरिवेटिव्स, पेट्रोलियम गैस, पेट्रोलियम कोक, रसायन, सूखी खजूरें और अन्य वस्तुएं नई व्यवस्था में कुछ महंगी हो सकती हैं। इसका बोझ अंततः भारतीय उद्योग और उपभोक्ता पर आ सकता है, भले ही वह क्रमिक और आंशिक हो। रणनीतिक स्तर पर असली सवाल चाबहार बंदरगाह का है। 2024 में 10 साल के अनुबंध के साथ भारत ने चाबहार में बड़ा निवेश किया है। यह परियोजना केवल व्यापारिक नहीं, बल्कि मध्य एशिया और अफगानिस्तान तक भारत की पहुंच का द्वार है। ईरान में राजनीतिक-आर्थिक अस्थिरता और ट्रंप की टैरिफ नीति इसके संचालन को धीमा कर सकती है, लेकिन पूरी तरह रोक पाना आसान नहीं होगा, क्योंकि इसमें भारत के दीर्घकालिक हित जुड़े हैं। यह तो तय है कि भारत अमेरिकी दबाव के आगे आक्रामक रुख कतई नहीं अपनाएगा। मौजूदा संकेत बताते हैं कि भारत "टकराव" के बजाय "संतुलन" की नीति पर चलेगा। भारत-अमेरिका रिश्ते आज आर्थिक, तकनीकी और सुरक्षा स्तर पर गहरे हैं, लेकिन भारत की विदेश नीति की परंपरा यह रही है कि वह किसी एक ध्रुव के सामने पूरी तरह न झुके। भविष्य में पश्चिम एशिया, अफ्रीका और दक्षिण-पूर्व एशिया में बढ़ते बाजार, और प्रस्तावित एफटीए, भारत की किसी एक देश पर निर्भरता को काफी कम कर सकते हैं। ईरान के साथ ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक रिश्तों को देखते हुए भारत को बिना अनावश्यक उकसावे या आत्मसमर्पण के संवाद और सहयोग के दरवाजे खुले रखने चाहिए, यही हमारे लिए सबसे व्यावहारिक और सशक्त रास्ता है।

प्रसंगवश

न्याय व्यवस्था में जमानत और गरीबी का सवाल

राजस्थान हाईकोर्ट ने हाल में उम्रकैद की सजा भुगत रहे एक कैदी खरताराम की चिट्ठी को ही याचिका मानकर सुनाए गए फैसले में कहा है कि गरीबी कोई अपराध नहीं है और न ही यह किसी व्यक्ति को उसके अधिकारों से वंचित करने का आधार बन सकती है। यह टिप्पणी केवल एक व्यक्ति को राहत देने तक सीमित नहीं है, बल्कि भारतीय न्याय व्यवस्था में लंबे समय से मौजूद एक गंभीर असमानता को रेखांकित करती है। पाली जिले का निवासी खरताराम हत्या के एक मामले में वर्ष 2014 से सजा काट रहा है। जिला पैरोल कमेटी ने 29 सितंबर 2025 को उसे चौथी बार 40 दिन की नियमित पैरोल पर रिहा करने का आदेश दिया, लेकिन इसके साथ 25-25 हजार रुपये के दो जमानती पेश करने की शर्त भी जोड़ दी गई। आर्थिक रूप से बेहद कमजोर होने के कारण खरताराम इस शर्त को पूरा नहीं कर सका। खरताराम के पास वकील करने तक के पैसे नहीं थे, इसलिए उसने जेल से ही पोस्टकार्ड भेजकर हाईकोर्ट से गुहार लगाई। हाईकोर्ट ने न केवल उसकी याचिका सुनी, बल्कि इस फैसले को ऐसे मामलों में एक नजीर के रूप में स्थापित कर दिया। अदालत ने साफ शब्दों में कहा कि पैरोल या जमानत की शर्तें तय करते समय अधिकारियों को मशीनी रवैया छोड़कर मानवीय और संवैधानिक दृष्टिकोण अपनाना होगा। यह टिप्पणी इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि अक्सर जमानत और पैरोल की शर्तें एक तयशुदा ढांचे के तहत लगा दी जाती हैं, बिना यह देखे कि संबंधित व्यक्ति उन्हें पूरा करने की स्थिति में है या नहीं। यह फैसला केवल एक कैदी को राहत देने का मामला नहीं है, बल्कि यह उस व्यापक समस्या की ओर इशारा करता है, जिसमें देश के हजारों गरीब कैदी फंसे हुए हैं।

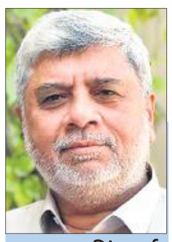

अमरपाल सिंह वर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

सवाल सिर्फ पैरोल या जमानत का नहीं, बल्कि उस पूरे तंत्र का है, जहां जमानत, पैरोल और अर्थदंड जैसे कानूनी प्रावधान गरीब व्यक्ति के लिए राहत की जगह नई सजा बन जाते हैं। देश की जेलों में आज भी बड़ी संख्या में ऐसे कैदी बंद हैं, जिन्हें अदालतें जमानत या पैरोल दे चुकी हैं, लेकिन पैसे के अभाव में वे अब भी सलाखों के पीछे हैं। इस समस्या की गंभीरता का अंदाजा इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि 26 नवंबर 2022 को संविधान दिवस के अवसर पर स्वयं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को कहना पड़ा था कि देश की जेलों में हजारों ऐसे कैदी बंद हैं, जिनके पास जमानत पर रिहाई का कोर्ट आदेश तो है, लेकिन जमानत राशि चुकाने के लिए पैसे नहीं हैं। राष्ट्रपति की इस टिप्पणी के दो दिन बाद ही सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए केंद्र और राज्यों से रिपोर्ट तलब की। इसके बाद फरवरी 2023 में सर्वोच्च अदालत ने इस मुद्दे पर सात महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए। अदालत की मंशा स्पष्ट थी कि जमानत आदेश की सार्थकता तभी है, जब वह वास्तव में किसी व्यक्ति को जेल से बाहर ला सके। सुप्रीम कोर्ट के समक्ष पेश एक रिपोर्ट में सामने आया कि जनवरी 2023 तक 5,380 ऐसे कैदी थे, जिन्हें जमानत मिल चुकी थी, लेकिन वे अब भी जेल में बंद थे और इसका एकमात्र कारण आर्थिक कमजोरी था। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने ट्रायल अदालतों को निर्देश दिए कि जमानत की शर्तें तय करते समय कैदियों की आर्थिक स्थिति पर भी गंभीरता से विचार किया जाए। अदालत ने कहा कि अगर जमानत की शर्तें कैदी की हैसियत से परे हैं, तो ऐसी जमानत का कोई अर्थ नहीं रह जाता। राजस्थान हाईकोर्ट का यह फैसला इसी संवैधानिक सोच की अगली कड़ी है। हाईकोर्ट ने उस प्रवृत्ति पर नाराजगी जताई, जिसमें हर मामले में एक जैसी जमानत शर्तें थोप दी जाती हैं। यह फैसला इस बात का संकेत है कि अब अदालतें केवल आदेश देने तक सीमित नहीं रहना चाहतीं, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन पर भी जोर देना चाहती हैं। समाधान स्पष्ट हैं, आवश्यकता केवल इच्छाशक्ति और संवेदनशील प्रशासनिक दृष्टिकोण की है।

शीत का सूखापन दे रहा भविष्य के रूखेपन का संदेश

अमित शर्मा
हल्द्वानी

देवभूमि की प्रकृति का अनुपम सौंदर्य और बरबस अपनी ओर खींचते उत्तराखंड के जंगलों को बचाए रखने के लिए हर दिन बदलता मौसम हमें फिर चेता रहा है, क्योंकि उत्तराखंड का मौसम इस समय बेहद खतरनाक दौर से गुजर रहा है। मौसम का यह अनोखा बदलाव इस हिमालयी राज्य के भविष्य के लिए बेहद चिंताजनक भी है और शीत का यह सूखापन भविष्य के रूखेपन का स्पष्ट संदेश भी है।

शीतकाल आधा निकल गया और हिमालय क्षेत्रों के अधिकतर जिले बारिश की बूंदों के लिए बादलों की ओर टकटकी लगाए हैं, जबकि मौसम के जानकारों के मुताबिक अब तक पर्वतीय जिलों में आदर्श बर्फबारी और मैदानी क्षेत्रों में कम से कम एक बार अच्छी बारिश हो जानी चाहिए थी, मगर ऐसा नहीं हो पाया। जनवरी मध्य तक सूखा रहना राज्य के जल जीवन और जंगल के लिए अच्छे संकेत नहीं हैं, जो बेहद चिंता का विषय है। उत्तराखंड के मौसम में कितना बदलाव आया है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पिछले करीब पांच वर्षों में बारिश में 10 से 89 प्रतिशत तक की कमी दर्ज की गई है। बरसात के साथ ही इस हिमालयी राज्य में बर्फबारी का पैटर्न भी बदला है। उच्च पर्वतीय क्षेत्रों को छोड़ दें, तो कभी 4-5 फीट तक बर्फ में दबे रहने वाले क्षेत्रों में अब इंच या एक फीट तक ही हिमपात होता है। मौसम में इस बदलाव का फर्क तापमान पर भी पड़ा है। पर्यटन नगरी नैनीताल की ही बात करें, तो शाम ढलने के बाद भी न्यूनतम तापमान 8-9 डिग्री सेल्सियम तक बना रहा है।

> शीतकाल आधा निकल गया और हिमालय क्षेत्रों के अधिकतर जिले बारिश की बूंदों के लिए बादलों की ओर टकटकी लगाए हैं, जबकि मौसम के जानकारों के मुताबिक अब तक पर्वतीय जिलों में आदर्श बर्फबारी और मैदानी क्षेत्रों में कम से कम एक बार अच्छी बारिश हो जानी चाहिए थी।

यह अजीब ही है कि सरोवर नगरी नैनीताल और अन्य पर्वतीय जिले भी अक्टूबर से अभी तक सूखे की जबरदस्त चपेट में है। अब मौसम विभाग ने आज-कल में विकसित हो रहे पश्चिमी विक्षोभ से वर्षा और हिमपात की संभावना जाहिर की है। यह विक्षोभ प्रभावशाली रहा तो चार माह के सूखे के टोटे पर विराम लग पाएगा। दरअसल इस वर्ष पश्चिमी विक्षोभों का उठना अक्टूबर के पहले सप्ताह से शुरू हो गया था। पहला विक्षोभ प्रभावशाली रहा था और प्रदेश की ऊंची पहाड़ियों पर पहला हिमपात हुआ था। उसके बाद विक्षोभ तो कई आए, लेकिन राज्य में उनका खास प्रभाव नहीं रहा और हिमालय की उच्च चोटियों में हल्के हिमपात तक सिमटकर रह गए। अब एक और पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने जा रहा है, जिसका असर जल्द दिखना शुरू हो जाएगा। यह विक्षोभ कितना शक्तिशाली होगा, इसका सटीक पूर्वानुमान अभी नहीं है, लेकिन तय है कि यदि यह विक्षोभ अधिक प्रभावी रहा तो सूखा समाप्त हो जाएगा।

यह उल्लेखनीय तथ्य है कि मौसम के लिहाज से हिमालय क्षेत्र सर्वाधिक संवेदनशील माने जाते हैं और जलवायु परिवर्तन की बड़ी मार हिमालय राज्यों को ही सर्वाधिक झेलनी पड़ रही है, जिस कारण यहां के मौसम में मैदानी क्षेत्रों की तुलना में बहुत तेजी के साथ बदलाव आ रहा है और सूखे की स्थिति और भी अधिक खतरनाक है, जो नमी को सोख लेता है और तापमान बढ़ने से बर्फीले ग्लेशियरों को पिघलाने में मददगार साबित होता है। उत्तर भारत समेत भूटान, पाकिस्तान, बांग्लादेश और नेपाल की जलापूर्ति का मुख्य स्रोत हिमालय है और ग्लेशियरों के तेजी पिघलने व हिमपात में गिरावट से इन देशों की जलापूर्ति में व्यवधान आएगा। जलापूर्ति में व्यवधान का मतलब है कि कई अन्य मायनों में भी नुकसान उठाने होंगे, जिनमें बड़ा क्षेत्र कृषि का होगा। तापमान बढ़ने से कम तापमान में जीवित रहने वाली पैदावार प्रभावित होंगी। सेब जैसा फल इसका प्रमुख उदाहरण है, जो अब अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों को पलायन करने लगा है। इसी क्रम में वनस्पतियां प्रभावित होंगी और जीव जंतुओं का पलायन भी बढ़ जाएगा। मौसम का चक्र यानी हमारा इको सिस्टम ही गड़बड़ा जाएगा। शीतकाल के दिनों में अंतर आ जाएगा, जो सिकुड़ने लगेंगे। वसंत जैसी ऋतु में तापमान में वृद्धि हो जाएगी, जिसका मतलब है कि वसंत ऋतु सिर्फ नाम की रह जाएगी। रवि की फसलें प्रभावित होंगी। वर्षा आधारित उपज में अधिक कमी आने लगेगी। मौसम बदलना भविष्य के लिए अच्छे संकेत नहीं है, जो पर्यावरण और मौसम से जुड़े विशेषज्ञों को चिंता में डाल रहा है। हालांकि यह स्थिति बहुत जल्द आने वाली नहीं है, लेकिन वर्तमान परिस्थितियों को देखकर लगता है कि ये बहुत दूरगामी भी नहीं है। मौसम में जितना असर सौ सालों में नहीं आया है, उससे कई गुना असर पिछले ढाई दशकों में देखने को मिला है। एरीज के वायुमंडलीय निदेशक डॉ. मनीष नाजा बताते हैं कि ग्लोबल वार्मिंग जलवायु में बदलाव का बड़ा कारण है, जो हमारे मौसम में बदलाव ला रहा है। गर्म मौसम से ग्लेशियर तेजी से पिघलेंगे और इसका बड़ा प्रभाव उत्तर भारत समेत कई अन्य देशों की जलापूर्ति प्रभावित होगी। कृषि क्षेत्र प्रभावित होगा और वनस्पतियां भी इसके प्रभाव से अछूती नहीं रहेंगी। ठंडी जलवायु पर आश्रित जीव जंतुओं को कम जलवायु की ओर रवानगी होगी तो वहीं कई प्रजातियों का अस्तित्व ही समाप्त हो जाएगा।

एरीज के वरिष्ठ पर्यावरण वैज्ञानिक डॉ. नरेंद्र सिंह कहते हैं कि इस जनवरी में हिमपात होता है, तो फिर भी लाभदायक होगा, मगर फरवरी की बर्फबारी का अधिक लाभ नहीं मिलेगा, क्योंकि फरवरी में तापमान काफी उठ चुका होता है, जिस कारण बर्फ जल्द पिघल जाएगी और भूमिगत जलसंचय को मिलने वाला फायदा नहीं मिल पाएगा, जिसका असर ग्रीष्मकाल में पेयजल संकट के रूप में देखने को मिलेगा। जलवायु परिवर्तन के कारण मौसम में बदलाव आ रहे हैं और पश्चिमी विक्षोभों के कमजोर रहने के पीछे भी यही कारण है, इसका पता लगाने के लिए रिसर्च जरूरी है।

आमने सामने

चीन भारत से हर क्षेत्र में आगे है। भारत की तुलना में चीन आज मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक टेक्नोलॉजी, मशीन आदि बना रहा है। चीन ने मैन्युफैक्चरिंग स्किल डेवलपमेंट और इंडस्ट्री पर बहुत ध्यान दिया है। भारत चीन से इन क्षेत्रों में पीछे रह गया।
– राहुल गांधी
सांसद

चीन इसलिए डेवलप कर रहा है, क्योंकि उसके पास विपक्ष में राहुल गांधी जैसा पप्पू नहीं है। भारत में राहुल गांधी जैसा एक विध्वंसक है, जो देश को तोड़ने की गतिविधियों में लगा रहता है। जब विपक्ष में ऐसा नेता होगा तो निश्चित ही चीन आगे बढ़ेगा।
–सुब्रत पाठक
पूर्व सांसद

रिश्तों में गर्मजोशी से पिघलने लगी बर्फ

मनोज त्रिपाठी
कानपुर

भारत और अमेरिका के बीच पिछले कुछ समय से संबंध उतार-चढ़ाव वाले रहे हैं। खासतौर पर ऑपरेशन सिंदूर के बाद से रिश्तों में खटास का सिलसिला बढ़ता ही जा रहा था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चाहते थे कि भारत उनकी बात माने, लेकिन मोदी सरकार अपनी नीतियों पर अडिग थी, लेकिन अब बीते चार दिनों का घटनाक्रम इस बात की तरफ साफ इशारा कर रहा है कि रिश्तों पर जमा बर्फ पिघलने के साथ ट्रेड डील की गाड़ी आगे बढ़ने जा रही है।

दोनों देशों के बीच तल्खी कम होने और पारस्परिक सहयोग तथा व्यापार बढ़ाने के लिए गर्मजोशी वापस आने का पहला संकेत भारत में अमेरिका के राजदूत का पदभार संभालने के बाद सर्जियो गोर के बयानों से मिली। सर्जियो गोर को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप की टीम के विश्वस्त सहयोगियों में गिना जाता है, ऐसे में उनका यह कहना कि अमेरिका के लिए भारत से ज्यादा जरूरी या अहम साझेदार कोई अन्य देश नहीं है और एक राजदूत के तौर पर वह उस बेहद महत्वाकांक्षी एजेंडे के लिए रास्ता बनाने आए हैं, जिस पर दोनों पक्ष सच्चे रणनीतिक साझेदार के रूप में अपनी ताकत, आपसी सम्मान और नेतृत्व को साथ लेकर आगे बढ़ेंगे। यही नहीं, सर्जियो गोर ने यहां तक कह दिया कि "मैंने राष्ट्रपति ट्रंप के साथ दुनियाभर में यात्राएं की हैं और दावे के साथ कह सकता हूं कि पीएम मोदी के साथ उनकी दोस्ती बहुत सच्ची है। दो अच्छे दोस्त असहमत हो सकते हैं, लेकिन अंत में वे अपने सारे मतभेद दूर कर लेते हैं।"

इसके अगले ही दिन विदेश मंत्री एस जयशंकर और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के बीच फोन पर लंबी बातचीत हुई, जिसने अटकी वार्ताओं को आगे बढ़ाने का काम किया। इस दौरान व्यापार, रक्षा, ऊर्जा सहयोग और महत्वपूर्ण खनिजों को लेकर सहयोग पर चर्चा हुई। इस वार्ता के बाद जयशंकर ने कहा भी कि रूबियो के साथ "अच्छी बातचीत" हुई है और अब दोनों देशों के बीच जल्दी ही किसी ठोस फैसले की उम्मीद है। गौरतलब है कि भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए पिछले वर्ष कई दौर की वार्ताएं होने के बाद भी बात नहीं बन सकी थी, लेकिन अब ट्रेड डील पर बात एक बार फिर शुरू हो चुकी है और माना जा रहा है कि भारत से अपने कृषि और डेयरी क्षेत्रों को खोलने की मांग पर अड़ा अमेरिका कुछ लचीलापन दिखाने के लिए तैयार है।

यही नहीं, रिश्ते तब और पटरी पर आते नजर आए जब अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर द्वारा नए संगठन 'पैक्स सिलिका' का सदस्य बनने का प्रस्ताव भारत के समक्ष रखे जाने के एक दिन बाद ही वाशिंगटन में इसी संदर्भ में अमेरिका के वित्त मंत्री स्काट बेसेंट की अगुवाई में हुई लोकतांत्रिक देशों की बैठक में भारत के रेलवे और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने हिस्सा लिया। पैक्स सिलिका अमेरिका की तरफ से शुरू की गई एक नई अंतर्राष्ट्रीय पहल है। इसमें पैक्स शब्द लैटिन से लिया गया है, जिसका आशय शांति या स्थिरता और सिलिका का मतलब सिलिकॉन से है। मकसद अहम खनिजों और ऊर्जा से लेकर एडवांस्ड मैनुफैक्चरिंग, सेमीकंडक्टर, एआई इंफ्रास्ट्रक्चर और लॉजिस्टिक तक सिलिकॉन की सप्लाई चेन सुनिश्चित करके स्थिरता बकरार रखना है।

अमेरिका ने लोकतांत्रिक देशों की बैठक दुनियाभर में क्रिटिकल मिनरल्स के खानों व प्रसंस्करण पर चीन के बढ़ते दबदबे के रोकने के लिए बुलाई थी। ऐसे में इसमें भारत का शामिल होना महत्वपूर्ण रहा। बैठक का बड़ा उद्देश्य महत्वपूर्ण खनिजों के लिए चीन पर अत्यधिक निर्भरता को कम करने के साथ वैकल्पिक स्रोत तलाशना रहा। इसी बीच एक और महत्वपूर्ण घटनाक्रम में ट्रंप के दाएं हाथ माने जाने वाले व्हाइट हाउस में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी नीति कार्यालय के निदेशक माइकल क्रैट्सियोस और अश्विनी वैष्णव की मुलाकात रही, जिसके बाद क्रैट्सियोस ने कहा कि उन्होंने भारत में होने वाले आगामी एआई इम्पैक्ट समिट पर चर्चा की। अब अगले महीने दिल्ली में फिर मिलेंगे। एक और जिस बात ने सभी का ध्यान इसी समय खींचा, वह भारत, चीन, रूस, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका की अगुवाई वाले ब्रिक्स ब्लॉक के कई सदस्यों द्वारा दक्षिण अफ्रीका के तट के पास संयुक्त नौसैनिक अभ्यास शुरू करना रहा।

> अमेरिका ने लोकतांत्रिक देशों की बैठक दुनियाभर में क्रिटिकल मिनरल्स के खानों व प्रसंस्करण पर चीन के बढ़ते दबदबे के रोकने के लिए बुलाई थी। ऐसे में इसमें भारत का शामिल होना महत्वपूर्ण रहा।

इस अभ्यास का नेतृत्व चीन कर रहा है और रूस, ईरान और यूएई जैसे देश इसमें बढ़-चढ़ कर हिस्सा ले रहे हैं, जहां एक तरफ दक्षिण अफ्रीका ने इन अभ्यासों को दुनियाभर में बढ़ते समुद्री तनाव के लिए जरूरी जवाब बताया है, वहीं भारत ने इस अभ्यास से खुद को अलग रखा है। विशेषज्ञों के मुताबिक भारत के इस फैसले के पीछे अमेरिका के साथ रिश्तों को संतुलित रखने की रणनीति एक अहम वजह है। टीवी चैनल अल जजीरा ने भी इस नौसैनिक अभ्यास पर प्रस्तुत कवरेज रिपोर्ट में बताया कि भारत के लिए इस अभ्यास से बाहर रहना अमेरिका के साथ संतुलन साधने का तरीका है। हालांकि भारत की ओर से सूत्रों ने कहा कि वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीन के साथ जारी तनाव के कारण भारत ने चीन की सेना के साथ सैन्य गतिविधियों में शामिल होने से बचने का फैसला लिया है। अब सच्चाई कुछ भी हो, लेकिन इतना साफ है कि भारत-अमेरिका की साझेदारी दुनिया के मौजूदा माहौल में एक अलग महत्व रखती है। ऐसे में दोनों देशों के संबंध मजबूत होने से दोनों देशों के साथ ही वैश्विक शांति और अर्थव्यवस्था को भी लाभ होना तय है।

सोशल फोरम

लेखन वृत्ति नहीं एक प्रवृत्ति

क्या कोई लेखक प्रसिद्धि और पैसे के लिए लिखता है? क्या लेखन एक वृत्ति या आजीविका अर्जित करने के उद्देश्य से किया जाता है। बिल्कुल नहीं। लेखन वृत्ति नहीं एक प्रवृत्ति होती है। व्यक्ति के भीतर विचार आते हैं और वह उन विचारों को लिपिबद्ध करता है, जो कविता, कहानी, नाटक, उपन्यास, विचार लेख, ग्रंथ आदि के रूप में अस्तित्व में आते हैं। लेखन का पहला उद्देश्य आत्मसंतुष्टि और आत्माभिव्यक्ति ही होता है। हां, जब उसका लेखन पाठकों तक पहुंचता है और पाठक उसे पसंद करते हैं तब उसे एक लेखक अर्थात साहित्यकार, कवि, उपन्यासकार आदि के रूप में पहचान मिलती है।

डीएन तिवारी
लेखक

यदि उसका लेखन लोगों को बहुत अच्छा लगता है तब वह लेखक धीरे-धीरे प्रसिद्ध हो जाता है, उसकी कृतियां पुस्तकों के रूप में लोगों तक पहुंचती हैं। ये पुस्तकें बिक्री के लिए होती हैं, जिनकी बिक्री से उनके प्रकाशकों और लेखकों को आर्थिक लाभ होता है। लेखक को आर्थिक लाभ मिलता है, तो उसे अच्छा तो लगता ही है, फिर भी इसमें कोई संदेह नहीं कि जब लेखक ने अपनी लेखन यात्रा आरंभ की थी तब उसका उद्देश्य प्रसिद्ध होना और आर्थिक लाभ अर्जित करना कदापि नहीं रहा होगा। हां, इस लेखन यात्रा में कुछ लेखकों को प्रसिद्धि और पैसा भी मिल जाता है, लेकिन वह उनके लेखन कार्य का एडेड बेनिफिट है, लेखन का उद्देश्य नहीं। अतः यह मानना या ये कहना तर्कसंगत नहीं कि लेखक के लेखन का मूल उद्देश्य प्रसिद्धि और पैसा कमाना होता है। लेखन का मूल उद्देश्य आत्मसंतुष्टि तथा आत्माभिव्यक्ति ही होता है। वैसे प्रसिद्धि और पैसा चाहता, तो हर लेखक है, लेकिन यह सबके भाग्य में नहीं होता। दोनों एक साथ तो गिने-चुनों को मिलते हैं। हर कोई तस्लीमा नसरीन, अमितेश त्रिपाठी और चेतन भगत नहीं हो सकता।

–फेसबुक वॉल से

सामयिकी

सौर ऊर्जा: उपलब्धि के साथ उभरती सौर कचरे की चुनौती

पिछले एक दशक में भारत की सौर ऊर्जा क्षमता में उल्लेखनीय रूप से विस्तार हुआ है। आज देश इतिहास रचने की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत आधिकारिक तौर पर जापान को पीछे छोड़कर दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा सौर ऊर्जा उत्पादक देश बन गया है। भारत में सौर ऊर्जा का तेजी से विस्तार होना एक बड़ी सफलता माना जा रहा है। वर्ष 2014 में मात्र 3 गीगावाट से बढ़कर वर्ष 2025 में लगभग 129 गीगावाट तक पहुंच गई है। इसमें ग्राउंड-माउंटेड प्रोजेक्ट, रूफटॉप सोलर, हाइब्रिड सिस्टम और ऑफ-ग्रिड इंस्टॉलेशन शामिल हैं। बड़े सौर पार्कों के साथ-साथ लाखों घरों पर लगे रूफटॉप सिस्टम अब बिजली पैदा कर ग्रिड में ऊर्जा पहुंचा रहे हैं। भारत की सौर ऊर्जा क्षमता जुलाई 2025 तक 4,000 प्रतिशत बढ़ गई थी और देश की कुल नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 227 गीगावाट तक पहुंच गई थी। जम्मू-कश्मीर का पल्ली गांव एक उल्लेखनीय उदाहरण बन गया, जो पूरी तरह से सौर ऊर्जा पर चलने के कारण भारत की पहली कार्बन-न्यूट्रल पंचायत के रूप में उभरा। भविष्य की ऊर्जा मांगों को पूरा करने के लिए ऊर्जा भंडारण और नई तकनीकों को अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया गया। देश में राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र तथा तमिलनाडु शीर्ष सौर उत्पादक राज्यों में शामिल हैं, जिनमें राजस्थान की सौर क्षमता अत्यधिक है तथा वहां निरंतर विस्तार के लिए महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं।

रोहित माहेश्वरी
स्वतंत्र पत्रकार

सौर ऊर्जा की बढ़त से भारत की कोयले पर निर्भरता कम हो गई है। यह एक उल्लेखनीय उपलब्धि तो है, लेकिन इसके साथ एक चुनौती भी है। बेशक यह इस्तेमाल में साफ यानी प्रदूषण मुक्त है, लेकिन अगर सही तरीके से प्रबंधन न किया जाए, तो सोलर पैनल पर्यावरण के लिए खतरा बन सकते हैं। सोलर पैनल का ज्यादातर हिस्सा रिसाइकल किया जा सकता है। इनमें कांच, एल्युमिनियम, चांदी और पॉलिमर होते हैं, लेकिन इनमें थोड़ी मात्रा में ही मौजूद सीसा और कैडमियम जैसी जहरीले धातुओं को अगर ठीक तरीके से संभाला न जाए, तो ये मिट्टी और पानी को प्रदूषित कर सकते हैं। आमतौर पर सोलर पैनल लगभग 25 साल तक चलते हैं, उसके बाद उन्हें हटाकर फेंक दिया जाता है। फिलहाल भारत में सौर कचरे को रिसाइकल करने के लिए अलग से कोई बजट नहीं है और पुराने पैनलों को प्रोसेस करने के लिए कुछ छोटे-छोटे केंद्र ही हैं। भारत के पास सौर कचरे का कोई आधिकारिक आंकड़ा नहीं है।

एक अध्ययन के मुताबिक 2023 तक लगभग एक लाख टन और 2030 तक 6 लाख टन तक सौर कचरा पैदा हो सकता है। वहीं ऊर्जा, पर्यावरण और जल परिषद (सीईईडब्ल्यू) के एक नए अध्ययन के मुताबिक, भारत में 2047 तक 1.1 करोड़ टन से ज्यादा सौर कचरा पैदा हो सकता है। इसे सुरक्षित रूप से ठिकाने लगाने के लिए लगभग 300 विशिष्ट रीसाइक्लिंग केंद्र चाहिए होंगे और अगले दो दशक में करीब 47.80 करोड़ डॉलर का निवेश करना होगा। संभावित खतरों को देखते हुए भारत में 2022 में सोलर पैनलों को ई-वेस्ट नियमों के तहत लाया गया। इससे अब यह निर्माताओं की जिम्मेदारी है कि पैनलों की उम्र पूरी होने पर वे (निर्माता) उन्हें इकट्ठा करें, स्टोर करें, तोड़ें और रिसाइकल करें। अभी यह मात्रा कम है, लेकिन विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि कचरे का असली बोझ आगे आने वाला है। अगर जल्द ही निवेश कर रीसाइक्लिंग की व्यवस्था नहीं बनाई गई, तो भारत को बढ़ते सौर कचरे के संकट का सामना करना पड़ सकता है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा*** 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

वर्ड स्मिथ

कार शब्द की उत्पत्ति

अंग्रेजी भाषा में प्रचलित 'CAR' शब्द का पहला उल्लेख लगभग 13 वीं सदी के आसपास मिलता है, लेकिन व्यावहारिक रूप से इसे आज के अर्थों में स्वीकार किए जाने में काफी समय लगा। प्रारंभ में यह शब्द किसी आधुनिक वाहन के लिए नहीं, बल्कि सामान्य रूप से पहियों पर चलने वाले साधनों के लिए प्रयोग होता था। समय के साथ परिवहन के साधनों में आए बदलावों ने इसके अर्थ को भी बदल दिया।

इतिहास और भाषाविज्ञान के अनुसार 'कार' शब्द की उत्पत्ति लैटिन भाषा के कैरस (Carrus) या कैरम (Carrum) से हुई है, जिसका अर्थ होता है, पहियों वाला वाहन। लैटिन में कैरस का प्रयोग वैगन, चार पहियों वाली मालगाड़ी, कार्टलोड या वैगनलोड के लिए किया जाता था। इससे स्पष्ट होता है कि कार शब्द का मूल अर्थ निजी सवारी नहीं, बल्कि भार वहन और परिवहन से जुड़ा हुआ था। इसी तरह Vehicle (व्हीकल) या हिंदी का 'वाहन' शब्द भी लैटिन से ही निकला है। लैटिन शब्द Vehiculum से अंग्रेज़ी का व्हीकल और हिंदी का वाहन बना। इसका मूल अर्थ है, ढोने या ले जाने वाला साधन। इस दृष्टि से वाहन वह माध्यम है, जो किसी व्यक्ति या वस्तु को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाए। मध्ययुगीन काल में कैरस शब्द का प्रयोग वजन की इकाई के रूप में भी होता था। भाषाई विकास के क्रम में इसके लैटिन रूप कैरम और चार्रस भी मिलते हैं। माना जाता है कि कैरस की जड़ें गॉलिश भाषा के कर्रोस और उससे भी पुराने प्रोटो-सेल्टिक कैरोस में हैं, जिनका अर्थ रथ या वैगन था। अंग्रेजी में प्रयुक्त Cart शब्द का अर्थ घोड़ा-गाड़ी है, हालांकि इसका 'कार' से सीधा संबंध स्पष्ट नहीं है। इस प्रकार 'कार' शब्द प्राचीन रथों से होते हुए आधुनिक मोटर वाहन तक की लंबी भाषाई और ऐतिहासिक यात्रा को दर्शाता है।

नोटिस बोर्ड

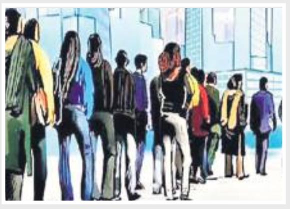

- सहारनपुर के राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। रोजगार मेले में भारत की प्रतिष्ठित कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा सिडकुल हरिद्वार, महिंद्रा एंड महिंद्रा स्वराज यूनिट तृतीया हुमायूंपुर हंदसेरा मोहाली प्रतिभाग कर रही है। रोजगार मेले में तकनीकी एवं गैर तकनीकी पदों पर अभ्यार्थियों का साक्षात्कार के द्वारा चयन किया जाएगा। ऐसे इच्छुक अभ्यर्थी जो 10 वीं, 12 वीं, आईटीआई, स्नातक पास हो, जिनकी आयु 18 से 26 वर्ष के बीच हो वह 16 जनवरी 2026 दिन शुक्रवार को प्रातः 10 :00 बजे से सांय के 3 :00 बजे तक अपना बायो डाटा व शैक्षित प्रमाण-पत्र के साथ राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, खजूरी रोड देवबंद में उपस्थित होकर रोजगार मेले में प्रतिभाग कर सकते हैं। छात्रों के लिए खास बात यह है कि इस रोजगार मेले में युवाओं को रजिस्ट्रेशन करने की भी आवश्यकता नहीं है। वह सीधे आकर अपनी एजुकेशन के आधार पर नौकरी प्राप्त कर सकते हैं।
- उत्तर प्रदेश संयुक्त प्रवेश परीक्षा परिषद (JEECUP) द्वारा 15 जनवरी से यूपी पॉलिटेक्निक प्रवेश परीक्षा 2026 के लिए पंजीकरण प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इच्छुक और योग्य छात्र आधिकारिक वेबसाइट jeecup.admissions.nic.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। जीकप एप्लीकेशन फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि 30 अप्रैल, 2026 है। कोर्स ग्रुप के अनुसार छात्रों से शैक्षणिक योग्यता अलग-अलग मांगी गई है। जेईईकप 2026 रजिस्ट्रेशन फीस के रूप में सामान्य /ओबीसी को 300 रुपये तथा आरक्षित कैंडिडेट को 200 रुपये देना होगा। यूपी पॉलिटेक्निक एंट्रेंस एग्जाम 2026 रजिस्ट्रेशन समाप्त होने के बाद करेक्शन विंडो मई 2026 में ओपन की जाएगी।

कहीं आपका बच्चा भी डिस्लेक्सिया या डिसग्राफिया से ग्रस्त तो नहीं

हर माता-पिता की चाहत होती है कि उसके बच्चे की पढ़ाई-लिखाई दूसरे बच्चों से बेहतर हो, लेकिन कई बार कुछ बच्चों को अक्षर या स्पेलिंग पहचानने में कठिनाई होती है। उनका दिमाग सही अक्षर, रंग या आकृति नहीं पहचान पाता। बच्चा तेजी से लिखने में मुश्किल महसूस करता है। इस कारण वह अन्य बच्चों से अलग-थलग होने लगता है। इस समस्या को डिस्लेक्सिया या डिसग्राफिया कहते हैं। यह सीखने से जुड़ी एक ऐसी स्थिति होती है, जो पढ़ने और लिखने की क्षमता प्रभावित करती है। अभिनेता आमिर खान ने 'तारे जमीं पर' फिल्म बनाकर बच्चों की इसी समस्या पर लोगों का ध्यान खींचा था, लेकिन अब ऐसे बच्चों की परेशानी आईआईटी कानपुर के स्टार्टअप इनक्यूबेशन और इनोवेशन सेंटर में इनक्यूबेटेड कंपनी क्यूट ब्रेंस ने दूर कर दी है। कंपनी ने एक ऐसा ऐप तैयार किया है, जिसकी मदद से डिस्लेक्सिया पीड़ित बच्चे आसानी से किसी भी चीज को जानने और समझने के साथ सीख सकते हैं। कंपनी का मानना है कि "हर बच्चा अलग तरीके से सीखता है। यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम उन विभिन्नताओं को पहचानें और उनका पोषण करें।" *-राजीव त्रिवेदी, कानपुर*

तमाम बच्चों में न्यूरल डेवलपमेंट सामान्य बच्चों जैसा नहीं हो पाता है। क्यूट ब्रेन्स स्टार्ट अप के तहत आईआईटी कानपुर के ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंस विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर बृजभूषण द्वारा तैयार ऐप 'एसेसटिव एप्लीकेशन फॉर चिल्ड्रेन विद डिस्लेक्सिया एंड डिस्ग्राफिया' इसी समस्या का समाधान प्रस्तुत करता है। यह बच्चों की सीखने की क्षमता, विकासात्मक विलंब और न्यूरोडाइवर्सिटी स्थितियों जैसे ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर, एडीएचडी और डिस्लेक्सिया की पहचान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कंपनी का मानना है कि समय पर स्क्रीनिंग से तंत्रिका विकास संबंधी चुनौतियों को बढ़ने से पहले पहचानने में मदद मिलती है।

60 दिन के अभ्यास से दूर हो जाती समस्या

क्यूट ब्रेन्स के प्रतिनिधि बच्चों को एक टचस्क्रीन डिवाइस देते हैं, जिस पर बच्चों को पाठ्य सामग्री लिखकर या शब्द लिखते हुए अंगुली फेरनी होती है। बच्चों को आडियो-वीडियो विजुअल्स की मदद के साथ हेप्टिक लर्निंग (बार-बार अंगुली फेरना) का कांसेप्ट सिखाया जाता है। इस तरह के 60 दिनों के अभ्यास के बाद गंभीर बीमारी से पीड़ित बच्चे भी आसानी से पढ़ाई करने लगते हैं। फिलहाल कक्षा एक से लेकर पांचवीं तक के बच्चों के लिए यह ऐप और तकनीक काफी प्रभावी है।

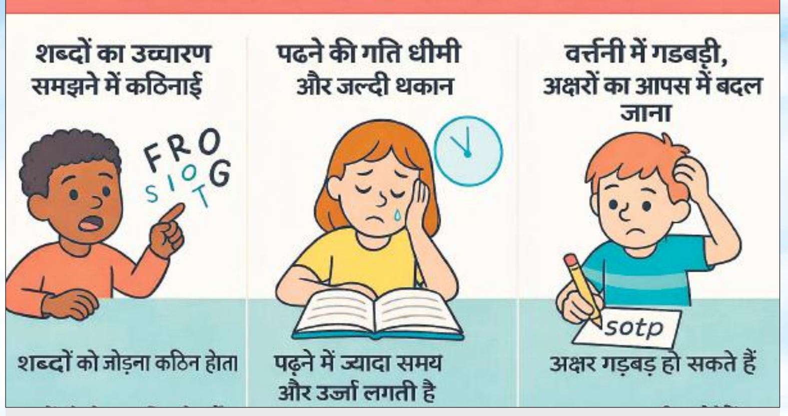

किस तरह ले सकते हैं मदद

क्यूट ब्रेंस की वेबसाइट पर जाकर सीधे संपर्क कर सकते हैं। साइट पर दिया गया फॉर्म अभिभावक को भरकर जमा करना होता है। इसके बाद क्यूट ब्रेंस के प्रतिनिधि संवाद करते हैं। इस काम के लिए एक न्यूनतम फीस रखी गई है। इस प्रक्रिया में सबसे पहले बच्चे की क्लीनिकल स्क्रीनिंग कराई जाती है। क्यूट ब्रेन्स पठन-लेखन अक्षमता और सीखने की समस्या से जूझ रहे बच्चों के प्रति सहानुभूति एवं सहयोग को प्रोत्साहित करने के लिए इनोवेटिव शैक्षिक जनसंपर्क आयोजित करती है, छात्रों और शिक्षकों को इंटरएक्टिव सत्रों के माध्यम से जोड़ती है ताकि डिस्लेक्सिया के बारे में भ्रम दूर किया जा सके। कंपनी बच्चों की सीखने की अक्षमताओं का पता लगाकर निदान करने के लिए तकनीकी सहायता प्रदान करती है।

क्या होता है डिस्लेक्सिया

डिस्लेक्सिया एक (लर्निंग डिसआर्डर) सीखने संबंधी विकार है, जो अक्सर बच्चों और यहां तक कि कई बार बड़ों में भी पढ़ने, लिखने और वर्तनी की समझ में कठिनाई पैदा करता है। इस बीमारी का तकनीक की मदद से प्रबंधन संभव है।

डिस्लेक्सिक बच्चों में यह होते लक्षण

- वाणी का विकास देर से हो सकता है। नई शब्दावली समझने, वर्णमाला के अक्षरों को याद करने, दोहराने या सरल तुकबंदी करने में कठिनाई आ सकती है।
- उन शब्दों और अक्षरों को बोलने में ज्यादा कठिनाई होती है, जिन्हें वे देखते हैं।
- ऐसे बच्चों के लिए यह सामान्य बात है कि वे परिचित शब्दों में अक्षरों का गलत उच्चारण करें या उन्हें मिला दें।
- साधारण कहानी या कविता की घटनाओं के अनुक्रम को पुनः याद करने में कठिनाई होती है। बच्चा इसे संक्षेप में प्रस्तुत करने में असमर्थता महसूस कर सकता है।
- पढ़ने या लिखने के साथ होमवर्क पूरा करने में बहुत ज्यादा समय लगता है।
- नंबर अनुक्रमों का पालन करने में कठिनाई हो सकती है। जोड़, घटाना, गुणा और भाग के अंकगणितीय प्रतीक उसे भ्रमित कर सकते हैं।
- रंगों के नाम, सप्ताह के दिन या महीनों के नाम याद करने या समय बताना सीखना चुनौतीपूर्ण हो सकता है।
- स्कूल में खराब पढ़ने-समझने के कारण बच्चा दूसरे छात्रों से अलग-थलग रह सकता है।
- बच्चा बहुचरणीय निर्देशों का पालन नहीं कर पाता है, 'बाएं' या 'दाएं' दिशाओं के निर्देश में उसे कठिनाई हो सकती है।

- ऐसे बच्चों को पेंसिल सही से पकड़ने में दिक्कत होती है। विराम चिन्हों, व्याकरण नियमों को याद करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। इस कारण उनकी लिखावट अस्पष्ट होती है। उन्हें लिखने में दूसरे बच्चों से ज्यादा समय लगता है।
- सामान्य या उच्च बुद्धि होने के बावजूद ऐसे बच्चों को बात करते समय सही शब्द ढूंढने में कठिनाई होती है।

कैंपस में पहला दिन

जो सपना था हुआ पूरा, मन का मिला कॉलेज

जब मैं छात्र जीवन में था, उसी वक्त से शहर के सबसे प्रतिष्ठित कॉलेज क्राइस्टचर्च में पढ़ने का सपना मन में था। एक समय वह भी आया जब कॉलेज में पढ़ने के लिए मैं योग्य हो गया। मेरे सामने परिवार की कई तरह की कॉलेज में प्रवेश को लेकर सलाह थी। उनमें शहर के ही डिग्री कॉलेज पीपीएन को परिवार सबसे अधिक प्राथमिकता दे रहा था।

मेरे दूसरी ओर क्राइस्टचर्च कॉलेज था, जहां पढ़ना हर युवा का सपना होता था। क्राइस्टचर्च कॉलेज का फैशन, वहां का कल्चर, धारा प्रवाह अंग्रेजी बोलते युवा व प्रोफेसर और शहर के धनाढ्य परिवार से आएं युवाओं से दोस्ती। यह सब मेरे मन को चुंबक की तरह आकर्षित कर रहा था। दूसरी ओर पीपीएन कॉलेज का अनुशासन, मेरिट होल्डर युवा और हर समय पढ़ाई का माहौल। ऐसे में मेरे मन में हलचल हो रही थी। एक समय आया जब मैंने निर्णय ले लिया कि मैं अपने स्कूल के दिनों के सपनों को जरूर पूरा करुंगा। ऐसे में मैंने साथियों के दबाव में घर में झूठ बोल दिया। कहा कि मेरा पीपीएन कॉलेज में दाखिला नहीं हो पाया। इस तरह से मैंने अपने सपने को पूरा करने के लिए राह बना ली। क्राइस्टचर्च में प्रवेश हुआ और मेरा पहला ही दिन सपनों का मानो सच होना रहा।

उमंग अग्रवाल

महासचिव, फैसिलिटेशन फॉर इंडस्ट्रीज एंड ट्रेड एसोसिएशन, कानपुर

कॉलेज परिसर में घुसते हुए एक लड़कपन मन में छा रही थी। मन में हिलौरे उठ रहे थे। मन में यह भी विचार आया कि अब हम बड़े हो चुके हैं। पहला दिन कॉलेज में मेरे प्रोफेसर्स ने मेरा कक्षा में स्वागत किया। उस दिन मुझे यह ख्याल आया कि यदि आप सपने देखते हैं, तो उसे पूरा करने की भी योजना आप ही बनाएंगे। उस दिन से मैं अपने जीवन में जो भी लक्ष्य बनाता हूं, उसे खुद ही पूरा करता हूं। कॉलेज के पहला दिन मुझे जीवन में बड़ा संदेश दे गया।

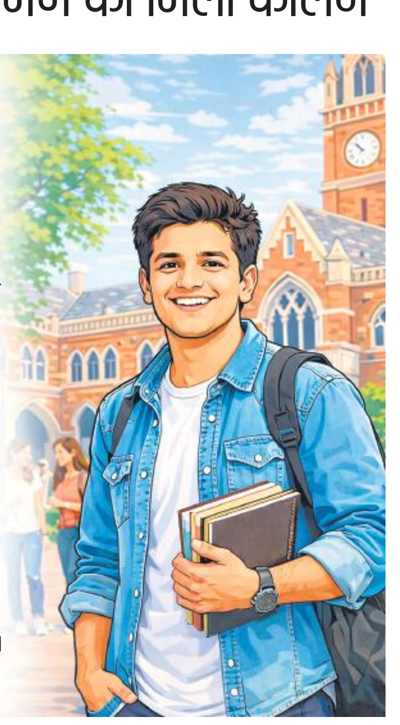

करेंट अफेयर्स

- हाल ही में भारत ने BRICS अध्यक्षता 2026 की औपचारिक तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसके तहत BRICS 2026 का आधिकारिक लोगों और समर्पित वेबसाइट लॉन्च की गई है। यह पहल ऐसे समय में की गई है, जब वैश्विक स्तर पर अनिश्चितताएं बढ़ रही हैं और यह भारत की जन-केंद्रित, समावेशी और सहयोगात्मक अध्यक्षता की दृष्टि को दर्शाती है। इसका उद्देश्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं के बीच सहयोग को मजबूत करना और साझा विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाना है।
- भारत और जर्मनी ने अपनी रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है और कई प्रमुख क्षेत्रों में समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। ये समझौते रक्षा निर्माण, उन्नत प्रौद्योगिकी, महत्वपूर्ण खनिजों और व्यापार सहयोग जैसे क्षेत्रों पर केंद्रित हैं। इस पहल से दोनों देशों के बीच बढ़ते विश्वास को दर्शाया गया है और इसका उद्देश्य आर्थिक विकास, नवाचार और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती को बढ़ावा देना है।
- राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने जनवरी 2026 में आंध्र प्रदेश के पुट्टापर्थी के पास, NH-544G के बेंगलुरु-कडप्पा-विजयवाड़ा आर्थिक कॉरिडोर के निर्माण के दौरान चार गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए। इसके तहत NHAI ने 24 घंटों के भीतर 9.63 किलोमीटर लंबी 3-लेन चौड़ी सतत बिटुमिनस कंक्रीट बिछाने और 10,655 मीट्रिक टन बिटुमिनस कंक्रीट बिछाने का रिकॉर्ड। ये रिकॉर्ड छह-लेन राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना के तहत विश्व स्तर पर पहली बार बने। इसके अलावा NHAI 57,500 मीट्रिक टन बिटुमिनस कंक्रीट की सतत बिछाई। वहीं 3-लेन चौड़ी और 52 किलोमीटर लंबी सतत सड़क निर्माण। इन रिकॉर्डों से उत्कृष्ट समन्वय, मैकेनाइजेशन और चौबीसों घंटे निष्पादन क्षमता का प्रदर्शन हुआ।
- अरुणाचल प्रदेश का नवगठित जिला केयी पन्योर अब भारत का पहला 'बायो-हैप्पी जिला' बनने जा रहा है। यह पहल जैव विविधता संरक्षण और मानवीय कल्याण को एकीकृत करने का एक अभिनव प्रयास है, जो सतत विकास की दिशा में भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह परियोजना प्रख्यात कृषि वैज्ञानिक एम.एस. स्वामीनाथन द्वारा प्रतिपादित "बायोहैप्पीनेस" की अवधारणा को पुनर्जीवित करती है और पारिस्थितिकी, आजीविका तथा सार्वजनिक स्वास्थ्य के समन्वय से आधारित एक विकास मॉडल को बढ़ावा देती है।

जॉब अलर्ट

यूनाइटेड कमर्शियल बैंक

- पद का नाम-जर्नलिस्ट और स्पेशलिस्ट ऑफिसर
- पदों की संख्या-173
- वेतन- 48480-93960 रुपये प्रति माह
- योग्यता-किसी भी विषय में ग्रेजुएट / बी.ई. / बी.टेक./ एम.सी.ए. / एम.एससी. कंप्यूटर साइंस / चार्टर्ड अकाउंटेंट सर्टिफिकेशन / फुल टाइम दो साल का एमबीए या पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा, एमसीए, एमएससी
- आयु सीमा - 20 से 35 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तारीख- 02-फरवरी-2026
- वेबसाइट https://uco.bank.in

सोसाइटी फॉर एप्लाइड माइक्रोवेव इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग एंड रिसर्च

- पद का नाम- प्रोजेक्ट इंजीनियर / प्रोजेक्ट एसोसिएट / प्रोजेक्ट साइंटिफिक असिस्टेंट / प्रोजेक्ट टेक्निकल असिस्टेंट
- पदों की संख्या- 147
- वेतन- 21,000 - 34,000 रुपये प्रति माह
- योग्यता- B.E/B.Tech/M.E/M.Tech/ MSc/डिप्लोमा/ITI (पद के अनुसार)
- आयु सीमा-25 से 30 वर्ष (पद के अनुसार अलग-अलग)
- आवेदन की अंतिम तिथि-25-जनवरी-2026
- वेबसाइट-https://sameer.gov.in

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण

भा रा रा प्रा NHAI

- पद का नाम- उप प्रबंधक (तकनीकी)
- कुल रिक्तियां- 40 पद
- योग्यता- सिविल इंजीनियरिंग में स्नातक डिग्री
- आयु सीमा- 30 वर्ष
- वेतन : लेवल 10 (रु. 56,100 - 1,77,500) + CDA
- आवेदन का तरीका- ऑनलाइन
- चयन- गेट 2025 स्कोर (सिविल इंजीनियरिंग)
- अंतिम तिथि- 09-फरवरी-2026 (शाम 06 :00 बजे)

सही टाइम टेबल से बोर्ड परीक्षा में पाएं अच्छे मार्क्स

बोर्ड परीक्षाओं का समय नजदीक आते ही छात्रों के साथ-साथ अभिभावकों की धड़कनें भी तेज हो जाती हैं। उत्तर प्रदेश बोर्ड और सीबीएससी बोर्ड ने 10 वीं और 12 वीं कक्षा की परीक्षाओं में 1 माह का समय शेष है। फरवरी के मध्य से शुरू होने वाली इन परीक्षाओं के लिए अब केवल पढ़ना ही नहीं, बल्कि सही रणनीति के साथ पढ़ते हुए रिवीजन करना जरूरी भी हो गया है। इसके लिए एक सुव्यवस्थित टाइम टेबल सबसे अहम भूमिका निभाता है। बिना टाइम टेबल के पढ़ाई करना ठीक वैसा ही है, जैसे बिना दिशा-निर्देश के किसी अनजान रास्ते पर निकल पड़ना। सही टाइम मैनेजमेंट न सिर्फ पढ़ाई को आसान बनाता है, बल्कि आत्मविश्वास भी बढ़ाता है।

नवनीत तिवारी

करियर काउंसर

सुबह करें पढ़ाई

परीक्षा की तैयारी के लिए दिन की शुरुआत का तरीका बेहद महत्वपूर्ण होता है। विशेषज्ञ मानते हैं कि सुबह का समय दिमाग के लिए सबसे अधिक सक्रिय और ग्रहणशील होता है। ऐसे में विद्यार्थियों को सुबह जल्दी उठने की आदत डालनी चाहिए। यदि संभव हो तो 4 :30 या 5 बजे उठकर पढ़ाई शुरू करें। इस समय गणित, भौतिकी, रसायन विज्ञान या ऐसे विषय पढ़ना लाभकारी होता है, जिनमें ज्यादा एकाग्रता और सोच-विचार की जरूरत होती है। सुबह के शांत वातावरण में किया गया अध्ययन लंबे समय तक याद रहता है। हालांकि लगातार पढ़ाई करने से मानसिक थकान हो सकती है, इसलिए दो घंटे की पढ़ाई के बाद छोटा सा ब्रेक लेना भी जरूरी है।

बीच-बीच में लें ब्रेक

पढ़ाई के दौरान ब्रेक लेना समय की बर्बादी नहीं, बल्कि जरूरत है। लगातार घंटों तक किताबों में डूबे रहने से दिमाग थक जाता है और याददाश्त पर भी असर पड़ता है। इसलिए हर दो घंटे के अध्ययन के बाद 10 से 15 मिनट का अंतराल जरूर रखें। इस दौरान हल्की स्ट्रेचिंग करें, थोड़ी देर टहलें या आंखों को आराम दें। यह छोटी-सी आदत आपकी एकाग्रता और कार्यक्षमता को बनाए रखती है।

प्रीवियर्स ईयर के पेपर करें सॉल्व

परीक्षा की तैयारी में रिवीजन की भूमिका सबसे अहम होती है। कई छात्र नया पढ़ने में तो समय लगाते हैं, लेकिन दोहराव को नजरअंदाज कर देते हैं। पढ़े हुए का रिवीजन रोज करें। इससे दिनभर पढ़ा हुआ विषय मन में स्थिर रहता है। वहीं केवल रिवीजन ही न करें, बल्कि मॉडल पेपर और पुराने पेपर पर भी हल करें ताकि परीक्षा पैटर्न और समय प्रबंधन दोनों पर पकड़ मजबूत हो सके।

हर सब्जेक्ट को बराबर टाइम दें

अक्सर यह देखा जाता है कि छात्र अपने पसंदीदा विषयों पर ज्यादा ध्यान देते हैं और जिन विषयों में कमजोरी होती है, उन्हें नजरअंदाज कर देते हैं। यही गलती परीक्षा के समय भारी पड़ जाती है। एक संतुलित टाइम टेबल वह होता है, जिसमें हर विषय को उचित समय दिया जाए। यदि किसी विषय में समझ कमजोर है, तो उसके लिए अतिरिक्त समय निर्धारित करना समझदारी है। इससे धीरे-धीरे वह विषय भी आसान लगने लगता है और परीक्षा का डर कम होता है।

पर्याप्त नींद

यह समझना जरूरी है कि अच्छी पढ़ाई तभी संभव है, जब शरीर और मन दोनों स्वस्थ हों। पर्याप्त नींद, संतुलित आहार और मोबाइल से दूरी परीक्षा की तैयारी में बड़ी भूमिका निभाते हैं। रोजाना 6 से 7 घंटे की नींद लें और जंक फूड से बचें। जब छात्र अनुशासित दिनचर्या के साथ पढ़ाई करता है, तो सफलता अपने आप उसके कदम चूमती है।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	83,382.71	25,665.60
गिरावट	244.98	66.70
प्रतिशत में	0.29	0.26

सोना 1,46,500 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,86,000 प्रति किलो

अमृत विचार

हल्द्वानी, गुरुवार, 15 जनवरी 2026

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2565, राज श्री 1860, फ़ॉर्चून कि. 2330, रविन्द्रा 2450, फॉर्चुन 13 किग्रा 2050, जय जवान 2050, सचिन 2045, सूरज 2065, अवसर 1885, उजाला 1975, गृहणी 13 किग्रा 1910, क्लासिक (किग्रा) 2235, मोर 2260, चक्र टिन 2330, ब्लू 2140, आशीर्वाद मस्टर्ड 2325, स्वास्तिक 2520

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000-18000, धनिया 9400-12000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि.) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5250, शर्बती स्टीम 5350, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8200, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1 किग्रा, 5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, गौरी स्पेशल 8400, गौरी प्रीमियम 9800, सूमो 4000, गौरी रॉयल 8600, मंसूरी पनघट 4050,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9700, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 11200-12500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7350-9200, मलका छाँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 7800-8500, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800-10400,चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7700, चना अकोला 6600, डबरा 6700-8400, सच्चा हीरा 8500, मोटा हीरा 9800, अरहर गोला मोटा 7700, अरहर पटका मोटा 8000, अरहर कोरा मोटा 8500, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : पीलीभीत 4260, बहेड़ी 4200

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 3000, मसूरी- 800, बासमती- 5000, परमल- 1100

दाल दलहन : काला चना- 2000, साबुत चना दाल- 1200, मूंग साबुत- 4200, राजमा- 8100-11100, दाल उड़द-5000, साबुत मसूर दाल- 2000, मसूर दाल- 2000, उड़द साबुत- 3700, काबुली चना- 7400, अरहर दाल-10200, लोबिया/करमानी- 1100

नीति आयोग के ईपीआई में शीर्ष पांच में यूपी

निर्यात तैयारी सूचकांक में महाराष्ट्र पहले, तमिलनाडु दूसरे और गुजरात तीसरे स्थान पर

- **निर्यात क्षमता और प्रदर्शन पर राज्यों की तैयारियों का आकलन कर तैयार हुआ सूचकांक**

नई दिल्ली, एजेंसी

नीति आयोग के चौथे निर्यात तैयारी सूचकांक (ईपीआई) 2024 में महाराष्ट्र ने शीर्ष स्थान हासिल किया है। इसके बाद तमिलनाडु और गुजरात क्रमशः दूसरे व तीसरे स्थान पर है। यह सूचकांक राज्यों की निर्यात क्षमता और प्रदर्शन के संदर्भ में उनकी तैयारियों का आकलन करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है।

सरकारी शोध संस्थान नीति आयोग की बुधवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार महाराष्ट्र के बाद तमिलनाडु, गुजरात, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और पंजाब का स्थान है। छोटे राज्यों की श्रेणी में उत्तराखंड शीर्ष स्थान पर रहा। इसके बाद जम्मू-कश्मीर, नगालैंड, दादरा एवं नगर हवेली और दमन व दीव, गोवा तथा त्रिपुरा का स्थान है। रिपोर्ट जारी करते हुए नीति आयोग के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) बीवी आर सुब्रह्मण्यम ने कहा कि भारत के मुक्त व्यापार एवं आर्थिक साझेदारी समझौतों का विस्तार करने के साथ ही मजबूत घरेलू आधार का महत्व बढ़ता जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्यों के लिए इसका अर्थ ऐसे परिवेश को बढ़ावा देना है जो नए अवसरों पर तेजी से प्रतिक्रिया दे सके और वैश्विक मानकों के अनुरूप हो। साथ ही जिलों में प्रतिस्पर्धा का माहौल बना सके।

आर्थिक वृद्धि का प्रमुख चालक है निर्यात

सुब्रह्मण्यम ने कहा कि हाल के वर्षों में कई राज्यों ने समर्पित नीतियों, संस्थानों और बुनियादी ढांचे के माध्यम से अपनी निर्यात दृष्टि को मजबूत करना शुरू कर दिया है जो अधिक सक्रिय एवं संरचित दृष्टिकोण की ओर स्पष्ट बदलाव को दर्शाता है। निर्यात, आर्थिक वृद्धि का एक प्रमुख चालक है और यह देशों को वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं (जीवीसी) में अपनी स्थिति मजबूत करने, विदेशी मुद्रा अर्जित करने और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने में अहम भूमिका निभाता है।

राज्य तथा केंद्र के स्रोतों से जुटाए गए आंकड़े

दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था भारत के लिए निर्यात आर्थिक मजबूती बढ़ाने, व्यापार घाटा कम करने और समावेशी वृद्धि को बढ़ावा देने के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण है। निर्यात तैयारी सूचकांक में एक सुसंगत एवं आंकड़ा-आधारित पद्धति का इस्तेमाल किया गया है। इसके तहत निर्यात नीतियों, कारोबारी माहौल, बुनियादी ढांचे की गुणवत्ता एवं निर्यात परिणामों सहित कई कारकों का मूल्यांकन किया गया है। इसमें आंकड़े राज्य तथा केंद्र सरकार दोनों के स्रोतों से जुटाए जाते हैं और प्रत्येक संकेतक को उसके महत्व के आधार पर भार प्रदान किया जाता है।

थोक महंगाई 8 महीने के उच्च स्तर 0.83% पर

नई दिल्ली, एजेंसी

- **खाद्य पदार्थों, गैर-खाद्य वस्तुओं और विनिर्मित वस्तुओं की कीमतों में मासिक आधार पर बढ़ोतरी**

थोक महंगाई में लगातार दूसरे महीने वृद्धि जारी रही और दिसंबर 2025 में यह 8 महीने के उच्च स्तर 0.83% पर पहुंच गई। खाद्य पदार्थों, गैर-खाद्य वस्तुओं और विनिर्मित वस्तुओं की कीमतों में मासिक आधार पर बढ़ोतरी से इसमें वृद्धि दर्ज की गई। बुधवार को जारी सरकारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति नवंबर में शून्य से नीचे 0.32% और अक्टूबर में शून्य से नीचे 1.02% रही थी। दिसंबर 2024 में थोक मुद्रास्फीति 2.57% थी।

उद्योग मंत्रालय ने कहा कि मुद्रास्फीति बीते महीने मुख्य रूप से अन्य विनिर्माण, खनिजों, मशीनरी एवं उपकरणों के विनिर्माण, खाद्य उत्पादों के निर्माण और वस्त्र आदि की कीमतों में वृद्धि से बढ़ी। डब्ल्यूपीआई के अनुसार, दिसंबर में खाद्य पदार्थों की कीमतें 0.43% कम हुईं जबकि नवंबर में यह दर 4.16% थी। सब्जियों की महंगाई दर में दिसंबर में 3.50% की गिरावट आई जबकि नवंबर में यह 20.23% थी।

वित्तीय परामर्श कपंनी बार्कलेज इंडिया की मुख्य अर्थशास्त्री आस्था गुडवानी ने कहा कि दिसंबर में खाद्य पदार्थों में महंगाई में कम दर से कमी एवं विनिर्माण उत्पादों में बढ़ती मुद्रास्फीति से थोक मुद्रास्फीति में वृद्धि हुई। उन्होंने कहा कि हमें थोक मुद्रास्फीति में मामूली वृद्धि जारी रहने का अनुमान है। विनिर्मित उत्पादों के मामले में मुद्रास्फीति नवंबर 2025 के 1.33% के मुकाबले दिसंबर में 1.82% रही। गैर-खाद्य वस्तुओं की श्रेणी की मुद्रास्फीति दिसंबर में 2.95% रही जबकि नवंबर में यह 2.27% थी। ईंधन तथा बिजली क्षेत्रों में महंगाई दर में गिरावट जारी रही और यह 2.31% रही जबकि नवंबर में यह 2.27% थी।

रुपये में गिरावट से बढ़ सकती है महंगाई

रेटिंग एजेंसी इक्रा के वरिष्ठ अर्थशास्त्री राहुल अग्रवाल ने कहा कि प्रतिकूल आधार के कारण खाद्य मुद्रास्फीति में सालाना आधार पर वृद्धि, वैश्विक जिंस कीमतों में वृद्धि और पिछले कुछ महीनों से रुपये में गिरावट से इक्रा को जनवरी में थोक मुद्रास्फीति के बढ़कर 1.5% पर पहुंचने का अनुमान है जो पिछले 10 महीनों में सार्वधिक होगा। इसी सप्ताह जारी आंकड़ों के अनुसार, सब्जी, अंडा और दाल समेत रसोई की आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि से बीते दिसंबर में खुदरा मुद्रास्फीति बढ़कर तीन महीने के उच्च स्तर 1.33% पर पहुंच गई। नवंबर में मुद्रास्फीति 0.71% थी।

नीति समीक्षा के समय आरबीआई की होती है नजर

आरबीआई मौद्रिक नीति समीक्षा करते समय मुख्य रूप से खुदरा महंगाई पर नजर रखता है। केंद्रीय बैंक ने चालू वित्त वर्ष में अभी तक नीतिगत दर रेपो में 1.25% की कटौती की है जो अब 5.5% है। आरबीआई ने पिछले महीने चालू वित्त वर्ष के लिए मुद्रास्फीति के अनुमान को पहले के 2.6% से घटाकर 2% कर दिया था। रिजर्व बैंक ने 2025-26 के लिए जीडीपी वृद्धि का अपना अनुमान पहले के 6.8 से बढ़ाकर 7.3% कर दिया है। भारत ने जुलाई-सितंबर तिमाही में 8.2 प्रतिशत और अप्रैल-जून तिमाही में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की थी।

चीन को भारतीय निर्यात में वृद्धि व्यापार घाटा 116 अरब डॉलर

बीजिंग, एजेंसी

- **2025 में द्विपक्षीय व्यापार भी 155.62 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंचा**

चीनी सीमा शुल्क ने बुधवार को जारी वार्षिक व्यापार आंकड़ों में बताया कि चीन को होने वाले भारतीय निर्यात में 2025 के दौरान सालाना आधार पर 5.5 अरब डॉलर की वृद्धि दर्ज की गई है। हालांकि इस अवधि में व्यापार घाटा 116.12 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया।

आंकड़ों के मुताबिक 2025 में द्विपक्षीय व्यापार भी 155.62 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। चीन को होने वाला भारतीय निर्यात पिछले साल जनवरी से दिसंबर के बीच बढ़कर 19.75 अरब डॉलर हो गया। यह 9.7% की वृद्धि है, जो राशि के मामले में 5.5 अरब डॉलर बैठती है। वहीं दूसरी ओर, भारत को होने वाला चीनी निर्यात पिछले वर्ष 12.8% बढ़कर 135.87 अरब डॉलर हो गया। दोनों देशों के बीच व्यापार में तेजी आ रही है और कुल द्विपक्षीय व्यापार 2025 में 155.62 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। दोनों देशों को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा शुल्क में की गई वृद्धि का सामना करना पड़ा। चीन के साथ व्यापार घाटा भारत के लिए समस्या है और यह पिछले साल 116.12 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। 2023 के बाद यह दूसरी बार है, जब व्यापार घाटा 100 अरब डॉलर के पार है। 2024 में व्यापार घाटा 99.21 अरब डॉलर था, जिसमें चीन का निर्यात कुल 113.45 अरब डॉलर था और चीन को होने वाला भारत का निर्यात 14.25 अरब डॉलर था। चीन के वार्षिक व्यापार आंकड़े जनवरी से दिसंबर तक की अवधि दर्शाते हैं, जबकि भारत अपने आंकड़े मार्च से अप्रैल वित्त वर्ष के आधार पर जारी करता है।

एफटीए से जुड़े मुद्दों को सुलझाने को भारत, यूरोपीय संघ के दल संपर्क में

नई दिल्ली, एजेंसी

- **भारत-ईयू शिखर सम्मेलन 27 को, संघ का शीर्ष नेतृत्व गणतंत्र दिवस में रहेगा मुख्य अतिथि**

यूरोपीय संघ के शीर्ष नेतृत्व की इस महीने के अंत में भारत यात्रा से पहले प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से जुड़े शेष मुद्दों को सुलझाने के लिए भारतीय और यूरोपीय संघ (ईयू) के दल लगातार संपर्क में हैं। भारत-ईयू शिखर सम्मेलन 27 जनवरी को यहां आयोजित किया जाएगा। यूरोपीय संघ का शीर्ष नेतृत्व 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस परेड में मुख्य अतिथि रहेगा।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने हाल ही में ब्रसेल्स में व्यापार तथा आर्थिक सुरक्षा के लिए यूरोपीय संघ के आयुक्त मारोस सेफकोविक के साथ दो दिवसीय बैठक की थी, जिसमें वार्ता की प्रगति की समीक्षा की गई। ये निरंतर संपर्क महत्वपूर्ण हैं क्योंकि दोनों पक्ष बातचीत को जल्द समाप्त करना चाहते हैं। एक अधिकारी ने बुधवार को कहा कि दोनों पक्ष शेष विवादित मुद्दों को सुलझाने के लिए बातचीत कर रहे हैं। इन मुद्दों में यूरोपीय संघ का कार्बन कर और कुछ वस्तुओं पर शुल्क में कटौती शामिल है।

वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने 6-7 जनवरी को ब्रसेल्स में यूरोपीय आयोग की व्यापार महानिदेशक सबाइन वेयंड से भी मुलाकात की थी। एफटीए को अंतिम रूप देने के लिए अब तक 16 दौर की बातचीत हो चुकी है। भारत अपने श्रम-प्रधान क्षेत्रों जैसे कपड़ा एवं चमड़ा के लिए शून्य शुल्क की मांग कर रहा है। दूसरी ओर, यूरोपीय संघ मोटर वाहन, चिकित्सकीय उपकरण, शराब, स्पिरिट, मांस व मुर्गी पालन में महत्वपूर्ण शुल्क कटौती और मजबूत बौद्धिक संपदा व्यवस्था की मांग कर रहा है। भारत और यूरोपीय संघ ने नौ साल के बाद एफटीए, निवेश संरक्षण समझौते एवं भौगोलिक संकेतकों पर समझौते के लिए जून 2022 में बातचीत फिर से शुरू की थी। बाजार खोलने के स्तर पर मतभेदों से 2013 में वार्ता रुक गई थी। 2024-25 में यूरोपीय संघ के साथ भारत का द्विपक्षीय व्यापार 136.53 अरब डॉलर का (जिसमें 75.85 अरब डॉलर का निर्यात और 60.68 अरब डॉलर का आयात था) था जिससे यूरोपीय संघ वस्तुओं का बड़ा भागीदार बन गया।

किसानों के परिश्रम का उत्सव पोंगल : मोदी

पोंगल उत्सव में शामिल हुए प्रधानमंत्री, वैश्विक पर्व की दी संज्ञा

- **कार्यक्रम में फिल्म पराशक्ति के कलाकारों समेत तमिल समाज के जाने-माने लोग थे शामिल**

नई दिल्ली, एजेंसी

पोंगल उत्सव के दौरान धार्मिक अनुष्ठान में शामिल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी और एल मुरुगन। - एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को दिल्ली में पोंगल समारोह में भाग लिया और कहा कि प्रकृति के साथ सौहार्दपूर्ण संतुलन का संदेश देने वाला यह पर्व अब वैश्विक बन गया है और दुनिया की पुरानी सभ्यताओं में से एक का प्रतिनिधित्व करता है। केंद्रीय सूचना और प्रसारण राज्य मंत्री एल. मुरुगन के आवास पर हुए समारोह में मोदी की मौजूदगी को तमिलनाडु के लोगों से संपर्क साधने के रूप में भी देखा जा रहा है, जहां कुछ महीने में विधानसभा चुनाव होने हैं। इस कार्यक्रम में हाल में रिलीज हुई फिल्म पराशक्ति के कलाकारों समेत तमिल समाज के कई जाने-माने लोग शामिल थे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इस पर्व पर किसानों के परिश्रम का उत्सव मनाया जाता है और पृथ्वी तथा सूर्य के प्रति कृतज्ञता प्रकट की जाती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पोंगल का त्योहार हमें याद दिलाता है कि आभार शब्दों से आगे बढ़कर जताया जाना चाहिए और हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का एक जरूरी हिस्सा बन जाना चाहिए। जब धरती हमें इतना कुछ देती है, तो यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम इसे संजोएं और इसकी रक्षा करें। कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी और राम मोहन नायडू सहित कई केंद्रीय मंत्री, नौकरशाह और समाज के विभिन्न वर्गों के लोग उपस्थित थे। तमिल फिल्म 'पराशक्ति' के अभिनेता शिवकार्तिकेयन और रवि मोहन तथा संगीतकार जी वी प्रकाश कुमार समेत फिल्म से जुड़े अन्य लोगों ने भी समारोह में शिरकत की।

तमिल सबसे पुरानी सभ्यताओं में से एक

मोदी ने कहा कि तमिल संस्कृति दुनिया की सबसे पुरानी सभ्यताओं में से एक है और इसमें सदियों की बुद्धिमत्ता और परंपरा है जो इतिहास से सबक लेकर भविष्य का रास्ता दिखाती है। इस विरासत से प्रेरणा लेते हुए आज का भारत आगे बढ़ने में इसकी सांस्कृतिक जड़ों से मजबूती लेता है। पोंगल पर हम महसूस कर रहे हैं कि भारत को आगे बढ़ाने वाली विश्वास और एकता की भावना इसकी संस्कृति से गहराई से जुड़ी है और इस धरा के लिए अपार सम्मान रखती है। पोंगल का पर्व प्रकृति, परिवार और समाज के बीच सौहार्दपूर्ण संतुलन बनाकर रखने के महत्व पर जोर देता है। मिट्टी की सेहत को बनाकर रखना, जल संरक्षित करना और भावी पीढ़ियों के लिए संसाधनों का विवेकपूर्ण इस्तेमाल आवश्यक है। मिशन 'लाइफ', 'एक पेड़ मां के नाम' और अमृत सरोवर जैसी पहल इसी भावना पर आधारित हैं और ये हमें इन मूल्यों को कायम रखने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

तमिल समुदाय को दी पोंगल की बधाई

मोदी ने कहा कि पोंगल लोगों को सिखाता है कि प्रकृति के प्रति कृतज्ञता केवल शब्दों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि दैनिक जीवन का हिस्सा भी होनी चाहिए। आज पोंगल वैश्विक पर्व बन गया है। तमिल संस्कृति में किसान को जीवन का आधार माना जाता है। तिरुक्कुरल (तमिल काव्य) में कृषि और किसानों के महत्व के बारे में विस्तार से बताया गया है। इससे पहले तमिलनाडु के लोगों और दुनिया भर में रह रहे तमिल समुदाय के लोगों को पोंगल पर बधाई देते हुए प्रधानमंत्री ने तमिल और अंग्रेजी भाषा में लिखे एक पत्र में कहा कि पोंगल उन सभी लोगों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का भी अवसर है जो अपने परिश्रम से हमारे जीवन को समृद्ध बनाते हैं। उन्होंने कहा कि प्रिय देशवासियों, वणक्कम (नमस्कार)! पोंगल के शुभ अवसर पर मैं आपको और आपके परिवार को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।

एक भारत, श्रेष्ठ भारत का जीवंत प्रतीक है काशी-तमिल संगमम

नरेंद्र मोदी

प्रधानमंत्री

कुछ दिन पहले ही मुझे सोमनाथ की पवित्र भूमि पर सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में हिस्सा लेने का सुअवसर मिला। इस पर्व को हम वर्ष 1026 में सोमनाथ पर हुए पहले आक्रमण के एक हजार साल पूरे होने पर मना रहे हैं। इस क्षण का साक्षी बनने के लिए देश के कोने-कोने से लोग सोमनाथ पहुंचे। यह इस बात का प्रमाण है कि भारतवर्ष के लोग जहां अपने इतिहास और संस्कृति से गहराई से जुड़े हैं, वहीं कभी हार ना मानने वाला साहस भी उनके जीवन की एक बड़ी विशेषता है। यही भावना उन्हें एक साथ जोड़ती भी है। इस कार्यक्रम के दौरान मेरी मुलाकात कुछ ऐसे लोगों से भी हुई, जो इससे पहले सौराष्ट्र-तमिल संगमम के दौरान सोमनाथ आए थे और इससे पहले काशी-तमिल संगमम के समय काशी भी गए थे। ऐसे मंचों को लेकर उनकी सकारात्मक सोच ने मुझे बहुत प्रभावित किया। इसलिए मैंने तय किया कि क्यों ना इस विषय पर अपने कुछ विचार साझा करूं।

'मन की बात' के एक एपिसोड के दौरान मैंने कहा था कि अपने जीवन में तमिल भाषा ना सीख पाने का मुझे बहुत दुख है। यह हमारा सौभाग्य है कि बीते कुछ वर्षों से हमारी सरकार तमिल संस्कृति को देश में और लोकप्रिय बनाने में निरंतर जुटी हुई है। यह 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को और सशक्त बनाने वाला है। हमारी संस्कृति में संगम का बहुत महत्त्व है। इस पहलू से भी काशी-तमिल संगमम एक अनूठा प्रयास है। इसमें जहां भारत की विविध परंपराओं के बीच अद्भुत सामंजस्य दिखता है, वहीं यह भी पता चलता है कि कैसे हम एक दूसरे की परंपराओं का सम्मान करते हैं।

काशी तमिल संगमम के आयोजन के लिए काशी सबसे उपयुक्त स्थान कहा जा सकता है। यह वही काशी है, जो अनादि काल से हमारी सभ्यता की धुरी बनी हुई है। यहां हजारों वर्षों से लोग ज्ञान, जीवन के अर्थ और मोक्ष की खोज में आते रहे हैं। काशी का तमिल समाज और संस्कृति से अत्यंत गहरा नाता रहा है। काशी बाबा विश्वनाथ की नगरी है, तो तमिलनाडु में रामेश्वरम तीर्थ है। तमिलनाडु की तेनकासी को दक्षिण की काशी या दक्षिण काशी कहा जाता है। पूज्य कुमारगुरुपरर् स्वामिजि ने अपनी विद्वता और आध्यात्म परंपरा के माध्यम से काशी और तमिलनाडु के बीच एक सशक्त और स्थायी संबंध स्थापित किया था। वर्ष 2022 में वाराणसी की धरती पर काशी-तमिल संगमम की शुरुआत हुई थी। इसका उद्देश्य यह था कि संगमम में समय-समय पर नए विषय जोड़े जाएं। नए और रचनात्मक तरीके अपनाए जाएं और इसमें लोगों की भागीदारी ज्यादा से ज्यादा हो। वर्ष 2023 के दूसरे आयोजन में टेक्नोलॉजी का बड़े पैमाने पर उपयोग किया गया, ताकि यह सुनिश्चित हो कि भाषा इसमें बाधा ना बने। इसके तीसरे संस्करण में इंडियन नॉलेज सिस्टम पर विशेष फोकस रखा गया। इसके साथ ही शैक्षिक संवादों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, प्रदर्शनियों और संवाद सत्रों में लोगों की बड़ी भागीदारी देखने को मिली। हजारों लोग इनका हिस्सा बने। काशी-तमिल संगमम का चौथा संस्करण दो दिसंबर, 2025 को आरंभ हुआ। इस बार की थीम बहुत रोचक थी- तमिल करकलम् यानि तमिल सीखें....। इससे काशी और दूसरी जगहों के लोगों को खूबसूरत तमिल भाषा सीखने का एक अनूठा अवसर मिला। संगमम के अलावा काशी की यात्रा भी यादगार बने, इसके लिए विशेष प्रयास किए गए। भारतीय रेल ने लोगों को तमिलनाडु से यूपी ले जाने के लिए विशेष ट्रेनें चलाईं। इस दौरान कई रेलवे स्टेशनों पर, विशेषकर तमिलनाडु में उनका खूब उत्साह बढ़ाया गया। सुंदर गीतों और आपसी चर्चाओं से ये सफर और आनंददायक बन गया। यहां मैं काशी और उत्तर प्रदेश के अपने भाइयों और बहनों की सराहना करना चाहूंगा, जिन्होंने काशी-तमिल संगमम को विशेष बनाने में अपना अद्भुत योगदान दिया है। वाराणसी का सांसद होने के नाते मेरे लिए ये गर्व और संतोष दोनों का विषय है। इस बार काशी-तमिल संगमम का समापन समारोह रामेश्वरम में आयोजित किया गया। जिसमें तमिलनाडु के सपूत उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन जी भी मौजूद रहे। काशी-तमिल संगमम का बहुत गहरा प्रभाव देखने को मिला है। इसके जरिए जहां सांस्कृतिक चेतना को मजबूती मिली है, वहीं शैक्षिक विमर्श और जनसंवाद को भी काफी बढ़ावा मिला है। इससे हमारी संस्कृतियों के बीच संबंध और प्रगाढ़ हुए हैं। इस मंच ने ''एक भारत, श्रेष्ठ भारत'' की भावना को आगे बढ़ाया है। इसलिए आने वाले समय में हम इस आयोजन को और वाइब्रेंट बनाने वाले हैं। ये वो भावना है, जो शताब्दियों से हमारे पर्व-त्योहार, साहित्य, संगीत, कला, खान-पान, वास्तुकला और ज्ञान-पद्धतियों का महत्वपूर्ण हिस्सा रही है। वर्ष का यह समय हर देशवासी के लिए बहुत ही पावन माना जाता है। लोग बड़े उत्साह के साथ संक्रांति, उत्तरायण, पोंगल, माघ बिहू जैसे अनेक त्योहार मना रहे हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि इन उत्सवों के साथ हमारी साझी विरासत और सामूहिक भागीदारी की भावना देशवासियों की एकता को और मजबूत करेगी।

ऑपरेशन सिंदूर अब भी जारी : सेना प्रमुख

नई दिल्ली, एजेंसी

- **जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने नेशनल कैडेट कोर के गणतंत्र दिवस शिविर को किया संबोधित**

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने बुधवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर देश के संकल्प और संयम का निर्णायक प्रदर्शन था और इसने देश की सेना और युवाओं की नैतिक ताकत तथा पेशेवर योग्यता को दर्शाया। भारतीय सशस्त्र बलों ने पिछले साल अप्रैल में हुए भयावह पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में छह-सात मई की रात को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था, जिसमें 100 आतंकियों को मार गिराया गया था। पहलगाम हमले में 26 बेगुनाह नागरिक मारे गए थे।

सेना प्रमुख ने नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) के गणतंत्र दिवस शिविर में कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भारत के संकल्प और संयम का निर्णायक प्रदर्शन था। इसने हमारे सशस्त्र बलों और हमारे युवाओं की नैतिक ताकत और पेशेवर योग्यता को दर्शाया। जनरल द्विवेदी ने एक दिन पहले ही पाकिस्तान को सख्त संदेश देते हुए कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर अभी जारी है और दुश्मन की किसी भी दुस्साहस वाली करतूत का सख्ती से जवाब दिया जाएगा। मंगलवार को सेना प्रमुख ने कहा था कि इस निर्णायक अभियान ने रणनीतिक सोच को पुनः आकार देने में मदद की और भारतीय सेना ने आतंकी ढांचे को खत्म करने के लिए गहराई तक हमला किया, जिससे इस्लामाबाद की लंबे समय से चली आ रही परमाणु बयानबाजी की हवा निकल गई। सेना प्रमुख ने बुधवार के आयोजन में पिछले साल मई में हुई निर्णायक सैन्य कार्रवाई में एनसीसी के योगदान को याद किया। अभियान के दौरान, देश भर में 75,000 से अधिक एनसीसी कैडेट ने नागरिक रक्षा, अस्पताल प्रबंधन, आपदा राहत और सामुदायिक सेवा के कार्यों में अथक स्वयंसेवा की।

ठंड से आम जनजीवन प्रभावित

नई दिल्ली, एजेंसी

पहाड़ों पर लगातार बढ़ रही ठंड से मैदानों में भी पारा लगातार गिरता ही जा रहा है। इससे आम जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। दिल्ली में बुधवार को कड़ाके की ठंड जारी है और न्यूनतम तापमान 3.8 डिग्री रहा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार न्यूनतम तापमान 3.8 डिग्री रहा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार दिल्ली की वायु गुणवत्ता बिगड़कर बेहद खराब श्रेणी में पहुंच गई और वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 354 दर्ज किया गया। सीपीसीबी के समीर एप के मुताबिक, 33 केंद्रों पर बहुत खराब, चार पर गंभीर और दो पर खराब रही।

हिसार में पारा 0.5 डिग्री

चंडीगढ़। हरियाणा के हिसार में तापमान 0.5 डिग्री रहा। राज्य के कई हिस्सों सहित पड़ोसी राज्य पंजाब में भी कोहरे से दृश्यता कम रही। हरियाणा के नारनौल में एक डिग्री और भिवानी में 1.2 डिग्री पारा रहा। पंजाब के बठिंडा और फरीदकोट में पारा 3.2 डिग्री रहा।

शोपियां में पारा -7.5

श्रीनगर। कश्मीर में तापमान के शून्य से नीचे गिरने से डल झील के कुछ हिस्सों का पानी जम गया। श्रीनगर में न्यूनतम तापमान -5.2 डिग्री रहा। वहीं, शोपियां घाटी में पारा -7.5 डिग्री रहा जो सबसे ठंड था। पहलगाम में तापमान -6, गुलमर्ग में -3.8, सोनमर्ग में -2.2 डिग्री पारा रहा।

वर्ल्ड ब्रीफ

काला सागर में यूनान के तेल टैंकरों पर ड्रोन से किया गया हमला

एथेंस। एक यूनानी समुद्री सुरक्षा फर्म ने मंगलवार को पुष्टि की कि उसके स्वामित्व वाले तीन टैंकरों पर दिन की शुरुआत में अज्ञात ड्रोन से हमला किया गया। ये टैंकर काला सागर में लंगर डाले खड़े थे और कैस्पियन पाइपलाइन कंसोर्टियम (सीपीसी) टर्मिनल पर कच्चे तेल के लादे जाने का इंतजार कर रहे थे। यूनानी आधिकारिक समाचार एजेंसी एएमएनए के अनुसार, सुरक्षा फर्म 'डियाप्लस' इस घटना की निगरानी कर रही है। उसने इन जहाजों की पहचान थेनामार्टिस के जहाज 'एमटी मटिल्डा' और लाइबेरिया के झंडे वाले दो जहाजों 'एमटी डेल्टा हार्मनी' आ 'एमटी डेल्टा सुप्रीम' के रूप में की है, जिन्हें डेल्टा टैंकर्स संचालित करता है। शुरुआती खबरों में कहा गया था कि इलाके में चार टैंकर ड्रोन हमले की चपेट में आए हैं।

पाकिस्तानी से शादी करने वाली भारतीय सिख महिला गिरफ्तार

लाहौर। पाकिस्तान यात्रा के दौरान नवंबर में एक स्थानीय मुस्लिम से शादी करने वाली भारतीय सिख महिला 48 वर्षीय सरबजीत कौर को गिरफ्तार कर लाहौर के एक सरकारी आश्रय गृह में भेज दिया गया है। सरबजीत उन 2,000 सिख तीर्थयात्रियों में शामिल थीं, जिन्होंने गुरु नानक जयंती से संबंधित समारोहों में भाग लेने के लिए पिछले साल नवंबर में भारत से वाघा सीमा के रास्ते पाकिस्तान में प्रवेश किया था। कुछ दिनों बाद तीर्थयात्री वतन लौट गए, लेकिन सरबजीत लापता हो गईं। लाहौर पुलिस ने बाद में बताया कि उसने पाकिस्तान पहुंचने के एक दिन बाद चार नवंबर को लाहौर से लगभग 50 किमी दूर शेखूपुरा जिले के नासिर हुसैन से शादी कर ली।

नेपाली कांग्रेस पार्टी विभाजित, गगन थापा नए अध्यक्ष चुने गए

काठमांडू। नेपाली कांग्रेस पार्टी बुधवार को औपचारिक रूप से विभाजित हो गई क्योंकि इसके महासचिवों गगन थापा और विश्व प्रकाश शर्मा के नेतृत्व वाले दो गुटों और पार्टी अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा के बीच बातचीत किसी समझौते पर पहुंचने में विफल रही। थापा को विशेष सम्मेलन में नेपाली कांग्रेस पार्टी का अध्यक्ष सर्वसम्मति से चुना गया। देश की सबसे पुरानी और सबसे बड़ी पार्टी उस समय टूट गई जब थापा और शर्मा द्वारा देउबा से पार्टी अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने की मांग को खारिज कर दिया गया। दोनों महासचिवों ने देउबा से शीर्ष पद से इस्तीफा देने और आगामी संसदीय चुनाव न लड़ने का आग्रह किया था।

घर में मृत पाए गए ग्रैमी पुरस्कार के लिए नामित संगीतकार जॉन फोर्टे

- नहीं साफ हुआ मौत का कारण, जांच में जुटी न्यूयॉर्क पुलिस

न्यूयॉर्क। 'फ्यूजीज' और 'रिफ्यूजी कैंप ऑल-स्टार्स' जैसे बैंड के साथ काम कर चुके एवं ग्रैमी पुरस्कार के लिए नामित संगीतकार जॉन फोर्टे का 50 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। पुलिस के मुताबिक, सोमवार दोपहर को मैसाचुसेट्स के चिलमार्क स्थित उनके घर में उनका शव पाया गया।

जॉन फोर्टे के परिवार में उनकी पत्नी लारा फुलर और दो बच्चे हैं। लारा पेशे से फोटोग्राफर हैं। चिलमार्क पुलिस प्रमुख सीन स्लाविन ने एक बयान में कहा कि इसमें किसी प्रकार की गड़बड़ी या मौत का स्पष्ट कारण नहीं मिला है। स्लाविन के अनुसार राज्य का चिकित्सा परीक्षक कार्यालय मामले की जांच कर रहा है। न्यूयॉर्क शहर के मूल निवासी फोर्टे में विलक्षण संगीत प्रतिभा थी। उन्होंने 20 वर्ष की आयु में ही फ्यूजीज के ग्रैमी-विजेता एल्बम द स्कोर और वाइक्लिफ जीन के ग्रैमी के लिए नामित एल्बम 'द कार्निवल' में काम करके प्रसिद्धि प्राप्त की। जॉन फोर्टे कई वाद्ययंत्र बजाने में माहिर थे। उनके एकल एल्बम पॉली सी और आई जॉन भी रिलीज हुए जिनमें कार्ली साइमन सहित कई अन्य कलाकारों ने काम किया था।

एक तीर से कई निशाने साधने की कोशिश

ग्रीनलैंड उत्तरी अटलांटिक और आर्कटिक महासागरों के बीच स्थित है और भौगोलिक रूप से उत्तरी अमेरिका महाद्वीप का हिस्सा है, लेकिन राजनीतिक रूप से डेनमार्क के अधीन एक स्वायत्त क्षेत्र है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से हाल ही में ग्रीनलैंड को हर हालत में अमेरिकी नियंत्रण में लाने की मंशा जताई गई है जिसने वैश्विक स्तर पर नई चिंताओं को जन्म दिया है। ट्रंप ग्रीनलैंड पर कब्जा कर एक तीर से कई निशाने साधना चाहते हैं। उनके प्रमुख उद्देश्यों में राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने के साथ ग्रीनलैंड के प्राकृतिक संसाधनों को हथियाना और आर्कटिक क्षेत्र में रूस और चीन के लगातार बढ़ते प्रभाव को सीमित करना शामिल है। हालांकि खुद अमेरिका में इस कदम को जोखिम भरा माना जा रहा है और इसका विरोध भी हो रहा है।

ग्रीनलैंड पर ट्रंप का दावा

ट्रंप की दिलचस्पी के कारण

- डोनाल्ड ट्रंप और अमेरिकी अधिकारी ग्रीनलैंड को उत्तरी अमेरिका की रक्षा और नाटो की निवारक रणनीति के लिए एक महत्वपूर्ण स्थान मानते हैं।
- यहां अमेरिका का पितुफिक स्पेस बेस मिसाइल चेतावनी और अंतरिक्ष निगरानी के साथ खास तौर पर रूस की गतिविधियों पर नजर रखता है।
- यह ग्रीनलैंड, आइसलैंड और यूके के बीच स्थित है जो अटलांटिक महासागर में रूसी नौसैनिक आंदोलनों की निगरानी के लिए महत्वपूर्ण है।
- ग्रीनलैंड में तेल, गैस, दुर्लभ पृथ्वी तत्व और महत्वपूर्ण खनिजों के बड़े और अप्रयुक्त भंडार हैं। बर्फ पिघलने के साथ इन तक पहुंच बन रही है।

ग्रीनलैंड की प्रमुख विशेषताएं

- दुनिया का सबसे बड़ा द्वीप है, जिसका लगभग 80% हिस्सा साल भर बर्फ की मोटी चादर से ढका रहता है।
- उत्तरी अमेरिका और यूरोप के बीच मध्य-अटलांटिक क्षेत्र में स्थित है, यहां लंबी और कठोर सर्दियां होती हैं।
- पश्चिम में कनाडा से डेविस जलडमरूमध्य, दक्षिण-पूर्व में डेनमार्क जलडमरूमध्य द्वारा विभाजित होता है।

अमेरिका को संभावित लाभ

- आर्कटिक क्षेत्र में अमेरिका को भारी बढ़त मिलेगी। रूस-चीन की महत्वाकांक्षाओं पर नियंत्रण पाना आसान हो जाएगा।
- ग्रीनलैंड में दुर्लभ पृथ्वी खनिजों, तेल-गैस के भंडारों के दोहन से अमेरिका की चीन जैसे देशों पर निर्भरता कम होगी।
- ग्लोबल वार्मिंग के कारण आर्कटिक की बर्फ पिघलने से नए समुद्री व्यापार मार्ग खुल रहे हैं। इन पर नियंत्रण होगा।

संभावित दुष्परिणाम

- ग्रीनलैंड की बर्फ की चादर वैश्विक समुद्र स्तर को नियंत्रित करती है। अमेरिकी गतिविधियों से पर्यावरण पर गंभीर प्रभाव पड़ सकते हैं।
- अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में कई जटिल परिणाम हो सकते हैं, रणनीतिक महत्व बदलने से सैन्य-राजनीतिक संतुलन प्रभावित हो सकता है।
- अंतर्राष्ट्रीय कानूनों, संधियों और संप्रभुता के सिद्धांतों को चुनौती, अंतर्राष्ट्रीय हित धारकों के राजनयिक संबंधों में तनाव आ सकता है।

रूस और चीन के संभावित कदम

रूस की ओर से आर्कटिक में अपनी सैन्य उपस्थिति बढ़ाने, उत्तरी समुद्री मार्ग पर नए सैन्य बेस बनाने की संभावना जताई जा रही है।

अमेरिका को जवाब देने के लिए रूस परमाणु पनडुब्बियों की तैनाती के साथ उत्तरी सीमा पर हाइपरसोनिक मिसाइलें तैनात कर सकता है।

चीन अपने पोलर सिल्क रोड विजन को बचाने के लिए रूस के साथ मिलकर निवेश बढ़ाएगा ताकि अमेरिका का प्रभाव कम किया जा सके।

बेकाबू ट्रंप पर लगाम लगाने के लिए अमेरिकी सांसदों ने रखा विधेयक

सैन्य शक्ति को सीमित करने का प्रस्ताव, कहा- ग्रीनलैंड पर हमले के लिए धन नहीं

वाशिंगटन, एजेंसी

लगातार आक्रामक तेवर दिखा रहे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ग्रीनलैंड सहित किसी भी नाटो सदस्य देश या क्षेत्र पर हमला करने या कब्जा करने से रोकने के लिए अमेरिका के सांसदों (सीनेटर) ने एक विधेयक पेश किया है। मंगलवार को पेश किए गए इस विधेयक 'नाटो यूनिटी प्रोटेक्शन एक्ट' में रक्षा विभाग और विदेश विभाग की ओर से किसी भी नाटो सदस्य देश के क्षेत्र की नाकेबंदी करने, कब्जा करने, विलय करने या नियंत्रण स्थापित करने के लिए धन के उपयोग पर रोक लगाने का प्रावधान है।

इसके अलावा, रिपब्लिकन पार्टी के सीनेटर डॉन बेकन ने डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसदों के साथ मिलकर एक ऐसा विधेयक पेश किया है जो राष्ट्रपति को ग्रीनलैंड पर कब्जा करने के लिए सैन्य बल का उपयोग करने से पहले ही रोकने का प्रयास करता है। बेकन ने एक बयान में लिखा, सोमवार को पेश किया गया 'नो फंड्स फॉर नाटो इन्वेजन एक्ट' विधेयक किसी भी नाटो सदस्य देश या नाटो-संरक्षित क्षेत्र पर आक्रमण के लिए संघीय धन के उपयोग को प्रतिबंधित करेगा। सांसदों ने 80 साल पुराने नाटो गठबंधन को अमेरिका और यूरोपीय सहयोगियों के बीच शांति और सहयोग की नींव' बताया और कहा कि इससे आर्थिक अवसर बढ़े हैं, सुरक्षा बेहतर हुई है और सहयोगियों के साथ शांति स्थापित हुई है।

सांसदों ने एक बयान में कहा, हमें भड़काऊ बयानबाजी बंद करनी चाहिए, अपने साझा अवसरों का लाभ उठाने के लिए मिलकर काम करना चाहिए और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उन लोगों के वास्तविक खतरों का मुकाबला करना चाहिए, जो हमारे मूल्यों को साझा नहीं करते हैं। बिल कीटिंग ने एक्स' पर लिखा, आज शाम मैंने द्विदलीय 'नो फंड्स फॉर नाटो इन्वेजन एक्ट' विधेयक पेश किया, जो ट्रंप प्रशासन को किसी भी नाटो सहयोगी के क्षेत्रों पर आक्रमण करने से रोकता है।

डेनमार्क-ग्रीनलैंड के नेता ट्रंप के खिलाफ एकजुट

नुक। रणनीतिक रूप से अहम आर्कटिक द्वीप पर कब्जा करने के अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आह्वान के खिलाफ डेनमार्क और उसके क्षेत्र ग्रीनलैंड के नेता एकजुट हो गए हैं। चेतावनी दी गई है कि इस विशाल द्वीप पर कब्जा करने या इसे अलग होने के लिए मजबूर करने का अमेरिकी प्रयास ट्रांसअटलांटिक गठबंधन को तोड़ देगा जो द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सुरक्षा का एक मुख्य आधार रहा है। डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन और ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री जेंस फ्रेडरिक नीलसन ने अपनी एकजुटता पर जोर देने की कोशिश की। कोपनहेगन में संयुक्त संवाददाता सम्मेलन के दौरान फ्रेडरिक्सन ने कहा, प्रिय ग्रीनलैंडवासियों आपको यह जानना चाहिए कि हम आज एक साथ खड़े हैं, हम कल भी एक साथ खड़े रहेंगे और आगे भी साथ रहेंगे। अगर हमें अभी और यहीं अमेरिका और डेनमार्क के बीच चुनना पड़े तो हम डेनमार्क को चुनेंगे। हम नाटो को चुनेंगे। हम डेनमार्क साम्राज्य को चुनेंगे। हम यूरोपीय संघ को चुनेंगे।

ट्रंप ने कहा- ग्रीनलैंड पर नियंत्रण से कम कुछ भी स्वीकार नहीं करेंगे

नुक (ग्रीनलैंड)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि ग्रीनलैंड पर अमेरिका के नियंत्रण से कम कुछ भी स्वीकार नहीं है। उन्होंने यह टिप्पणी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस द्वारा डेनमार्क और ग्रीनलैंड के अधिकारियों की मेजबानी के लिए आयोजित वार्ता से कुछ घंटे पहले की। ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच पर यह दलील दोहराई कि अमेरिका को राष्ट्रीय सुरक्षा के उद्देश्य से ग्रीनलैंड की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, इसे हासिल करने के लिए नाटो को अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए अन्यथा रूस या चीन इसे हासिल कर लेंगे। ट्रंप ने लिखा, ग्रीनलैंड के अमेरिका के हाथों में आने से नाटो कहीं अधिक शक्तिशाली और प्रभावी बन जाएगा। वेंस का बुधवार को वाशिंगटन में डेनमार्क के विदेश मंत्री लार्स लोके रासमुसेन और उनके ग्रीनलैंड के समकक्ष विवियन मोट्ज़फेल्ड से इस पूरे मुद्दे पर बैठक करने का कार्यक्रम है।

नशे में थे जुबिन गर्ग, लाइफ जैकेट पहनने से भी कर दिया था इन्कार

सिंगापुर, एजेंसी

सिंगापुर की एक अदालत को बुधवार को बताया गया कि असम के गायक जुबिन गर्ग पिछले साल सितंबर में लाजरस द्वीप के पास काफी नशे में थे और उन्होंने लाइफ जैकेट पहनने से मना कर दिया था। इसके बाद वह डूब गए थे। सिंगापुर पुलिस को उनकी मृत्यु में किसी प्रकार की साजिश का संदेह नहीं है। गर्ग 19 सितंबर 2025 को एक नौका पर कुछ लोगों के साथ थे, जब सिंगापुर में नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल में प्रस्तुति देने से एक दिन पहले डूबने से उनकी मृत्यु हो गई।

चैनल 'न्यूज एशिया' की खबर के अनुसार, मुख्य जांच अधिकारी ने अदालत को बताया कि गर्ग ने शुरू में लाइफ जैकेट पहनी थी, लेकिन बाद में उसे उतार दिया और फिर उन्हें दी गई दूसरी लाइफ जैकेट को पहनने से भी इन्कार कर दिया। चैनल ने अधिकारी के हवाले से बताया कि उस समय गर्ग काफी नशे में थे और कई प्रत्यक्षदर्शियों ने उन्हें नौका की ओर वापस तैरने की कोशिश करते देखा, तभी वह शिथिल पड़ गए और उनका शरीर पानी पर उतराता नजर आया। गर्ग को तुरंत नौका पर वापस लाया गया और उन्हें कार्डियोपल्मोनरी रिसुसिटेशन (सीपीआर) दिया गया, लेकिन उसी दिन बाद में उन्हें चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। अदालत को बताया गया कि गायक उच्च रक्तचाप और मिर्गी से पीड़ित थे और उन्हें 2024 में इसका दौरा पड़ा था। यह हालांकि स्पष्ट नहीं है कि घटना वाले दिन उन्होंने मिर्गी की अपनी नियमित दवा ली थी या नहीं, क्योंकि प्रत्यक्षदर्शियों के साक्ष्य यह साबित करने के लिए अपर्याप्त हैं कि उन्होंने वास्तव में दवा ली थी। गर्ग का पोस्टमार्टम करने वाले फोरेंसिक विशेषज्ञ ने गवाही में कहा कि यह निर्धारित नहीं किया जा सकता कि उन्हें दौरा पड़ा था या नहीं।

- सिंगापुर की अदालत को जांच अधिकारी ने दी जानकारी, कहा- साजिश का कोई संदेह नहीं

भारत में हत्या का केस

भारत में मामले की जांच कर रही एक एसआईटी ने महोत्सव के आयोजक श्यामकानु महंत, गायक के सचिव सिद्धार्थ शर्मा और उनके बैंड के दो सदस्यों शेखरज्योति गोस्वामी और अमृतप्रवा महंत पर हत्या का आरोप लगाया है। गर्ग के चचेरे भाई संदीपन पर गैर इरादतन हत्या का आरोप लगाया गया है।

सिंगापुर की अदालत में पुलिस ने रखे ये तथ्य

- जांच अधिकारी ने घटनाओं का सिलसिलेवार ब्योरा देते हुए बताया कि पहली बार तैरने के दौरान गर्ग ने अपनी लाइफ जैकेट उतार दी थी और बाद में नौका पर वापस जाकर उन्होंने कहा था कि वह थक गए हैं।
- जब उन्होंने दोबारा तैरना शुरू करने का फैसला किया तो जुबिन को एक दूसरी छोटी लाइफ जैकेट दी गई, लेकिन उन्होंने उसे पहनने से इन्कार कर दिया। वह बिना लाइफ जैकेट के पानी में उतरे।
- जुबिन के शव का पोस्टमार्टम करने पर पता चला कि उनकी मृत्यु डूबने से हुई थी। चैनल के अनुसार, उनके शरीर पर कुछ चोटें पाई गईं, लेकिन ये चोटें सीपीआर और बचाव प्रयासों के दौरान आई थीं।
- प्रयोगशाला जांच में जुबिन गर्ग के रक्त में उच्च रक्तचाप और मिर्गी की दवाएं पाई गईं, अन्य कोई दवा नहीं पाई गई। प्रयोगशाला जांच में पाया गया कि गर्ग के रक्त में अल्कोहल की सांद्रता 333 मिलीग्राम प्रति 100 मिलीलीटर थी, जो गंभीर नशे का संकेत देती है, जिसके कारण स्वास्थ्य समस्या हुई। सिंगापुर में कानूनी सीमा प्रति 100 मिलीलीटर रक्त में 80 मिलीग्राम अल्कोहल की है।

बांग्लादेश में अगले हफ्ते शुरू होगा चुनाव प्रचार

ढाका, एजेंसी

- संशोधित चुनाव कार्यक्रम घोषित, यूनुस ने कहा- 12 फरवरी को ही होगा चुनाव

बांग्लादेश में 22 जनवरी से कड़ी सुरक्षा के बीच चुनाव प्रचार शुरू होगा। आम चुनाव 12 फरवरी को होंगे, जो अगस्त 2024 में छात्रों के हिंसक प्रदर्शन में शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार के सत्ता से बेदखल होने के बाद पहले चुनाव होंगे। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, संशोधित चुनाव कार्यक्रम के मुताबिक, निर्वाचन अधिकारियों के फैसलों के खिलाफ अपील का निपटारा 10 से 18 जनवरी के बीच किया जाएगा।

चुनाव प्रक्रिया में उम्मीदवारी वापस लेने की अंतिम तारीख 20 जनवरी है। निर्वाचन अधिकारी 21 जनवरी को उम्मीदवारों की अंतिम सूची प्रकाशित करेंगे और चुनाव चिन्ह आवंटित करेंगे। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार चुनाव प्रचार 22 जनवरी से शुरू होकर 10 फरवरी को सुबह 7:30 बजे तक चलेगा। मतदान 12 फरवरी को सुबह 7:30 बजे से शाम 4:30 बजे तक होगा।

मंगलवार को मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने पुष्टि की कि उनकी सरकार 12 फरवरी को निर्धारित समय पर आम चुनाव कराने के लिए प्रतिबद्ध है। मतदान स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण होगा। मुख्य सलाहकार ने ये टिप्पणी उस समय की जब दो पूर्व वरिष्ठ अमेरिकी राजनयिक अल्बर्ट गॉम्बिस और मॉर्स टैन ने मंगलवार रात ढाका के स्टेट गेस्ट हाउस जमुना में उनसे मुलाकात की। दोनों डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के दौरान सेवा कर चुके हैं।

ग्लोबल टीचर प्राइज : मुंबई की शिक्षिका रूबल नागी ने अंतिम 10 प्रतिभागियों में जगह बनाई

लंदन। मुंबई की कला और सामाजिक विज्ञान शिक्षिका रूबल नागी को बुधवार को लंदन के प्रतिष्ठित 'ग्लोबल टीचर प्राइज' के लिए शीर्ष 10 प्रतिभागियों में शामिल किया गया।

रूबल नागी भारत की झुग्गी बस्तियों और ग्रामीण इलाकों में शिक्षा के क्षेत्र में सक्रिय हैं और 'रूबल नागी आर्ट फाउंडेशन' तथा 'मिसाल इंडिया' की संस्थापक हैं। वह ब्रिटेन स्थित वार्की फाउंडेशन द्वारा आयोजित 'ग्लोबल टीचर प्राइज', 2026 की दौड़ में शामिल हैं, जिसे जेम्स एजुकेशन के सहयोग से और संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) के साथ मिलकर आयोजित किया जाता है। दस लाख डॉलर का यह पुरस्कार विश्वभर में शिक्षकों की असाधारण उपलब्धियों को सम्मानित करने और समाज में उनकी भूमिका को रेखांकित करने के उद्देश्य से दिया जाता है। इस वर्ष इसके लिए दुनिया भर से एक लाख से अधिक आवेदन और नामांकन प्राप्त हुए हैं।

इजराइल ने ईरान से बढ़ते तनाव के बीच तेज कीं अपनी सैन्य तैयारियां

- सुरक्षा कैबिनेट की बैठक बुलाई कई सैन्य टुकड़ियां हाई अलर्ट पर

यरूशलम, एजेंसी

इजराइल ने ईरान के साथ तनाव बढ़ने की आशंका के मद्देनजर सैन्य तैयारियों को तेज कर दिया है। इजराइल के 'आर्मी रेडियो' की रिपोर्ट के अनुसार इजराइल रक्षा बल (आईडीएफ) ने ईरान से जुड़े संभावित सैन्य टकराव की आशंका को देखते हुए तैयारी बढ़ा दी है और इसके साथ कई सैन्य टुकड़ियों को हाई अलर्ट पर रखा है।

प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने बताया कि ईरान से जुड़े घटनाक्रमों पर चर्चा करने के लिए राजनीतिक-सुरक्षा कैबिनेट की पहले से निर्धारित बैठक को बुलाया गया है। इजराइल के सार्वजनिक प्रसारक 'कान' ने बताया कि पिछले 24 घंटों के दौरान इजराइल की हवाई रक्षा प्रणालियों में बदलाव किए गए हैं, जिसमें 'आयरन डोम इंटरसेप्टर सिस्टम' की तैनाती भी शामिल है। इजराइली अधिकारियों के अनुसार, ईरान तब तक इजराइल पर हमला नहीं करेगा, जब तक अमेरिका उस पर बड़े पैमाने पर हमला नहीं करता। फिलहाल आरक्षित सैनिकों को तुरंत बुलाए जाने का कोई आदेश नहीं दिया गया है। ये कदम अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उन टिप्पणियों के बाद उठाए गए हैं, जिनमें उन्होंने ईरानियों से विरोध प्रदर्शन जारी रखने का आग्रह किया था और कहा था कि मदद आने वाली है।

ईरान में जारी हैं सरकार विरोधी प्रदर्शन।

श्रीलंका की नौसेना ने गिरफ्तार किए 10 भारतीय मछुआरे

कोलंबो। श्रीलंका की नौसेना ने देश के जलक्षेत्र में मछली पकड़ने के आरोप में 10 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार करने के साथ उनकी एक नौका जब्त की है।

नौसेना ने कहा कि ये गिरफ्तारियां सोमवार को डेल्फ्ट द्वीप के पास उत्तरी समुद्री क्षेत्र में की गईं। गिरफ्तार किए गए 10 भारतीय मछुआरों और जब्त नौका को कानूनी कार्रवाई के लिए जाफना के मायलिड्डी स्थित मत्स्य निरीक्षक के हवाले कर दिया गया है। एक-दूसरे के जलक्षेत्र में अनजाने में प्रवेश करने के कारण अक्सर दोनों देशों के मछुआरों की गिरफ्तारियां होती रहती हैं। मछुआरों का मुद्दा भारत और श्रीलंका के संबंधों में एक विवादास्पद विषय बना हुआ है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 15 जनवरी, गुरुवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- माघ, पक्ष-कृष्ण पक्ष, द्वादशी 20.16 तक तत्पश्चात त्रयोदशी।

आज का पंचांग

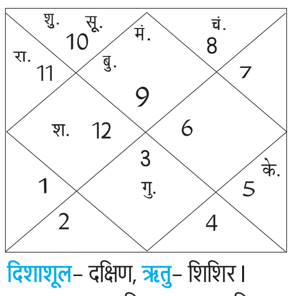

दिशाशूल- दक्षिण, **ऋतु**- शिशिर।

चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, वृश्चिक, मकर, कुंभ।

ताराबल- अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती।

नक्षत्र- ज्येष्ठा 16 जनवरी 05.47 तक तत्पश्चात मूल।

मेष - आज कारोबार में मनोनुकूल परिणाम मिलने की संभावना कम है। अनावश्यक खर्चों के कारण आपका बजट गड़बड़ा सकता है। आप काफी व्यस्त रहेंगे। बच्चों की गलत गतिविधियों को नजरअंदाज न करें। विरोधी आपकी आलोचना करेंगे।

वृष - आज बुद्धिमान लोगों की संगत प्राप्त होगी। दूसरों के मामलों में हस्तक्षेप करने से आपको बचना चाहिए। आपका मूड काफी अच्छा रहेगा। किसी नई विधा का प्रयोग आप सीख सकते हैं। वैवाहिक जीवन खुशहाल रहेगा।

मिथुन - आज परिवार के साथ आप अच्छा समय बिताएंगे। रुके हुए काम को पूरा करने में सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा। व्यापार वृद्धि के लिए लोन ले सकते हैं। दूसरों की मदद करने से आत्मिक संतोष की अनुभूति होगी।

कर्क - आज सुबह से आप काफी ऊर्जावान महसूस करेंगे। आपके सामाजिक दायरे में वृद्धि होगी। व्यवसाय में उत्तम परिणाम प्राप्त होंगे। महत्वपूर्ण कार्यों की योजना बना सकते हैं। जीवनसाथी के साथ अपने मन की इच्छाओं को शेयर करना हितकर होगा।

सिंह - आज आपकी छोटी-छोटी गलतियों को लोग बड़ा करके दिखाएंगे। स्वभाव में चिड़चिड़ापन रहेगा। पुरानी बातें दोबारा सामने उभर के आ सकती हैं। सहकर्मियों के साथ झगड़ा हो सकता है। पेट में दर्द की शिकायत हो सकती है।

कन्या - आज आपको कुछ अच्छा सीखने को मिलेगा। किसी जरूरी काम से आपको यात्रा करनी पड़ सकती है। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे लोगों को शुभ परिणाम मिल सकते हैं। बच्चे अपने घर के बुजुर्गों के साथ समय बिताना पसंद करेंगे।

तुला - आज घर के बड़े आपसे काफी प्रसन्न रहेंगे। घर की साज-सजावट पर ध्यान देंगे। पारिवारिक जीवन बेहद सुखद रहेगा। दोस्तों के साथ दर्शनीय स्थल का आनंद ले सकते हैं। स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद उठाएंगे। यात्रा पर जाने का विचार कर सकते हैं।

वृश्चिक - आज धन की कमी का सामना करना पड़ सकता है। जो भी काम करें पहले उसकी योजना बना लें। शरीर में थकावट और कमजोरी महसूस हो सकती है। युवा वर्ग गलत वृत्तियों की तरफ आकर्षित हो सकते हैं।

धनु - आज पहले हुए नुकसान की भरपाई हो सकती है। प्रभावशैली लोगों के साथ आपके संबंध मधुर होंगे। कामकाजी महिलाओं के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। व्यवसाय में तेजी रहेगी। घर के किसी सदस्य के विवाह को लेकर चर्चा जोर पकड़ेगी।

मकर - आज बेवजह के मामलों में आपको फंसने से बचना चाहिए। छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा न करें। नौकरी पेशा लोग अपनी जॉब को लेकर थोड़े तनाव में रहेंगे। मानसिक रूप से थोड़े परेशान होने की संभावना बन रही है।

कुंभ - आज प्राइवेट जॉब कर रहे लोगों की आय में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन बहुत सुखमय रहेगा। आप आत्मविश्वास से भरपूर रहेंगे। नई जॉब की शुरुआत हो सकती है। नई संपत्ति खरीदने के योग बन रहे हैं। लवमेट्स प्रेम विवाह की योजना बना सकते हैं।

मीन - आज सीनियर्स आपकी बातों को काफी गंभीरता से लेंगे। आप अपने काम को लेकर दूसरों पर निर्भर रहेंगे। कार्यक्षेत्र में आप बड़ा प्रयोग करना चाहते हैं, लेकिन उसे करने में आपको कठिनाई महसूस होगी। पड़ोसियों के साथ आपके संबंध मधुर होंगे।

सुडोकू -32

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

8			9					2
	5		4		8			7
3		1	6			8		5
			8			2		3
9								1
4		6			7			
7		8			5	3		6
2			7		3		9	
1					4			8

सुडोकू - 31 का हल

5	3	4	6	7	2	1	8	9
8	2	6	1	9	5	7	3	4
1	7	9	4	8	3	6	5	2
7	8	2	9	3	1	5	4	6
4	1	5	7	2	6	3	9	8
6	9	3	8	5	4	2	7	1
2	4	7	5	6	8	9	1	3
9	6	8	3	1	7	4	2	5
3	5	1	2	4	9	8	6	7

> वापस आकर बहुत अच्छा लग रहा है। साढ़े चार साल बाद, मैं नए जोश और एक अलग दृष्टिकोण के साथ लौटा हूं, ताकि टीम के विकास में मदद कर सकूं और खिलाड़ियों को विश्व मंच पर अपनी पूरी क्षमता हासिल करने में मदद कर सकूं।
> –शोर्ड मारिन

स्टेडियम

हल्द्वानी, गुरुवार, 15 जनवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

महिला हॉकी टीम से जुड़े मारिन

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम के कोच शोर्ड मारिन एक बार फिर से राष्ट्रीय टीम के साथ मुख्य कोच के तौर पर जुड़ गये है। मारिन का इस टीम के साथ 2017 से 2021 तक का कार्यकाल सफल रहा था। मारिन को करीब दो सप्ताह पहले दोबारा इस पद पर नियुक्त किया गया था। टोक्यो ओलंपिक में टीम को ऐतिहासिक चौथा स्थान दिलाने के बाद यह उनकी भारतीय महिला टीम के कोचिंग प्रणाली में उनकी वापसी है। हॉकी इंडिया ने मारिन की फोटो साझा की।

एटलेटिको क्वार्टर फाइनल में

मैड्रिड। एंटोनी ग्रिजमैन ने फ्री किक पर दर्शनीय गोल किया जिससे एटलेटिको मैड्रिड ने डेपोर्टिवो ला कोरुना को 1–0 से पराजित करके कोपा डेल रे फुटबॉल टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की। ग्रीज़मैन ने 61वें मिनट में बाएं पैर से करारा शॉट लगाकर यह गोल किया जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ। इस तरह से 34 वर्षीय ग्रीजमैन ने पिछले छह मैचों में पांचवां गोल दागा। एटलेटिको मैड्रिड की टीम सऊदी अरब में खेले गए स्पेनिश सुपर कप के सेमीफाइनल में रियाल मैड्रिड से 1–2 से हार गई थी। कोपा डेल रे के अन्य मैचों में रियाल सोसिदाद ने ओसासुना को पेनल्टी शूटआउट में 4–3 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया।

भारत को बांग्लादेश ने ड्रॉ पर रोका

नॉनथबुरी (थाईलैंड)। भारतीय पुरुष टीम को बुधवार को यहां नॉनथबुरी स्टेडियम में सैफ फुटसल चैंपियनशिप 2026 के अपने पहले मैच में बांग्लादेश ने रोमांचक 4–4 से ड्रॉ पर रोक दिया। पहले हाफ में अनमोल अधिकारी (12′) और लालसावमपुइया (20′) के गोल के बाद के रोलुआहपुइया ने फुटसल टाइगर्स के लिए 27वें और 36वें मिनट में दो गोल किए।

राहुल के शतक पर भारी पड़े मिचेल, कीवियों ने बराबरी की

दूसरा एकदिवसीय मुकाबला : टीम इंडिया 7 विकेट से परास्त

भारत 284/7
न्यूजीलैंड 286/3

राजकोट एजेंसी

क्रिस्टियन क्लार्क (तीन विकेट) के बाद डैरिल मिचेल (नाबाद 131) और विल यंग (87) रनों की शानदार पारियों की बदौलत न्यूजीलैंड ने बुधवार को दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में 15 गेंदें शेष रहते भारत को सात विकेट से हरा दिया। इसी के साथ न्यूजीलैंड ने तीन मैचों की सीरीज में 1-1 से बराबरी कर ली है।

285 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 22 के स्कोर पर डेवन कॉन्वे (16) का विकेट गंवा दिया। कॉन्वे को हर्षित राणा ने बोल्ड आउट किया। 13वें ओवर में प्रसिद्ध कृष्णा ने हेनरी निकल्स (12) को अपना शिकार बना लिया। इसके बाद विल यंग और डैरिल मिचेल की जोड़ी ने तीसरे विकेट के लिए 162 रन जोड़ कर न्यूजीलैंड के मैच जीतने की नींव रखी। 38वें ओवर में कुलदीप यादव ने विल यंग को आउटकर भारत के मैच जीतने की उम्मीद को जिंदा करने का प्रयास किया। विल यंग ने 98 गेंदों में सात चौकों की मदद से 87 रनों की पारी खेली। न्यूजीलैंड ने 47.3 ओवर में तीन विकेट पर 286 रन बनाकर मुकाबला सात विकेट से अपने नाम कर लिया। डैरिल मिचेल 117 गेंदों में 11चौके और दो छक्के उड़ाते हुए नाबाद 131 रनों की पारी खेली। ग्लेन फिलिप्स 32 रन बनाकर नाबाद रहे। भारत के लिए हर्षित राणा, प्रसिद्ध कृष्णा और कुलदीप यादव ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले के एल राहुल (नाबाद 112) की शतकीय पारी और कप्तान शुभमन गिल (56) के अर्धशतक की बदौलत भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ सात विकेट पर 284 रन का सम्मानजनक स्कोर बनाया। पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे राहुल ने 92 गेंदों में नाबाद 112 रनों की पारी में 11 चौके और एक छक्का लगाया। राहुल का यह वनडे में आठवां शतक है। राहुल ने रवींद्र जडेजा के साथ 88 गेंदों में 73 रन, नीतीश कुमार रेड्डी के साथ 49 गेंदों में 57 रन बनाए।

शतक लगाने के बाद जश्न मनाते न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डैरिल मिचेल। एजेंसी

112 रन
92 गेंद
11 चौके
01 छक्का
केएल राहुल।

डेथ-ओवर्स में राहुल साबित कर रहे हैं अपना दबदबा

राजकोट। वनडे इंटरनेशनल में केएल राहुल की असली वैल्यू अब पारी के आखिरी फेज में महसूस की जा रही है, और बुधवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ उनका नाबाद शतक इस बात का एक और सबूत था कि जब प्रेशर सबसे ज्यादा होता है, तो वह कितने निर्णायक बन जाते हैं। राहुल ने यहां निरंजन शाह स्टेडियम में बिना किसी जल्दबाजी के 112 रन बनाकर अपना आठवां वनडे शतक पूरा किया, और एक बार फिर सबसे मुश्किल समय में टीम को संभाला। यह मील का पत्थर शानदार तरीके से हासिल हुआ, जब काइल जैमीसन ने राहुल के पैड्स पर फुल टॉस फेंकी, जिसे दाएं हाथ के बल्लेबाज ने शांति से आगे बढ़कर लॉन्ग–ऑन के ऊपर से छक्के के लिए भेज दिया। हेलमेट उतारकर और बल्ला उठाकर, राहुल ने शांत आत्मविश्वास के साथ इस पल का जश्न मनाया। भारत 118 रन पर 4 विकेट गंवाकर कुछ मुश्किल में था, लेकिन राहुल की मौजूदगी से तुरंत स्थिरता आई। उन्होंने शुरुआत में तेजी लाने की जल्दबाजी नहीं की, गैप्स का फायदा उठाया और तेजी लाने के लिए सही पलों का इंतजार किया, पारी को आगे बढ़ाया और आखिरी ओवरों में कमान संभाली। उनका हालिया प्रदर्शन इस फिनिशिंग रोल को दिखाता है। राहुल के पिछले चार वनडे स्कोर अब 60, 66 नाबाद, 29 नाबाद और 112 नाबाद हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ, उनके आंकड़े और भी प्रभावशाली हैं – 10 पारियों में 93 .8 की औसत और 111 .13 के स्ट्राइक रेट से 469 रन, जिसमें दो शतक और एक अर्धशतक शामिल है, बुधवार का नाबाद 112 उनका सर्वोच्च स्कोर है। इसका असर डेथ ओवरों में सबसे साफ दिखता है।

वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे कोहली

दुबई। भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने वडोदरा में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की श्रृंखला के पहले मैच में शानदार अर्धशतक बनाने के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में रोहित शर्मा को पीछे छोड़कर फिर से शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है।

यह 37 वर्षीय बल्लेबाज जुलाई 2021 के बाद पहली बार नंबर एक रैंकिंग पर पहुंचा है। पहले वनडे में सस्ते में आउट होने के कारण पूर्व कप्तान रोहित तीसरे स्थान पर खिसक गए हैं। भारत ने रविवार को खेले गए पहले मैच में न्यूजीलैंड को चार विकेट से हराया था। इस मैच में कोहली ने 91 गेंदों पर 93 रन बनाए। इस पारी के दौरान वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में सचिन तेंदुलकर के बाद दूसरे स्थान पर पहुंच गए।

वनडे में कोहली का हाल का प्रदर्शन शानदार रहा है। उन्होंने पिछले पांच मैच में कम से कम अर्धशतक जरूर लगाया। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नाबाद 74 रन, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 135, 102 और नाबाद 65 रन और न्यूजीलैंड के खिलाफ 93 रन बनाए। कोहली ने अक्टूबर 2013 में पहली बार शीर्ष रैंकिंग हासिल की थी। उन्होंने 11वीं बार बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया है। वह अब तक कुल 825 दिन शीर्ष पर रह चुके हैं जो किसी भारतीय बल्लेबाज का रिकॉर्ड है। भारत के वनडे कप्तान शुभमन गिल ने 5वां स्थान बरकरार रखा है, वहीं श्रेयस अय्यर शीर्ष 10 में शामिल अन्य भारतीय बल्लेबाज हैं।

दिल्ली ने यूपी को 154 रनों पर रोका

नवी मुंबई, एजेंसी

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ हरलीन देओल को 47 रन पर 'रिटायर्ड आउट' करने का विवादास्पद फैसला यूपी वॉरियर्स के काम नहीं आया जिससे टीम महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) मैच में बुधवार को यहां आठ विकेट पर 154 रन ही बना सकी।

यूपी वॉरियर्स की शीर्ष क्रम की समस्याएं जारी रहीं और किरण नवगिरे खाता खोले बिना ही आउट हो गईं। कप्तान मेग लैनिंग ने 38 गेंदों में 54 रन बनाकर टीम की सर्वोच्च स्कोरर रही जबकि नंबर तीन पर बल्लेबाजी करने उतरी फोबे लिचफील्ड (20 गेंदों में 27 रन) पावरप्ले के तुरंत बाद स्नेह राणा की पहली ही गेंद पर स्टंप आउट हो गईं। लैनिंग और हरलीन ने तीसरे विकेट के लिए 85 रनों की साझेदारी कर पारी को संभाला लेकिन आखिरी ओवरों में तेजी से रन बनाने की उम्मीद पूरी नहीं हो सकी। टीम प्रबंधन ने बड़े शॉट्स की तलाश में 17वें ओवर की शुरुआत से पहले हरलीन को रिटायर्ड आउट करने का फैसला किया।

इसके बाद आई क्लो ट्रायोन की पारी सिर्फ तीन गेंदों तक ही चल सकी। इससे पहले मंगलवार रात गुजरात जायंट्स की आयुषी सोनी इस लीग के छोटे से इतिहास में रिटायर्ड आउट होने वाली पहली बल्लेबाज बनी थीं। यूपी वॉरियर्स ने आखिरी पांच ओवरों में छह विकेट गंवाए और केवल 24 रन ही बना सकीं। शेफाली वर्मा ने आखिरी ओवर में दो विकेट चटकाये। उनके अलावा मारिजान काप ने भी दो सफलता हासिल की।

अर्धशतकीय पारी के दौरान शॉट लगातीं यूपी वॉरियर्स की कप्तान मेग लैनिंग। एजेंसी

यूपी और पंजाब के बीच होगा पीडब्ल्यूएल का आगाज

नोएडा। यूपी डोमिनेटर्स टीम के सामने प्रो रेसलिंग लीग (पीडब्ल्यूएल) के मौजूदा सत्र के शुरुआती मैच में पंजाब रॉयल्स की चुनौती होगी। इस मुकाबले में सबसे ज्यादा नजरें दो बार की अंडर-20 विश्व चैंपियन और एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता अंतिम पंघाल पर होंगी। अंतिम महिला 53 किग्रा वर्ग में पंजाब रॉयल्स की मीनाक्षी से भिड़ेंगी।

महिला 62 किग्रा वर्ग में राष्ट्रमंडल खेलों की रजत पदक विजेता एना गोडिनेज का मुकाबला अंडर-23 विश्व पदक विजेता निशा दहिया से होगा हैवीवेट (125 किग्रा) वर्ग में यूपी डोमिनेटर्स के 19 वर्षीय एशियाई चैंपियनशिप रजत पदक विजेता जसपूरन सिंह का सामना पंजाब के आकाश से हो सकता है। यूक्रेन के वासिल पुरुषों के मिडलवेट वर्ग (86 किग्रा) में बागोमेदोव से भिड़ेंगे।

कर्नाटक और विदर्भ के बीच पहला सेमीफाइनल आज

- विजय हजारे ट्रॉफी का मुकाबला दोपहर 1:30 बजे से
- बेहतरीन फॉर्म में चल रहे देवदत्त पडिक्कल पर रहेगी नजर

बेंगलुरु, एजेंसी

बेहतरीन फॉर्म में चल रहे देवदत्त पडिक्कल कर्नाटक और विदर्भ के खिलाफ गुरुवार को यहां होने वाले विजय हजारे ट्रॉफी के पहले सेमीफाइनल में दोनों टीमों के बीच मुख्य अंतर पैदा कर सकते हैं। पडिक्कल इस समय शानदार बल्लेबाजी कर रहे हैं।

उन्होंने अपनी बेहतरीन फॉर्म का नजारा मुंबई के खिलाफ सेमीफाइनल में किया था जहां उनके नाबाद अर्धशतक की मदद से कर्नाटक ने जीत हासिल की थी। इस 25 वर्षीय खिलाड़ी ने मौजूदा सत्र में चार शतक लगाए हैं और वह टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष पर पहुंच गए हैं। उनके अलावा कर्नाटक की टीम में कप्तान मयंक अग्रवाल, करुण नायर और अभिनव मनोहर जैसे अनुभवी बल्लेबाज हैं जिससे वह इस विभाग में काफी मजबूत नजर आ रहा है।

कर्नाटक के गेंदबाजों ने भी अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है। विद्वथ कावेरप्पा, अभिलाष शेट्टी, विद्याधर पाटिल और विजयकुमार वैशाक की उसकी तेज गेंदबाजी की चौकड़ी ने इस सत्र में लगातार शानदार प्रदर्शन किया है। विदर्भ के बल्लेबाजों ने भी इस सत्र में अच्छा प्रदर्शन किया है जिससे उसकी टीम कई अवसरों पर 300 रन का आंकड़ा छूने में सफल रही है। बड़ौदा के खिलाफ ग्रुप चरण में उसकी नौ विकेट की जीत उल्लेखनीय है, जिसमें उसकी टीम ने 293 रन का लक्ष्य 50 गेंद शेष रहते हासिल किया था।

टीम

कर्नाटक : मयंक अग्रवाल (कप्तान), करुण नायर, अभिलाष शेट्टी, श्रीशा अचार, हर्षिल धर्माणी, श्रेयस गोपाल, अभिनव मनोहर, मनवंत कुमार, देवदत्त पडिक्कल, ध्रुव प्रभाकर, प्रसिद्ध कृष्णा, केएल राहुल, बीआर शरथ, कृष्णन श्रीजीत, रविचंद्रन स्मरण, विजयकुमार विशाक।

विदर्भ : हर्ष दुबे (कप्तान), यश ठाकुर, गणेश भोसले, नचिकेत भुते, शिवम देशमुख, शुभम दुबे, प्रफुल्ल हिंगे, यश कदम, अमन मोखड़े, दर्शन नालकंडे, दीपेश परवानी, यश राठौड़, पार्थ रेखाडे, रविकुमार समर्थ, ध्रुव शौरी, अथर्व तायडे, अक्षय वाडकर।

पीवी सिंधु पहले दौर से बाहर श्रीकांत और मालविका जीते

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु बुधवार को यहां इंडिया ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट के महिला एकल के पहले दौर में हारकर प्रतियोगिता से बाहर हो गईं जबकि किदांबी श्रीकांत, एच एस प्रणय और मालविका बंसोड़ दूसरे दौर में पहुंच गए। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु वियतनाम की थुई लिन एनगुएन के खिलाफ पहला गेम जीतने के बावजूद कड़े मुकाबले में हार गईं जबकि श्रीकांत ने भारत के ही थारुन मानेपल्ली को हराया।

दुनिया की 12वें नंबर की खिलाड़ी और 2017 की चैंपियन सिंधु को एक घंटा और आठ मिनट चले पहले दौर के मुकाबले में दुनिया की 23वें नंबर की वियतनाम की खिलाड़ी एनगुएन के खिलाफ 22-20, 12-21, 15-21 से हार झेलनी पड़ी। इंडिया ओपन 2015 के चैंपियन और दुनिया के 34वें नंबर के खिलाड़ी श्रीकांत ने पहला गेम गंवाने के बाद जोरदार वापसी करते हुए मान्नेपल्ली को 53 मिनट में 15-21, 21-6, 21-19 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया।

दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी श्रीकांत ने पहला गेम गंवाने के बाद दूसरे गेम में एकतरफा जीत दर्ज की और फिर निर्णायक गेम में थारुन की कड़ी चुनौती से पार पाते हुए जीत दर्ज की। श्रीकांत अगले दौर में फ्रांस के पांचवें वरीय क्रिस्टो पोपोव से भिड़ेंगे जिन्होंने चीनी ताइपे के जू वेई वैंग को 13-21, 21-18, 21-19 से हराया। प्रणय ने हांगकांग के ली चेयुक यिउ को 41 मिनट में 22-20, 21-18 से हराया। यह भारतीय खिलाड़ी अगले दौर में आठवें वरीय सिंगापुर के लोह कीन येव के खिलाफ उतरेगा जिन्होंने चीन के वैंग झेंग शिंग को 23-21, 19-21, 21-14 से शिकस्त दी। पिछले सत्र के दूसरे हाफ में चोटों से परेशान रही मालविका बंसोड़ ने भी कड़े मुकाबले में चीनी ताइपे की पाइ यु पो को 51 मिनट में 21-18, 21-19 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई। अगले दौर में उनकी भिड़ंत चीन की हेन युइ से होगी।

इंडिया ओपन

एनगुएन से लगातार तीसरी बार हारीं सिंधु

एनगुएन के खिलाफ सिंधु की यह लगातार तीसरी हार है और उनके लिए यह नतीजा बड़ा झटका है क्योंकि वह पिछले हफ्ते मलेशिया ओपन सुपर 1000 के सेमीफाइनल में पहुंची थी और घरेलू प्रशंसकों को उनसे यहां अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद थी।

इंडिया ओपन

डेनमार्क की मिया ब्लिचफेल्ट की आलोचना के बाद दी प्रतिक्रिया

मेजबानी के दौरान कोई ना कोई कमी होती है : श्रीकांत

नई दिल्ली, एजेंसी

दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने बुधवार को कहा कि उन्हें इंडिया ओपन की मेजबानी कर रहे इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में खेलने की स्थितियों में कुछ भी गलत नहीं लगा और हर मेजबान देश में कोई ना कोई कमी होती ही है। भारत के दिग्गज खिलाड़ी श्रीकांत ने साथ की कहा कि ऐसी चुनौतियां खेल का हिस्सा हैं और यह किसी एक मेजबान देश तक सीमित नहीं हैं और प्रत्येक मेजबान स्थल पर कमियां नजर आती हैं।

डेनमार्क की मिया ब्लिचफेल्ट ने मंगलवार को इंदिरा गांधी स्टेडियम परिसर की सुविधाओं और आसपास के माहौल की आलोचना करते हुए उसे गंदा और स्वास्थ्य के लिए खराब बताया था। उन्होंने साथ ही विश्व बैडमिंटन महासंघ से इस साल अगस्त में इसी स्थल पर होने वाली विश्व चैंपियनशिप से पहले दखल देने का आग्रह किया था।

हमवतन थारुन मन्नेपल्ली को पहले दौर के कड़े मुकाबले में हराने के बाद 2021 विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता श्रीकांत ने कहा कि उन्हें यह बात समझ ही नहीं आ रही कि मेजबान स्थल की आलोचना क्यों हो रही है।

श्रीकांत ने कहा मुझे नहीं पता कि ऐसा क्यों हो रहा है क्योंकि हर देश की अपनी परिस्थितियां होती हैं। उन्होंने कहा सिंगापुर में बहुत अधिक ड्रिफ्ट होता है और मलेशिया में शायद इसकी तुलना में थोड़ा कम। इंडोनेशिया में नवीनीकरण से पहले शटल काफी तेज जाती थी। हर देश की अपनी चुनौती होती है।

ब्लिचफेल्ट की टिप्पणियों के बारे में पूछे जाने पर श्रीकांत ने कहा कि उन्होंने उनका बयान विस्तार से नहीं पढ़ा है लेकिन उन्हें लगता है कि हालात अस्वीकार्य नहीं थे। श्रीकांत ने कहा, ''सच कहूं तो मुझे नहीं पता कि उन्होंने क्या कहा है। लेकिन मुझे लगता है कि परिस्थितियां ठीक हैं। मैंने कोई बुरी चीज होते हुए नहीं देखी। उन्होंने कहा 2016 या 2017 में मुझे डेनमार्क में अपने मैच के बीच में लगभग एक घंटे तक इंतजार करना पड़ा था क्योंकि बत्ती गुल हो गई थी।

श्रीकांत ने एचएस प्रणय से जुड़े एक मामले का भी जिक्र किया जिन्हें दो दिन में एक मैच पूरा करना पड़ा था। उन्होंने कहा एक बार प्रणय मुझे बता रहे थे कि उन्हें अपना मैच अगले दिन खेलना पड़ा। उन्होंने पहले दिन एक गेम खेला और फिर अगले दिन दूसरा गेम। श्रीकांत ने कहा ये चीजें हो जाती हैं, कोई जानबूझकर ऐसा नहीं करता।

एंटोनसन ने दिल्ली प्रदूषण के कारण नाम वापस लिया

नई दिल्ली। डेनमार्क के दुनिया के नंबर 3 बैडमिंटन खिलाड़ी एंडर्स एंटोनसन ने राष्ट्रीय राजधानी में गंभीर वायु प्रदूषण को लेकर चिंताओं के कारण लगातार तीसरे साल इंडिया ओपन से नाम वापस ले लिया है। एंटोनसन ने एक इंस्टाग्राम स्टोरी के ज़रिए यह खुलासा किया, जिसमें बताया कि दिल्ली में मौजूदा हवा की क्वालिटी के कारण उन्होंने बीडब्ल्यूएफ सुपर 750 टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया। एंटोनसन ने लिखा इस समय दिल्ली में बहुत ज़्यादा प्रदूषण के कारण, मुझे नहीं लगता कि यह बैडमिंटन टूर्नामेंट आयोजित करने के लिए सही जगह है। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें उम्मीद है कि गर्मियों तक हालात बेहतर हो जाएंगे, जब शहर में वर्ल्ड चैंपियनशिप होनी है।